Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 21 May 2025 ● Year : 03 ● Issue : 125 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

कलाकार के पास हृदय का यौवन होना चाहिए, ताकि उसे धरती पर उड़ेलकर वह जीवन की कुरूपता को सुंदर बना सके।

–सुमित्रानंदन पंत

Mouni Roy's Special Night...

SHARE

सेंसेक्स	:	81,210.95
निफ्टी	:	24,684.50

SARAFA

सोना	:	8,885
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

हेमंत की अध्यक्षता में आज होगी टीएसी की मीटिंग

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में 21 मई को टीएसी की बैठक होनी है। इसमें 13 विधायक और 2 मनोनीत सदस्य शामिल हैं। जिनमें बीजेपी के बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन का नाम भी है। बीजेपी ने झारखंड में 21 मई को होने जा रही ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) की पहली बैठक से किनारा करने का निर्णय लिया है। पार्टी का आरोप है कि राज्य सरकार आदिवासी हितों की रक्षा नहीं कर रही है और टीएसी सदस्यों की नियुक्ति की प्रक्रिया को दरकिनार किया गया है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पांचवीं अनुसूची के तहत राज्यपाल को टीएसी सदस्यों की नियुक्ति का अधिकार है, लेकिन मौजूदा सरकार ने इस प्रक्रिया को दरकिनार कर दिया है।

आईबी चीफ का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा

NEW DELHI : सरकार ने इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के चीफ तपन कुमार डेका का कार्यकाल 1 साल के लिए और बढ़ा दिया है। 20 मई को मंत्रालय ने आदेश जारी किया है। डेका हिमाचल प्रदेश कैडर के 1988 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। आदेश में कहा गया है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने 30 जून, 2025 से आगे एक साल की अवधि के लिए इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में डेका की सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है।

आईएसआई समर्थित छह आतंकी गिरफ्तार

CHANDIGARH : पंजाब पुलिस ने गुरदासपुर जिले में एक मुठभेड़ के बाद आईएसआई समर्थित छह आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली से एक आतंकी घायल हुआ है, जिसकी पहचान जतिन कुमार उर्फ रोहन के रूप में हुई है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को उक्त जानकारी देते हुए बताया कि गुरदासपुर में एक ऑपरेशन के दौरान बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) के छह आतंकी गिरफ्तार किए गए हैं। जिनमें जतिन कुमार उर्फ रोहन, बरिंदर सिंह उर्फ सज्जन, राहुल मसीह, अब्राहम उर्फ रोहित, सोहित और सुनील कुमार शामिल है।

मुंबई में 2 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की चली गई जान

MUMBAI : मुंबई के केईएम अस्पताल में दो कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि, डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी। इधर, एशिया के सिंगापुर, हॉन्गकॉन्ग, चीन और थाईलैंड में कोरोना वायरस के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। इन देशों में नए मामलों की संख्या में इजाफा हो रहा है। सिंगापुर में 1 मई से 19 मई के बीच 3000 मरीज सामने आए हैं।

भ्रष्टाचार : अब ब्यूरोक्रेट्स पर बड़ा प्रहार... झारखंड में एंटी करप्शन ब्यूरो ने की कार्रवाई

शराब घोटाला मामले में आईएएस विनय चौबे और उत्पाद संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह गिरफ्तार

6 घंटे की पूछताछ के बाद दोनों को किया गया अरेस्ट, सामने आई कई महत्वपूर्ण जानकारियां

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को शराब घोटाला मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने झारखंड के सीनियर आईएएस अधिकारी विनय चौबे को गिरफ्तार कर लिया। शराब घोटाले के मामले में उनसे 6 घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया। इस मामले में एसीबी ने उत्पाद संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह को भी गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार सुबह एसीबी की एक टीम तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे के आवास पहुंची थी। इसके कुछ देर के बाद उन्हें गाड़ी में बिठाकर एसीबी ऑफिस लाया गया। इसके बाद पूछताछ का सिलसिला शुरू हुआ। शाम होने से पहले पूर्व संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह को भी पूछताछ के लिए बुला लिया गया। इसी बीच मेडिकल टीम के एसीबी दफ्तर पहुंचने से साफ हो गया था कि कोई बड़ी कार्रवाई होने जा रही है। शाम 4.30 बजे के करीब इस रहस्य पर से पर्दा तब उठ गया, जब एसीबी की टीम विनय कुमार चौबे को लेकर कोर्ट के लिए रवाना हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच दोनों अधिकारियों को एसीबी की विशेष अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने विनय चौबे और गजेंद्र सिंह को 3 जून तक (14 दिन) न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सुबह-सुबह विनय चौबे के घर पहुंची थी जांच एजेंसी की टीम, कुछ देर के बाद उन्हें अपने साथ ले गई एसीबी कार्यालय

पूछताछ के बाद गजेंद्र सिंह को बुलाया गया, इसके बाद मेडिकल टीम भी पहुंची

- शाम करीब 4.30 बजे दोनों को लेकर कोर्ट के लिए रवाना हुई एसीबी की टीम
- विशेष अदालत में किया गया पेश, कोर्ट ने 14 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा

विनय चौबे के ही कार्यकाल में कथित तौर पर हुआ था शराब घोटाला

पूरा मामला झारखंड में 31 मार्च 2022 से लागू नई उत्पाद नीति से है संबंधित

छत्तीसगढ़ आर्थिक अपराध शाखा की प्राथमिकी के बाद एसीबी ने दर्ज की पीई

आगे की पूछताछ के लिए कोर्ट में रिमांड का कोई आवेदन नहीं

एसीबी ने आगे की पूछताछ के लिए कोर्ट में रिमांड का कोई आवेदन नहीं दिया है। जानकारी के अनुसार, एसीबी की पूछताछ में कई जानकारियां सामने आई हैं। विनय चौबे उत्पाद विभाग के तत्कालीन सचिव हैं। उनके ही कार्यकाल में कथित तौर पर शराब घोटाला हुआ था। पूरा मामला झारखंड में 31 मार्च 2022 से लागू नई उत्पाद नीति से संबंधित है।

आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप

एसीबी ने विनय चौबे पर छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर झारखंड में नई शराब नीति बनाने और राज्य सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। एसीबी रांची ने भी छत्तीसगढ़ आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी (36/2024) के बाद पीई (प्रिलिमनरी एग्जामिनेशन यानी प्रारंभिक जांच) दर्ज की। जांच के दौरान एसीबी ने कई बार तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे और गजेंद्र सिंह से पूछताछ की। प्रारंभिक पूछताछ के दौरान मिली जानकारी के आधार पर एसीबी ने सरकार की अनुमति से शराब घोटाले में नियमित प्राथमिकी दर्ज की। इस बीच मार्च 2025 में आर्थिक अपराध शाखा ने छत्तीसगढ़ में दर्ज प्राथमिकी की जांच पूरी करने के बाद राज्य सरकार को पत्र लिख कर विनय चौबे, गजेंद्र सिंह के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति आदेश जारी करने का अनुरोध किया।

छत्तीसगढ़ सिंडिकेट में भूमिका के सिलसिले में पूछताछ

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ आर्थिक अपराध शाखा से मिले पत्र के आलोक में सुप्रीम कोर्ट के वरीय अधिवक्ता एस. नागामुथू से कानूनी राय मांगी। कानूनी राय के लिए राज्य सरकार की ओर से झारखंड में भी चल रही जांच की जानकारी दी थी। सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता से कानूनी राय मिलने के बाद एसीबी झारखंड ने सुबह करीब 10.30 बजे तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय चौबे को उनके घर से ले आई। विनय चौबे से हुई पूछताछ के बाद एसीबी ने दोपहर को गजेंद्र सिंह को भी बुलाया। इसके बाद इन दोनों अधिकारियों से छत्तीसगढ़ सिंडिकेट में उनकी भूमिका के सिलसिले में पूछताछ की।

नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर पहुंचाई करोड़ों की क्षति

आरोप है कि इसके लिए जनवरी 2022 में झारखंड में उत्पाद नीति को बदलने के लिए छत्तीसगढ़ के अधिकारियों के साथ तत्कालीन उत्पाद सचिव व अन्य अधिकारियों ने प्लान किया और रायपुर में बैठक की थी। यह भी आरोप है कि उत्पाद नीति लागू होने के बाद दो वर्षों तक झारखंड उत्पाद नीति में छत्तीसगढ़ की एजेंसियां कार्यरत रहीं। नकली होलोग्राम, अवैध शराब की सप्लाई कर झारखंड सरकार को करोड़ों की क्षति पहुंचाई गई। छत्तीसगढ़ के रायपुर में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने भी ईसीआईआर किया था। पूर्व में ईडी ने पूर्व उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे व संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। तब सभी अधिकारियों के आईफोन व अन्य दस्तावेजों को भी ईडी ने जब्त किया था। झारखंड के तत्कालीन उत्पाद सचिव विनय कुमार चौबे, संयुक्त आयुक्त उत्पाद गजेंद्र सिंह व अन्य के विरुद्ध छत्तीसगढ़ की आर्थिक अपराध शाखा रायपुर में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर ही ईडी ने गत वर्ष अपने यहां ईसीआईआर दर्ज किया था। उक्त केस रांची के अरगोड़ा निवासी विकास सिंह की शिकायत पर दर्ज किया गया था। उनका आरोप था कि छत्तीसगढ़ के तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव अनिल टुटेजा, छत्तीसगढ़ राज्य मार्केटिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक अरुणपति त्रिपाठी, रायपुर के बैरन बाजार निवासी अनवर ढेबर व उनके सिंडिकेट ने झारखंड के अधिकारियों के साथ मिलकर साजिश पूर्वक झारखंड की आबकारी नीति में फेरबदल किया।

मौसम विभाग की ओर से एक दिन पहले ही जारी कर दिया गया था अलर्ट

अचानक बदल गया मौसम का मिजाज तेज हवाओं के साथ हुई जोरदार बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को दिन में भीषण गर्मी के बाद दोपहर के बाद झारखंड की राजधानी रांची सहित अन्य इलाकों में अचानक मौसम का मिजाज बदल गया। तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई। मौसम में बदलाव से लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। दूसरी तरफ एक घंटे की तेज बारिश के कारण जगह-जगह हुए जल-जमाव के कारण लोगों को आवागमन में परेशानी हुई। राजधानी के कोकर इलाके में आंधी के कारण एक पेड़ गिर गया और दो लोग घायल हो गए। बता दें कि मौसम विभाग ने अपने पूवानुर्मान में देवघर, हजारीबाग और रांची में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना जताई थी। इसे लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया था।

निगम की खुली पोल, सड़कों पर पानी के साथ बह रहा था कचरा

एक घंटे की वर्षा से हुए जल-जमाव ने लोगों को किया परेशान

राजधानी में हुई जोरदार बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। सड़कों पर इस कदर पानी का जमाव हुआ कि नाली और सड़क का पता नहीं चल रहा है। इससे वाहन चालकों को काफी परेशानी हो रही है। इसके साथ ही रांची नगर निगम की पोल भी खुल गई। जगह-जगह पानी के साथ कचरा भी बह रहा था। पिछले 24 घंटे के दौरान हुए बारिश और वज्रपात ने आम जीवन को प्रभावित किया। इस दौरान सबसे अधिक बारिश खूंटी में 50 मिमी में हुई। राज्य की राजधानी रांची में 27 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है। सोमवार को उत्तर-पूर्व इलाके में बारिश के साथ ओलावृष्टि भी हुई थी। लातेहार में 41 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। बारिश के दौरान वज्रपात भी हुआ। इस वज्रपात ने राज्य के अलग- अलग जगहों पर 6 लोगों की जान ले ली। जानकारी के मुताबिक गढ़वा में 3, रामगढ़ में 2, हजारीबाग में 1 की मौत हुई है। अन्य जिलों में बारिश के दौरान हुए वज्रपात से कई लोगों के घायल होने की सूचना है।

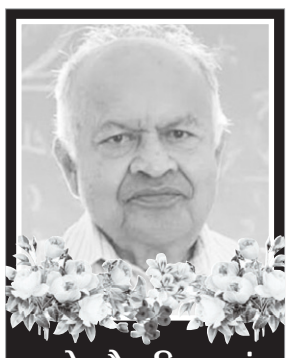

खगोल वैज्ञानिक जयंत नारलीकर का निधन

PUNE : मंगलवार को प्रख्यात खगोल वैज्ञानिक, सरल तरीकों से विज्ञान को लोगों को रूबरू कराने वाले पद्म विभूषण से सम्मानित डॉ. जयंत विष्णु नारलीकर का पुणे में निधन हो गया। वह 86 वर्ष के थे। उनके परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। भारतीय विज्ञान जगत की जानी-मानी हस्ती डॉ. नारलीकर को व्यापक रूप से ब्रह्मांड विज्ञान में उनके अग्रणी योगदान, विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों और देश में प्रमुख अनुसंधान संस्थानों की स्थापना के लिए जाना जाता था। डॉ. नारलीकर को 1965 में महज 26 वर्ष की उम्र में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था।

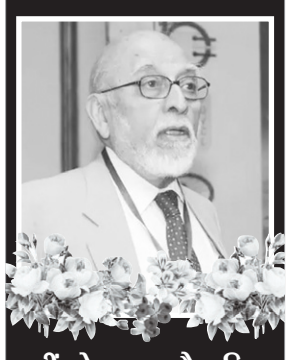

नहीं रहे परमाणु वैज्ञानिक एमआर श्रीनिवासन

दूसरी ओर मंगलवार को ही प्रख्यात परमाणु वैज्ञानिक और परमाणु ऊर्जा आयोग के पूर्व अध्यक्ष एमआर श्रीनिवासन का निधन हो गया है। वे 95 वर्ष के थे। उन्होंने उदगमंडलम (ऊटी) में अंतिम सांस ली। परमाणु विज्ञानी श्रीनिवासन ने डॉ. होमी भाभा के साथ मिलकर देश के पहले परमाणु अनुसंधान रिएक्टर अप्सरा के निर्माण में काम किया था। यह अगस्त 1956 में शुरू हुआ था। उन्हें 1959 में देश के पहले परमाणु ऊर्जा स्टेशन के लिए प्रधान परियोजना इंजीनियर नियुक्त किया गया।

पाक के किसी भी हिस्से को निशाना बनाने के लिए भारतीय वायु सेना सक्षम

AGENCY NEW DELHI : भारतीय वायु सेना ने कहा है कि भारत के पास इतनी ताकत है कि वह पाकिस्तान के किसी भी हिस्से को निशाना बना सकती है। एयर डिफेंस चीफ लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान ने कहा है कि चाहे पाकिस्तानी सेना अपना मुख्यालय रावलपिंडी से हटाकर खैबर पख्तूनख्वाह तक कहीं और क्यों न ले जाए, वह हमारी रेंज में ही रहेगा। उधर, इजरायल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है, सिर्फ रोका गया है। उन्होंने पाकिस्तान से मांग की कि हाफिज सईद, सज्जाद मीर और जकीउर रहमान लखवी जैसे बड़े आतंकियों को भारत को सौंपा जाए। उन्होंने कहा- हमने पाकिस्तान में आतंकी ठिकाने तबाह करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर चलाया। भारत अब नई रणनीति पर काम कर रहा है, जहां भी आतंकी होंगे, हम हमला करेंगे और उनके ठिकाने तबाह करेंगे। पाकिस्तान ने अमृतसर के गोल्डेन टेंपल पर हमले की कोशिश से इनकार किया है।

एयर डिफेंस चीफ लेफ्टिनेंट बोले- रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वाह तक कहीं भी कर सकते हैं स्ट्राइक

ऑपरेशन सिंदूर का दिल था पुंछ ब्रिगेड

पुंछ ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर मुदित महाजन ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में ब्रिगेड की भूमिका सिर्फ भाग लेने की नहीं, बल्कि इसकी धड़कन बनने की थी। उन्होंने बताया कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेना ने आतंकियों के नौ अहम ठिकानों में से छह को पूंछ, राजौरी और अखनूर के सामने सटीकता से निशाना बनाकर तबाह किया। ब्रिगेडियर महाजन ने कहा कि जब पाकिस्तान सेना ने नागरिक इलाकों को निशाना बनाना शुरू किया, तब भारतीय सेना ने उनके सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की।

खड़गे ने ऑपरेशन सिंदूर को छोटा युद्ध बताया

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को कर्नाटक के विजयनगर में ऑपरेशन सिंदूर को छोटा युद्ध कहा। वे बोले- पीएम मोदी कश्मीर इसलिए नहीं गए, क्योंकि इंटेलिजेंस एजेंसियों ने उन्हें वहां जाने से मना किया था। केंद्र सरकार टूरिस्ट्स से पहलगाम जाने से मना क्यों नहीं किया अगर आप लोगों से बोल देते तो 26 जिंदगियां बच सकती थीं और ये छोटा युद्ध (ऑपरेशन सिंदूर) भी नहीं होता।

भारतीय सेना ने पुंछ में नष्ट किया पाकिस्तानी बम

भारतीय सेना के बम निरोधक दस्ते ने मंगलवार को पुंछ जिले में सीमा में जिंदा पाकिस्तानी बम को नष्ट किया। यह बम सड़क किनारे पड़ा था, जिसे वहां के लोगों की सुरक्षा के लिए हटाया और तबाह किया गया। भारतीय सेना के एक अफसर ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में हमने आतंकियों के ठिकानों को सही निशाना लगाकर तबाह कर दिया। जब दुश्मन ने हमारे तोप वाले इलाकों पर हमला किया, तो उनकी फायरिंग गलत थी, इसलिए हमें कोई नुकसान नहीं हुआ।

शुभ संकेत अमूमन एक जून को होती है मानसून की शुरुआत, इस बार 27 मई से

देश की कृषि और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने के बन रहे हालात

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : भीषण गर्मी के बीच जब समय से पहले मानसून की दस्तक होती है, तो इससे मौसम ही सुहाना नहीं बनता है, बल्कि किसानों के लिए भी अपार खुशी की बात होती है। तमाम वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के बाद आज भी भारत की बड़ी आबादी की आजीविका कृषि से जुड़ी हुई है। संपूर्ण अर्थव्यवस्था में भी कृषि का बड़ा योगदान है। अतः कृषि का विकास हर हाल में आवश्यक है। तमाम किस्म के मौसम पूवार्नुमानों के अनुसार, इस बार देश में मानसून का आगमन समय के पहले हो रहा है। इस स्थिति का कृषि और अर्थव्यवस्था पर बड़ा सकारात्मक असर पड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून की गतिविधियां समय से पहले शुरू हो गई हैं। उनका मानना है कि इसकी गति और दिशा के आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मानसून 27 मई तक केरल पहुंच सकता है, जबकि सामान्यतः इसकी शुरुआत 1 जून को होती है। पिछले कुछ दिनों में निकोबार द्वीप समूह और आसपास के क्षेत्रों में भारी बारिश हो रही है।

बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से व अंडमान सागर में पश्चिमी हवाओं का बना दबाव

समुद्र तल से 1.5 से लेकर 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय है प्रेशर

- प्रभावित क्षेत्र में आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन में देखी जा रही कमी
- दक्षिण अरब सागर व बंगाल की खाड़ी के अन्य हिस्सों में भी बन रहीं अनुकूल स्थितियां

सरकार ने वर्ष 2025-26 के लिए 35.464 करोड़ टन का रखा है कृषि उत्पादन लक्ष्य

- स्वाभाविक असर के रूप में निकोबार द्वीप समूह में शुरू हो चुकी है बारिश
- वर्तमान परिस्थिति में 20 मील प्रति घंटे से अधिक मापी गई है हवाओं की गति

बेहतर मानसूनी सक्रियता का संकेत

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी हिस्से और अंडमान सागर में तेज पश्चिमी हवाओं का दबदबा है। यह समुद्र तल से 1.5 से लेकर 4.5 किलोमीटर की ऊंचाई तक सक्रिय हैं। हवाओं की गति 20 मील प्रति घंटे से अधिक मापी गई है। इसके साथ ही क्षेत्र में आउटगोइंग लॉन्गवेव रेडिएशन (ओएलआर) में कमी देखी गई है, जो मानसून की सक्रियता का एक अहम संकेतक है।

अवैध संबंध का विरोध किया तो पति ने अपनी पत्नी की कर दी हत्या

सोमवार की देर रात पत्नी को मार दी थी गोली, पूरा परिवार फरार

AGENCY PALAMU : पति के अवैध संबंध का विरोध करने की कीमत विवाहिता को जान देकर चुकानी पड़ी। पति ने पत्नी के सीने में दो गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति व उसके परिवार के सदस्य फरार हैं। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। घटना पाटन थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव की है, जहां सोमवार की देर रात पति विनीत कुमार सिंह ने पत्नी सिमरन उर्फ सुखी की गोली मार कर हत्या कर दी। सूचना मिलने पर पाटन थाना की पुलिस रात में ही घटनास्थल पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कालेज-अस्पताल भेज दिया।

बताया गया कि मेदिनीनगर निवासी सिमरन की शादी पाटन थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव के विनीत सिंह के साथ फरवरी में ही हुई थी। शादी के बाद से ही विनीत सिंह के किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध को लेकर सिमरन परेशान चल रही थी। इस बीच बीते सोमवार को विनीत सिंह के दूसरे संबंध को लेकर सिमरन के साथ विवाद हुआ था। सिमरन के सीने में दो गोली लगी थी, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद विनीत सिंह और उसका पूरा परिवार फरार हो गया है।

घटनास्थल पर जुटे लोग व इनसेट में मृतका की फाइल फोटो

विनीत सिंह का किसी दूसरी लड़की से नाजायज संबंध था। उसकी पत्नी लगातार इसका विरोध कर रही थी। घटना के समय दोनों के बीच इसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इस विवाद में विनीत सिंह ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कालेज-अस्पताल भेज दिया है। पुलिस आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। - **लालजी, थाना प्रभारी, पाटन, पलामू**

दो तालाबों में डूबकर मां व दो बेटियों समेत पांच की मौत

BOKARO : चंदनकियारी थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग घटना में मां व दो बेटियों समेत पांच की मौत हुई है। बरमसीया ओपी के गम्हरिया गांव स्थित तालाब में डूबने से जिला परिषद कार्यालय में कार्यरत कर्मी दिनेश दास की पत्नी 35 वर्षीय ज्योत्सना देवी के अलावा उनकी 15 वर्षीय बेटी निशा किशोर व 13 वर्षीय पुत्री तनुश्री की डूबने से मौत हो गई। इसी तालाब में इसी गांव की 55 वर्षीय शांति देवी की भी डूबने से मौत हो गई। बताया जा रहा है ज्योत्सना अपनी दोनों बेटियों व पड़ोसी शांति देवी के साथ तालाब में कपड़ा धोने गई थी। इसी दौरान सभी की डूबने से मौत हो गई। दूसरी घटना इसी ओपी इलाके के बरमसीया गांव में हुई। यहां तालाब में नहाने के दौरान 14 वर्षीय नील साहनी की डूबने से मौत हो गई। सभी शव को पुलिस तालाब से निकालने का प्रयास कर रही है।

घटनास्थल पर जुटे परिजन व ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

बिजली तार से सटकर एक की मौत

AGENCY PALAMU : पलामू प्रमंडल के गढ़वा जिले मेराल थाना क्षेत्र के गोंदा गांव में सब्जी की खेती को नीलगाय से बचाने के लिए खेत के चारों तरफ लगाये गये विद्युत प्रवाहित नंगा तार की चपेट में आने से मंगलवार की सुबह में एक अधेड़ की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि मृतक का बड़ा भाई बाल बाल बच गए। जानकारी के अनुसार गोंदा गांव में लाईन होटल के बगल में सब्जी की खेती को नीलगाय से बचाने के लिए विद्युत प्रवाहित नंगा तार लगाया गया था, जिसकी चपेट में झूमेलवा टोला के नंदू कुशवाहा (45) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि मृतक का बड़ा भाई लोकी महतो बाल बाल बच गए। लोकी महतो के अनुसार दोनों भाई एक साथ लाइन होटल से चाय पीकर खेत के रास्ते अपने घर जा रहे थे।

खेत के रास्ते पर लगाया गया नंगा तार को देखकर मैं झुक कर पार हो गया, परंतु मेरा छोटा भाई नंदू तार में फंस कर गिर पड़ा और तड़पने लगा, जिसे देखकर आसपास से एक डंडा लाकर तार को तोड़ दिया, परंतु तब तक देर हो गई थी। उल्लेखनीय है कि सोमवार को हुई वर्षा से जमीन गिली थी और नंदू विद्युत प्रवाहित पतला नंगा तार पर ही गिर गए, जिससे उनके शरीर में जोरदार करंट लगा। जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और खेत के चारों तरफ लगाए गए पतला नंगा तार का विरोध करते हुए मुआवजा की मांग करने लगे। घटना की जानकारी मिलने पर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई थी। आक्रोशित लोगों को समझने का प्रयास किया जा रहा है।

BRIEF NEWS

बिना हेलमेट बाइक सवारों से वसूला जुर्माना

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम व यातायात प्रबंधन को लेकर ज़िला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में मंगलवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 24 ऑटो को सख्त हिदायत देकर छोड़ा गया और 8 बाइक सवारों का 17,000 रुपये ऑनलाइन चालान काटा गया। मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय, लातेहार के सामने वैसे ऑटो की जांच की गई, जिन्होंने क्षमता से अधिक स्कूली छात्रों को बैठाया था। उन्हें सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया गया, चेतावनी दी गई कि भविष्य में सड़क सुरक्षा के मानकों का अनुपालन नहीं किया गया तो वाहन जब्त कर लिया जाएगा।

खड़े ट्रेलर में बस ने मारी टक्कर, पांच घायल

BOKARO : खड़े ट्रेलर को चलती बस ने टक्कर मार दी इसमें पांच सवारी घायल हो गए। सभी घायलों को पिण्ड्राजोड़ा पुलिस ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया । जहां एक आठ साल की बच्ची सहित एक अन्य व्यक्ति की स्थिति नाजुक बताई जा रही है। अन्य तीन घायलों की स्थिति समान्य बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अयोध्या नामक बस मंगलवार को किरीबुरु से बोकारो आ रही थी। इसी क्रम में मोदक पेट्रोल पम्प के पास सड़क किनारे खड़ी ट्रेलर को बस ने अनियंत्रित होकर जोरदार टक्कर मार दी । इस घटना से बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया । चालक के पिछला सीट पर बैठे बाबा पोती दब गए। काफी जद्दोजहाद के बाद पुलिस दोनों को सकुशल निकालने में सफल हुई।

आमजनों की समस्याओं का करें त्वरित समाधान : डीसी

PHOTON NEWS HAZARIBAG : समाहरणालय सभागार में मंगलवार को साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन हुआ। इसमें उपायुक्त नैन्सी सहाय ने आमजनों की समस्याओं को सुना तथा इसके त्वरित समाधान के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर लगभग एक दर्जन फरियादियों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन समर्पित किए। शहरी सहित विभिन्न प्रखंडों से आए आवेदकों में मारपीट, आवास योजना का लाभ दिलाने, दाखिल-खारिज, पेंशन, भूमि अतिक्रमण, भूमि पर अवैध कब्जा आदि से संबंधित मामले थे। कुछ ने दिव्यांगता पेंशन चालू कराने का अनुरोध भी किया। सदर प्रखंड से तारा प्रवीण ने अपने बच्चे का विद्यालय में नामांकन कराने के लिए आवेदन दिया। बरकट्ठा प्रखंड से भुवनेश दास ने अबुआ आवास का लाभ दिलाने का आग्रह किया। बरही से रेणु कुमारी ने रोजगार दिलाने का आग्रह किया। ग्राम अडारा बरही से विष्णु ठाकुर ने भू-दान से प्राप्त भूमि पर अतिक्रमण करने तथा विपक्षी द्वारा जमीन की जमाबंदी अवैध तरीके से अपने नाम दर्ज कराने की शिकायत की। ओकनी से एनुल हक ने अपनी जमीन की रसीद किसी अन्य व्यक्ति के नाम से कटाने पर रोक लगाने को कहा। इचाक प्रखंड से कमता देवी ने अपने आवास की स्थिति जर्जर होने पर अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाने की मांग रखी। पदमा थाना क्षेत्र के बरही से भगवान प्रसाद साव ने जमीन पर रिश्तेदारों द्वारा अवैध जमाबंदी कराने तथा जमीन हड़पने से बचाने की गुहार लगाई।

जिले भर से आए लोगों की समस्या सुनतीं उपायुक्त नैन्सी सहाय ● फोटोन न्यूज

निराश्रित बच्चों को चिह्नित करने के लिए 26 से चलेगा अभियान

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार, नई दिल्ली द्वारा निराश्रित बच्चों के लिए प्रारंभ किया गया अभियान साथी के अंतर्गत झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निदेर्शानुसार प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश-सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार पांडेय की अध्यक्षता में अभियान साथी के जिला कमेटी का गठन किया गया। अभियान 26 मई से 26 जून तक चलेगा। अभियान साथी का मुख्य उद्देश्य निराश्रित बच्चों का आधार कार्ड बनवाना एवं शिक्षा सहित उन्हें सभी प्रकार की सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। अभियान के लिए गठित कमेटी की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव धर्मेंद्र कुमार करेंगे, जबकि इसके सदस्य जिला महिला व बाल विकास पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार ठाकुर, जिला चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला आधार पंजीकरण की प्रतिनिधि प्रिया, बाल गृह एवं अन्य बाल आश्रय के प्रतिनिधि, पेनॉल अधिवक्ता सुगी मुर्म, लक्ष्मी बिरुवा, शमसाद खान व दिनेश कुमार साहू एवं चार पीएलवी हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से एक की मौत, चार घायल

अस्पताल में परिजन ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : जिले के बालूमाथ थाना क्षेत्र अंतर्गत सीरम गांव में स्थित ईंट भट्ठा के पास आकाशीय बिजली गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि चार अन्य मजदूर घायल हो गए। मृतक मजदूर की पहचान कन्हैया लाल (55) के रूप में हुई है। जबकि घायलों में सुखलाल कंवर, लीलाधर साय, योगेश्वरी कुमारी और जानकी कवर शामिल है। सभी मजदूर छत्तीसगढ़ के मसलिया गांव के रहने वाले हैं। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को सभी मजदूर भट्ठा पर काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी जब तक मजदूर कुछ समझ पाते तब तक आकाशीय बिजली गिर गयी। घटना में मजदूर कन्हैया लाल सहित अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। बाद में सभी मजदूरों को बालूमाथ अस्पताल लाया गया। जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने कन्हैया लाल को मृत घोषित कर दिया। शेष अन्य घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

पकड़ा गया मृत खाताधारी के नाम पर स्टेट बैंक से पैसा निकालने वाला

AGENCY PALAMU : भारतीय स्टेट बैंक की कृषि विकास शाखा सतबरवा से मृत खाताधारी के नाम पर 13 हजार रुपये की निकासी करने वाले पोंची के बिलरियाटांड के तिलेश्वर भुइयां को हिरासत में ले लिया गया है।

प्रबंधक मनीष प्रसाद एवं सीनियर अकाउंटेंट अभय कुमार सिंह ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चिन्हित करते हुए आरोपित को सतबरवा थाना पुलिस को सौंप दिया। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार राणा ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की है।

वहीं अकाउंटेंट अभय कुमार सिंह ने बताया कि 27 मार्च 2025 को मानसोती गांव के दिवंगत विश्वनाथ मोची के एसबीआई

पुलिस गिरफ्त में आरोपी

अकाउंट संख्या 31948894...से 13 हजार रुपये की अवैध निकासी दो बजकर दो मिनट पर तिलेश्वर भुइयां ने कर ली थी। उसने स्वीकार किया है कि उसके पीछे एक बच्चा बैंक लाइन में खड़ा था जो बार-बार मुझे विश्वनाथ मोची का नाम लेने तथा मृतक के पासबुक से पैसे निकालने के कह रहा था। पैसे निकासी के बाद मुझे एक हजार रुपये दिया गया। बाकी पैसे निकलवाने वाले ने रख लिया। विश्वनाथ के अनुसार पैसे निकलवाने वालों की संख्या तीन थी।

मामले का खुलासा मृतक की पत्नी सहोदरी देवी के सीएसपी में बैंक अकाउंट चेक करने के बाद हुआ था। सहोदरी के अनुसार उसके पति की मौत 14 जून 2024 को हो गई है। पांच मई 2025 को बैंक गई और इसकी जानकारी दी। बताया कि मैंने मुक्ता गांव के रब्बानी अंसारी को पासबुक चेक करने के लिए दिया था। उसने ताबर गांव के सीएसपी संचालक इश्तियाक को यह कहकर पासबुक सौंप दिया था कि आप बैंक जाते हैं, एफेडिफीट कराने के बाद पैसे की निकासी उसकी पत्नी को करा देंगे।

अकाउंटेंट के अनुसार सीएसपी संचालक इश्तियाक के बाद बैंक पासबुक बोहिता के परवेज अंसारी तथा सेहरा के उस्मान अंसारी के पास से पहुंचा था। इन तीनों की मिलीभगत से पैसों की निकासी हुई। रब्बानी ने बैंक को लिखित आवेदन देकर बताया है कि करीब एक माह पासबुक रखने के बाद सीएसपी संचालक ने उसे पासबुक लौटा दिया था।

मामले को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष मेघनाथ राम, वरिष्ठ झामुमो नेता पूर्व अध्यक्ष सरवन गुप्ता, बाबू भाई ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तथा आरबीआई को पत्र लिखकर बैंक में हुई गड़बड़ी की जानकारी दी थी। इस दौरान बैंक के एक अकाउंटेंट का तबादला अखबार में छपी खबर के बाद कर दिया गया।

छह माह बाद भी धान का भुगतान नहीं, आमरण अनशन की चेतावनी

PALAMU : जिले के हुसैनाबाद के कृषकों ने झारखंड सरकार से खरीदे गए धान के भुगतान में हो रही अत्यधिक देरी को लेकर गहरी नाराजगी जताई है। कृषकों ने मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन के माध्यम से मंगलवार को मांग की है कि छह माह पूर्व सरकारी दर पर बेचे गए धान की सम्पूर्ण राशि का भुगतान तत्काल प्रभाव से एक मुश्त किया जाए। ज्ञापन में कृषकों ने बताया है कि सरकार की ओर से यह आश्वासन दिया गया था कि 24 घंटे के भीतर उनके बैंक खातों में धान का मूल्य भेज दिया जाएगा, लेकिन अब तक उन्हें पूरी राशि नहीं मिली है। इससे कृषक भारी कर्ज में डूब गए हैं और अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए साहूकारों से ऋण लेने को विवश हैं। कृषकों ने सरकार पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि एक तरफ सरकार किसानों की आमदनी दोगुनी करने और साहूकारों के चंगुल से मुक्त कराने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर किसानों को समय पर भुगतान नहीं कर उनकी स्थिति और भी बदतर बना रही है। किसानों ने सेवा का अधिकार अधिनियम का हवाला देते हुए कहा कि किसी भी सरकारी कार्य को 15 दिन के भीतर निष्पादित करने का प्रावधान है।

जादू-टोने के शक में दो महिलाओं की हत्या, पांच आरोपी गिरफ्तार

PHOTON NEWS JSR : मुसाबनी थाना क्षेत्र के पारुलिया टोला श्रीमतडीह गांव में दो महिलाओं की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि इस मामले में पांच लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में डिबरू हांसदा, सोमा बोदरा, मागु हांसदा, चोटका बोदरा और सांडिल पूर्ति शामिल हैं।

पूछताछ के दौरान इन सभी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 26 अप्रैल को सोमा बोदरा की 10 वर्षीय बेटी श्रीदेवी बोदरा की मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपियों को शक हुआ कि गांव की ही दो महिलाओं

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग

पंगेला पूर्ति और चोको बोदरा ने जादू-टोना कर बच्ची की जान ली है।

शक के आधार पर इन पांचों ने साजिश रची और 14 मई की शाम सात बजे भोगला पूर्ति के घर के पास दोनों महिलाओं की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद शवों को गांव से लगभग 500 मीटर दूर पश्चिम दिशा में एक गड्ढा खोदकर दफना दिया गया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस हरकत में आई और 19 मई को मामला दर्ज किया गया। इसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने दबे हुए शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम कराया है। हत्या के दौरान इस्तेमाल किए गए औजार भी घटनास्थल से बरामद कर लिए गए हैं।

ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि यह घटना अंधविश्वास और सामाजिक जागरूकता की कमी का दुखद उदाहरण है। पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया है और आगे की जांच जारी है।

डीसी ने खड़े रहकर सुनी ग्रामीणों की समस्या, निदान को दिए निर्देश

विभिन्न प्रखंडों से आए लोगों की बात सुनते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने खड़े रहकर सभी लोगों से एकझ्एक कर उनकी समस्या सुनी एवं आश्वासन दिया कि उनकी सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। इस दौरान कुल 11 आवेदन प्राप्त हुए जो मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण, जमीन विवाद, रोजगार, कस्तूरबा गांधी विद्यालय में नामांकन से संबधित थे। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्या सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें। उपायुक्त के निदेर्शानुसार आमजनों की समस्याओं के समाधान और शिकायत के निष्पादन के लिए जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय के सभी पदाधिकारियों के कार्यालय में प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को जन शिकायत निवारण का आयोजन किया जाता है।

अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तहत गोविंदपुर स्टेशन का किया गया जीर्णोद्धार

प्रधानमंत्री कल करेंगे ऑनलाइन उद्घाटन

AGENCY KHUNTI : अमृत भारत रेलवे स्टेशन के तहत विकसित रांची रेल डिवीजन के गोविन्दपुर रोड रेलवे स्टेशन का ऑनलाइन उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को सुबह साढ़े नौ बजे करेंगे। इसके लिए गोविंदपुर रेलवे स्टेशन पूरी तरह तैयार है। 22 मई को प्रधानमंत्री द्वारा देश भर के 103 अमृत स्टेशनों के उद्घाटन-समर्पण कार्यक्रम में गोविन्दपुर रोड स्टेशन को भी शामिल किया गया है।

गोविंदपुर रोड स्टेशन के विकास में लगभग 6.65 करोड़ रुपये की लागत आई है। इस आशय की जानकारी वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, रांची डिवीजन, दक्षिण पूर्व रेलवे शुची सिंह ने गोविंदपुर स्टेशन पर मंगलवार को आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी।

पत्रकारों को जानकारी देतीं रेलवे अधिकारी ● फोटोन न्यूज

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि स्टेशन को आधुनिक तकनीकों एवं यात्री-सुविधाओं के साथ इस प्रकार विकसित किया गया है कि यात्रियों को अधिकतम सुविधा, सुरक्षा एवं आराम प्रदान किया जा सके। इस कायाकल्प से गोविन्दपुर स्टेशन अब केवल एक ट्रांजिट पॉइंट नहीं, बल्कि एक भरोसेमंद यात्रा अनुभव का केंद्र बन जाएगा। इस दौरान वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक सह मुख्य जनसंपर्क अधिकारी 22 मई को होनेवाले कार्यक्रम की तैयारियों का जायजा भी लिया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। मौके पर कर्रा की अंचल अधिकारी वंदना भारती समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

स्टेशन पर उपलब्ध प्रमुख सुविधाएं

गोविंदपुर रेलवे स्टेशन के नये स्टेशन बिल्डिंग को आधुनिक वास्तुकला से सुसज्जित, टिकाऊ और हवादार बनाया गया है। साथ ही यात्रियों के बैठने के लिए प्रतिक्षालय बनाया गया है। इसके अलावा कम्प्यूटरीकृत आधुनिक टिकट काउंटर, धूप और बारिश से सुरक्षा युक्त हाई लेवल प्लेटफॉर्म, फुट ओवर ब्रिज, रैम्प व लिफ्ट की सुविधा, बेहतर प्रकाश व्यवस्था, दिव्यांगजनों के लिए विशेष रैम्प, रेलिंग, टैक्टाइल पथ, पार्किंग सहित कई सुविधाएं मुहैया कराई गई है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि गोविन्दपुर रोड स्टेशन का यह पुनर्विकास न केवल यात्रियों को सुविधा देगा, बल्कि स्थानीय व्यवसाय, पर्यटन एवं क्षेत्रीय विकास को भी बढ़ावा देगा।

राज्यपाल व सीएम ने किया बिनोद बिहारी महतो की प्रतिमा का अनावरण

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल संतोष गंगवार, सीएम हेमंत सोरेन व अन्य

DHANBAD : बिनोद बिहारी महतो कोलांचल विश्वविद्यालय धनबाद में मंगलवार को झारखंड के पुरोधा और शिक्षाविद् कहे जाने वाले स्वर्गीय बिनोद बिहारी महतो की आदमकद प्रतिमा का अनावरण झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संयुक्त रुप से किया । इस मौके पर कुलपति प्रोफेसर राम कुमार सिंह, मंत्री सुदीव्य कुमार सोनू, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, धनबाद विधायक राज सिन्हा, निरसा विधायक अरूप चटर्जी, टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद, जयराम महतो, चंद्रदेव महतो, शत्रुघ्न महतो, उमाकांत रजक और अनूप सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि बिनोद बिहारी महतो एक युग पुरुष थे, उनके शिक्षा और संघर्ष का सह सम्मान किया गया है। विश्वविद्यालय एक आदर्श के रूप में पहचान बनाए, झारखंड उच्च शिक्षा में अभी कुछ पीछे है, इसे हमे आगे लाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। वहीं, इस मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि बिनोद बिहारी महतो झारखंड के पुरोधा है शिक्षाविद् है, हमलोग सभी महापुरुषों को सम्मान दे रहे है। शिक्षा ने क्षेत्र में चाहे सरकारी स्कूल हो या कॉलेज सभी क्षेत्र में छात्र अच्छे कर रहे है।

BRIEF NEWS

सीसीएल महिलाओं को बनाएगा आत्मनिर्भर सिलाई प्रशिक्षण केंद्र शुरू

RANCHI : रांची में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) ने अपने सीएसआर कार्यक्रम के तहत महिलाओं के लिए सिलाई प्रशिक्षण सह उत्पादन केंद्र शुरू किया। यह केंद्र जरूरतमंद, गरीब और निराश्रित महिलाओं को स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में सशक्त बनाने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। जहां राष्ट्रीय कौशल विकास निगम द्वारा मान्यता प्राप्त सेल्फ इंप्लायड टेलर कोर्स में 97 दिनों तक प्रति दिन 4 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के लिए उन्नत तकनीकी मशीनें और उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

सीसीएल के ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में 200 बच्चों ने लिया भाग

RANCHI : रांची के गांधीनगर ग्राउंड में सीसीएल कल्याण विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन क्रिकेट एवं वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। महाप्रबंधक (कल्याण) रेखा पाण्डेय ने शिविर का उद्घाटन किया और बच्चों को खेल, अनुशासन व आत्मविश्वास के महत्व पर प्रेरणादायक संदेश दिया। वॉलीबॉल प्रशिक्षण का नेतृत्व झारखंड वॉलीबॉल संघ के कोच निशिकांत पाठक, उत्तम राज, सतीश उरांव व रवि शंकर मंडल कर रहे हैं। वहीं, क्रिकेट प्रशिक्षण सीसीएल के खिलाड़ी आनंद कुमार, धनंजय सेंद्रिया और मोहित राज मिंज द्वारा दिया जा रहा है।

डीएवी बरकाकाना के शिक्षकों के लिए चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

RANCHI : रामगढ़ स्थित खान बचाव केंद्र में 20 मई से डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना के शिक्षकों के लिए निःशुल्क प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 24 मई तक चलेगा और दोनों पालियों में नियमित कक्षाएं संचालित की जाएंगी। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को आपातकालीन परिस्थितियों में तत्काल प्राथमिक सहायता देने हेतु प्रशिक्षित करना है। उद्घाटन सत्र में खान बचाव केंद्र के अधीक्षक (बचाव सेवा) ने प्रशिक्षुओं को पूर्ण समर्पण के साथ प्रशिक्षण में भाग लेने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाई। प्रशिक्षण के दौरान घावों की मरहम-पट्टी, सीपीआर, जलने, सांप काटने जैसी स्थितियों में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी जाएगी।

एग्जाम टाइम में सोशल मीडिया अकाउंट किया डिएक्टिवेट, पढ़ाई पर रखा फोकस

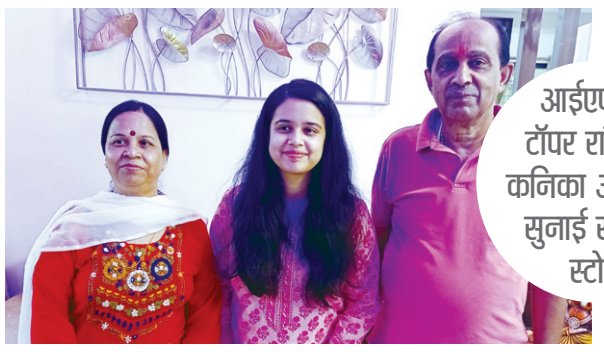

आईएफएस टॉपर रांची की कनिका अनभ ने सुनाई सक्सेस स्टोरी

VIVEK SHARMA RANCHI : वैसे तो झारखंड किसी न किसी विषय को लेकर चर्चा में बना रहता है। कभी राजनीति की वजह से तो कभी घटना-दुर्घटना के कारण झारखंड की चर्चा होती है। राजनीतिक उठापटक भी यहां काफी होती है। लेकिन, इस बार झारखंड की बेटी ने राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। झारखंड की राजधानी रांची की बेटी कनिका अनभ ने यूपीएससी की इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) परीक्षा 2024 में ऑल इंडिया रैंक-1 हासिल कर देश और राज्य का नाम रोशन किया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने न केवल परिवार को गर्व से भर दिया, बल्कि पूरे राज्य में खुशी की लहर है।

सवाल : स्कूलिंग कहां से हुई?

जवाब : मेरी प्रारंभिक शिक्षा रांची के सेक्रेड हार्ट स्कूल में हुई। इसके बाद जवाहर विद्या मंदिर श्यामली से हाई स्कूलिंग पूरी करने के बाद पढ़ाई के लिए दिल्ली चली गई। पहले 12वीं की परीक्षा 2014 में अच्छे अंकों के साथ पास की। इसके बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी के मिरांडा हाउस कॉलेज से ग्रेजुएशन की। वहां से पर्यावरण और प्रशासन के क्षेत्र में काम करने की प्रेरणा मिली। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने जेएनयू का रुख किया। वहां से बायोटेक्नोलॉजी में पोस्ट ग्रेजुएशन किया है। बीच में पीएचडी में भी एडमिशन लिया था। लेकिन उसे बीच में छोड़कर सिविल सर्विसेज की तैयारी शुरू की। 2021 जब तीन अटेंप्ट में फेल हुई तो लगा कि डिसिजन गलत हो गया। लेकिन इस सफलता से खुश हूं।

सवाल : आपकी इस सफलता में पैरेंट्स का कितना मिला सपोर्ट?

जवाब : मेरे पिता अभय कुमार सिन्हा खूंटी में डिस्ट्रिक्ट जज के पद से रिटायर हो चुके हैं। वह फिलहाल कोडरमा कंज्यूमर फोरम में जज है। वहीं मां अनिता सिन्हा हाउस वाइफ है। पैरेंट्स के सपोर्ट के बिना ये सफलता हासिल कर पाना मुश्किल था। पापा की ट्रांसफरेबल जॉब थी। ऐसे में मां के साथ रांची में रहना और फिर पढ़ाई करना एक चैलेंज था। मां के सपोर्ट से आज इस मुकाम पर हूं। पापा ने भी शुरूआत से पढ़ाई के लिए कभी नहीं रोका। बल्कि हर सफलता के बाद प्रोत्साहित किया।

सवाल : सोशल मीडिया का क्या रोल रहा?

जवाब : ऐसा नहीं है कि मैंने मोबाइल का इस्तेमाल नहीं किया। हां सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। एग्जाम टाइम पर सोशल मीडिया अकाउंट को डिएक्टिवेट कर दिया। कुछ स्टडी मैटेरियल तो आनलाइन मिलते थे। उसके लिए एक दो अकाउंट से मैटेरियल डाउनलोड करने के लिए लॉग इन करनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए 8-9 घंटे की रेगुलर पढ़ाई की। एग्जाम के टाइम 12-13 घंटे भी कम लगते थे।

सवाल : आईएफएस बनने के बाद पहला फोकस क्या होगा?

जवाब : मेरा फोकस भी पर्यावरण पर है। इसलिए इस क्षेत्र में काम करने का मौका मिलेगा तो सबसे पहले प्लांटेशन पर काम करूंगी। सोसायटी को कुछ दे सकूं। हेरीटेज का इंपार्टेंट पार्ट है फारेस्ट का। बायो डाइवर्सिटी को मेंटेन करने के लिए मैं काम करूंगी।

माता-पिता बोले, गर्व का क्षण

कनिका की मां अनिता सिन्हा ने कहा कि बेटी ने हमारे हर त्याग को सार्थक कर दिया। वह बचपन से ही मेहनती और अनुशासित थी। उसकी पढ़ाई के लिए हमने कहीं भी आना-जाना छोड़ दिया ताकि उसकी पढ़ाई बाधित न हो। वहीं उनके अभय कुमार सिन्हा ने कहा कि कनिका ने शुरूआत से ही पढ़ाई में इंटरेस्ट दिखाया। आज उसी का परिणाम है कि वह देशभर में नंबर वन आई है।

सभी विभागों में तैयार कर लिया गया था ऑपरेशन का शेड्यूल

रिम्स में सीएसएसडी कर्मियों ने कर दी हड़ताल, मरीजों के टले ऑपरेशन

- 6 महीने से पेमेंट नहीं मिलने से नाराज थे कर्मी
- 10 दिन पहले कर्मियों ने प्रबंधन को पत्र लिखकर दिया था अल्टीमेटम
- प्रबंधन ने काम पर लौटने की कर्मियों से की अपील
- ऑपरेशन के इंतजार में ऑपरेशन थिएटर के बाहर लगी थी मरीजों की लाइन

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को रिम्स में सीएसएसडी (सेंट्रलर स्टेरेलाइजेशन सप्लाई डिपार्टमेंट) के कर्मियों ने हड़ताल कर दी। इस दौरान रिम्स में पहले से निर्धारित दर्जनों मरीजों के ऑपरेशन टाल दिए गए। हड़ताल के कारण मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। चूंकि लंबे समय के बाद मरीजों के ऑपरेशन के लिए शेड्यूल निर्धारित किया गया था। सीएसएसडी विभाग ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले औजारों और उपकरणों की सफाई और स्टेरेलाइजेशन करता है। इसके अलावा मरीजों को दिए जाने वाले लिनेन भी वहीं साफ किए जाते हैं। इस विभाग के ठप हो जाने से पूरे अस्पताल की सर्जिकल सेवाएं प्रभावित हो गईं। डॉक्टरों द्वारा पहले से सभी विभागों में ऑपरेशन की तैयारी कर ली गई थी और मरीजों को उनकी निर्धारित तिथि पर बुलाया गया था। लेकिन सीएसएसडी कर्मियों ने काम करने से इनकार कर दिया, जिससे ऑपरेशन थिएटरों में जरूरी उपकरण उपलब्ध नहीं हो सके और कई ऑपरेशन स्थगित कर दिए गए।

- हार्ट के मरीजों की भी नहीं हुई कई तरह की जांच
- ऑपरेशन में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की सफाई व स्टेरेलाइजेशन करता है सीएसएसडी

हड़ताल में बैठे कर्मी

बंद सीएसएसडी सेंटर

रिम्स निदेशक डॉ. राजकुमार की अध्यक्षता में सीएसएसडी और लाउंड्री सेवाओं के लंबित भुगतान को लेकर अहम बैठक हुई। पाया गया कि एजेंसी मेडिलैब ने निविदा की शर्तों का पालन नहीं किया और कर्मचारियों को समय पर वेतन नहीं दिया। अब एजेंसी ने एक सप्ताह में बकाया वेतन चुकाने का आश्वासन दिया है और सेवाएं बहाल हो चुकी हैं। निदेशक ने 5 दिनों में रिपोर्ट और तीन दिनों में लंबित भुगतान के निर्देश दिए हैं। साथ ही एजेंसी की लापरवाही पर एफआईआर की चेतावनी भी दी है।

ओटी के बाहर परेशान रहे मरीज

ऑपरेशन के इंतजार में मरीज और उनके परिजन ऑपरेशन थिएटर के बाहर घंटों खड़े रहे। कई मरीज जो दूसरे जगह से इलाज के लिए आए थे, उन्हें बिना ऑपरेशन के लौटना पड़ा। हृदय रोगियों की भी कई जरूरी जांचें नहीं हो सकीं, क्योंकि उनमें भी सीएसएसडी की सेवाएं आवश्यक होती हैं। इससे न केवल मरीजों की सेहत पर असर पड़ा।

मेडिलैब को सीएसएसडी का जिम्मा

हॉस्पिटल में सीएसएसडी के संचालन का जिम्मा रिम्स ने मेडिलैब को दे रखा है। लेकिन, एजेंसी कर्मियों को पेमेंट नहीं दे रही थी। 6 महीने बाद कर्मियों के सब्र का बांध टूट गया। कर्मियों का कहना था अब तो खाने के भी लाले पड़ गए हैं। ऐसे में घर चलाना मुश्किल हो रखा है। वहीं बच्चों के स्कूल की फीस भी नहीं भर पा रहे हैं। इस बीच प्रबंधन ने एजेंसी को कर्मियों का भुगतान करने को कहा और काम पर लौटने को कहा।

मंगों पर ध्यान नहीं नहीं दे रहा प्रबंधन : सीएसएसडी कर्मचारियों ने पूर्व में दिए गए सूचना पर हड़ताल की है। कर्मियों ने बताया कि वे लगातार प्रबंधन से अपनी मांगों को लेकर संपर्क कर रहे थे, लेकिन उनकी बातों पर ध्यान नहीं दिया गया। दस दिन पहले ही उन्होंने अस्पताल प्रशासन को पत्र लिखकर चेतावनी दी थी कि यदि समय पर भुगतान नहीं किया गया तो वे काम बंद कर देंगे। इसके बाद भी उनके वेतन भुगतान को लेकर प्रबंधन ने गंभीरता नहीं दिखाई। हड़ताल पर जाने के बाद प्रबंधन की ओर से वार्ता के लिए अधिकारी पहुंचे। लेकिन, वार्ता विफल रही। प्रबंधन हरकत में आया और कर्मियों से काम पर लौटने की अपील की।

आदिवासी विरोधी सरकार की टीएसी बैठक में जाने का कोई औचित्य नहीं : बाबूलाल

भाजपा ने लिया टीएसी बहिष्कार का निर्णय

PHOTON NEWS RANCHI : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने हेमंत सरकार की ओर से आहूत ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी)की बैठक में भाजपा सदस्यों के नहीं जाने की घोषणा की है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को कहा कि हेमंत सरकार आदिवासी विरोधी है। पिछले पांच वर्षों से झारखंड में लगातार आदिवासी समाज पीड़ित हो रहा है। लिहाजा, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होने वाली टीएसी की बैठक का भाजपा बहिष्कार करती है।

मरांडी ने कहा कि पिछले साढ़े पांच सालों के दौरान झारखंड में आदिवासी समाज के उपर लगातार अत्याचार हो रहे हैं। बांग्लादेशी घुसपैठिए आदिवासियों के हक और अधिकार का अतिक्रमण कर रहे हैं, खनन माफिया जल, जंगल और जमीन का दोहन कर रहे हैं, लेकिन मुख्यमंत्री ने कभी इसका संज्ञान नहीं लिया। उन्होंने कहा कि हालात तो इतने बदतर हो चुके हैं कि आदिवासी महिला के साथ दुष्कर्म का प्रयास करने वाले को मुख्यमंत्री की ओर से मुआवजा दिया जा रहा है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जब सरकार ही आदिवासियों के उत्पीड़न को प्रोत्साहित और पुरस्कृत कर रही है, तो ऐसी स्थिति में टीएसी की बैठक में शामिल होने का कोई औचित्य नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा, आदिवासी समाज की अस्मिता और उनके अस्तित्व की रक्षा के लिए संकल्पित है। सड़क से लेकर सदन तक हमारा संघर्ष जारी रहेगा।

सरना धर्म कोड पर झामुमो-कांग्रेस के आंदोलन को भाजपा ने बताया नाटक

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा ने सरना धर्म कोड के मुद्दे पर कांग्रेस और झामुमो को कठघरे में खड़ा करते हुए उन पर घड़ियाली आंसू बहाने का आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने प्रदेश मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर कहा कि कांग्रेस और झामुमो का आदिवासी हितों के प्रति रवैया केवल दिखावा है। उन्होंने बताया कि 11 फरवरी 2014 को केंद्र की तत्कालीन यूपीए सरकार, जिसमें कांग्रेस और झामुमो दोनों शामिल थे, ने आदिवासी कल्याण मंत्री वी. किशोर चंद्रदेव के माध्यम से सरना धर्म कोड की मांग को यह कहकर खारिज कर दिया था कि यह अव्यवहारिक है। उस समय सरकार ने यह भी तर्क दिया था

कि यदि इस मांग को स्वीकार किया गया, तो अन्य धर्मों से भी इसी तरह की मांगें उठ सकती हैं। मौके पर रांची महानगर के मंत्री अजीत भगत, एसटी मोर्चा के महामंत्री अशोक मुंडा और महिला मोर्चा की मीडिया सह प्रभारी सोनी हेंब्रम भी मौजूद थीं। प्रतुल शाह देव ने कहा कि आज जब कांग्रेस और झामुमो सत्ता से बाहर हैं, तो ये दोनों पार्टियां सरना धर्म कोड पर आंदोलन की बातें कर रही हैं।

एसआई संध्या टोपनो हत्याकांड में 7 के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

RANCHI : महिला सब-इंस्पेक्टर संध्या टोप्पो हत्याकांड में रांची पुलिस ने सात अभियुक्तों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इनमें मोहम्मद नेजाम खान, अब्दुल वाहिद अंसारी, मोहम्मद दानिश, महमूद कुरैशी, तौसीफ कुरैशी, साजिद अंसारी और मोहम्मद ताहिर मियां शामिल हैं। सभी अभियुक्तों के खिलाफ पुलिस ने केस सत्य पाते हुए सब इंस्पेक्टर संध्या टोपनो की हत्या में संलिप्त होने का साक्ष्य कोर्ट को दिया है। चार्जशीट दाखिल होने के बाद अब कोर्ट आरोपियों के विरुद्ध ट्रायल की प्रक्रिया शुरू कर सकता है। बता दें कि 20 जुलाई 2022 को रांची के तुपुदाना ओपी क्षेत्र के हुलहुंडू में वाहन चेकिंग के दौरान पशु तस्करों ने महिला दरोगा को गाड़ी से कुचल दिया था।

बेड़ो में निकली तिरंगा यात्रा, भारतीय सेना पर जताया गर्व

RANCHI : बेड़ो में भारतीय सेना द्वारा आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की बड़ी सफलता ने पूरे देश को गौरवान्वित कर दिया है। इसी उपलक्ष्य में सोमवार को बेड़ो में भाजपा मंडल की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली। यात्रा की अगुवाई मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने की। यह तिरंगा यात्रा प्रखंड परिसर से शुरू होकर देवी मंडप होते हुए महावीर चौक तक निकाली गई। कार्यक्रम के प्रभारी

चुड़ामनी महतो रहे। पूर्व विधायक गंगोत्री कूजूर, भाजपा नेता शनि टोप्पो, पूर्व 20 सूत्री अध्यक्ष राजीव रंजन, आनंद साहू, अरुण प्रसाद, राजेश साहू, महामंत्री सह मीडिया प्रभारी मनोज कुमार साहु सहित कई लोग यात्रा में शामिल हुए।

कांके में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

RANCHI : मंगलवार को भाजपा कांके मंडल अध्यक्ष प्रभात भूषण के नेतृत्व में भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम के प्रतीक ऑपरेशन सिंदूर की सफलता व वीर जवानों के सम्मान में लक्ष्मण महतो कांके चौक से भगवान बिरसा मुंडा के प्रतिमा तक तिरंगा यात्रा निकाल कर देश के जवानों का आभार जताया गया। तिरंगा यात्रा में मुख्य रूप से जिला परिसद सदस्या सुषमा देवी, किरण देवी, गिरजाशंकर पांडेय, राम लखन मुंडा, ठानो मुंडा, धर्मेन्द्र कुमार, हरे कृष्णा महतो, दीपक कुमार, राज कुमार महतो,अनिल कुमार, निरंजन कुमार, मुकेश कुमार, मनोज वर्मा, विजय मुंडा,भरत लोहरा, रविंद्र साहू, विकास कुमार, रंजीत महतो, पुरुषोत्तम दास गोस्वामी के साथ कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

भाजपा ने हमेशा आदिवासियों की मांगों को किया दरकिनार : झामुमो

RANCHI : भाजपा की ओर से सरना धर्म कोड के मुद्दे पर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) पर लगाए गए आरोपों को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने प्रतिक्रिया देते कहा कि भाजपा को आदिवासियों के हितों से कोई सरोकार नहीं है, वह सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस मुद्दे को उछाल रही है। पार्टी महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने मंगलवार को कहा कि सरना धर्म कोड आदिवासी अस्मिता और सांस्कृतिक पहचान का सवाल है, जिसे लेकर झामुमो शुरू से गंभीर रहा है। भाजपा ने हमेशा आदिवासियों की मांगों को दरकिनार किया और उनके अधिकारों को कुचलने का प्रयास किया है।

जैक रिजल्ट 97.78 प्रतिशत नतीजे के साथ कोडरमा पहले स्थान पर, रांची को मिला दूसरा स्थान

8वीं बोर्ड का परिणाम जारी, राज्य में 94.39% परीक्षार्थी सफल

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने मंगलवार को आठवीं की बोर्ड परीक्षा के नतीजे घोषित कर दिए। इसके आधार पर 94.39% परीक्षार्थी नौवीं कक्षा के लिए प्रमोट घोषित किए गए हैं। जैक सचिव जयंत मिश्रा ने रिजल्ट के बारे में बताया कि इस साल आठवीं बोर्ड परीक्षा में कुल 4,99,972 स्टूडेंट्स शामिल हुए थे। इनमें से 4,71,937 स्टूडेंट्स को अगली कक्षा के लिए प्रमोट किया गया है। जबकि, 25,429 स्टूडेंट्स का रिजल्ट मार्जिनल यानी फेल है, जबकि 2606 का रिजल्ट अधूरा (इनकंपलीट) है। कोडरमा 97.76% रिजल्ट के साथ राज्य में पहले स्थान पर रहा।

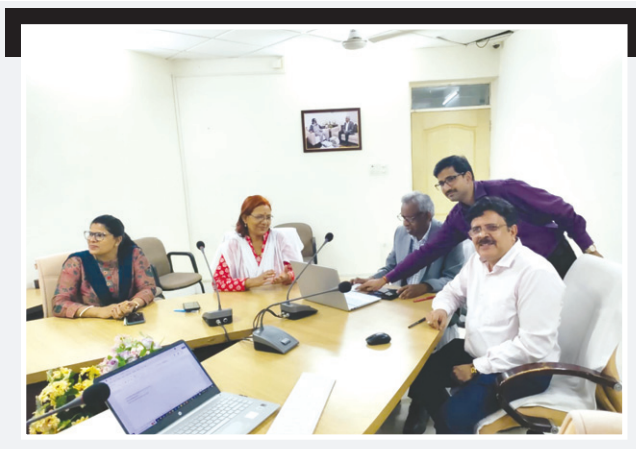

झारखंड के जिलों का प्रदर्शन

कोडरमा : 97.76%	सिमडेगा : 94.82%
रांची : 97.71%	पूर्वी सिंहभूम : 93.31%
हजारीबाग : 96.78%	दुमका : 93.23%
रामगढ़ : 95.71%	लोहरदगा : 93.05%
सरायकेला-खरसावां : 95.46%	साहेबगंज : 92.78%
गोड्डा : 95.33%	लातेहार : 92.58%
बोकारो : 95.28%	पश्चिमी सिंहभूम : 92.32%
पलामू : 95.28%	खूंटी : 92.25%
गिरिडीह : 95.08%	जामताड़ा : 92.23%
धनबाद : 95.06%	देवघर : 92.11%
गढ़वा: 94.89%	गुमला : 91.99%
चतरा : 94.89%	पाकुड़ : 88.33%

वहीं 97.11 रिजल्ट प्रतिशत के साथ रांची जिला दूसरे नंबर पर रहा है। इसके साथ ही 88.33 प्रतिशत के साथ पाकुड़ सबसे नीचे 24वें नंबर पर है।

पिछले साल से 4 फीसदी अधिक रिजल्ट : 8वीं बोर्ड में छात्राओं का रिजल्ट छात्रों से बेहतर रहा है। जहां कुल 94.49 प्रतिशत छात्राएं पास हुई हैं। वहीं 94.28 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। वहीं इस बार आठवीं की बोर्ड परीक्षा में कुल 39 ट्रांसजेंडर इनरोल हुए थे। इसमें 35 पास हुए, जबकि 4 मार्जिनल रहे। इस प्रकार ट्रांसजेंडर का रिजल्ट 92.10 प्रतिशत रहा है।

श्री-श्री विश्वविद्यालय के 'रोवर क्रू' को मिला राज्य पुरस्कार

RANCHI : ओडिशा के कटक स्थित श्री श्री विश्वविद्यालय के 'रोवर क्रू' को स्काउट एंड गाइड संगठन के अंतर्गत प्रतिष्ठित राज्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार भुवनेश्वर स्थित राजभवन में आयोजित राज्य पुरस्कार उत्सव-2025 में महामहिम राज्यपाल डॉ कंभमपति हरिबाबू के करकमलों से विश्वविद्यालय के पांच छात्रों को प्रदान किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल की धर्मपत्नी जयश्री कंभमपति सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। छात्रों ने इसे विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात बताया और कहा कि यह अन्य विद्यार्थियों को प्रेरित करेगा। कुलपति डॉ. तेजप्रताप, डीन प्रो. जयप्रकाश भट्ट, निदेशक स्वामी सत्यचैतन्य एवं डॉ एस कुमारस्वामी ने टीम को बधाई दी।

भागवत कथा सुनना व इसे जीवन में उतारना आत्मा के उद्धार का मार्ग : अतुल द्विवेदी

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी के पिस्का मोड़ स्थित जतरा मैदान नॉर्थ श्री हेसल हनुमान मंदिर के सामने आयोजित सात दिवसीय श्रीमद भागवत ज्ञान कथा का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। अंतिम दिन कथा स्थल पर भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कथा की शुरूआत यजमान संजीव कुमार सिंह (चुन्नू सिंह) और उनकी धर्मपत्नी संगीता सिंह द्वारा आरती के साथ की गई। प्रयागराज से आए सुप्रसिद्ध कथा वाचक आचार्य अतुल द्विवेदी जी महाराज ने श्रीकृष्ण के 16108 विवाह, सुदामा चरित्र, पौंड्रक उद्धार, उद्धव संवाद, स्वधाम गमन और भागवत सार पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने नरकासुर वध और कन्याओं की मयार्दा रक्षा हेतु भगवान श्रीकृष्ण द्वारा 16000

रूपों में प्रकट होकर विवाह करने की कथा सुनाई। साथ ही सुदामा-कृष्ण की मित्रता को सामाजिक समानता की मिसाल बताया।

आचार्य ने कहा कि भागवत कथा सुनना और इसे जीवन में उतारना आत्मा के उद्धार का मार्ग है। उन्होंने कृष्णाय वासुदेवायङ्ग मंत्र के नियमित जाप से घर में सुख-शांति बनाए रखने की सलाह दी। कार्यक्रम के प्रभारी अमृतेश पाठक और बिरेंद्र प्रसाद (बिल्लू जी) ने बताया कि बुधवार को पूणार्हुति और हवन के बाद संध्या 5 बजे से भव्य भंडारे का आयोजन होगा।

समाचार सार

झींकपानी में अखंड हरि संकीर्तन आरंभ

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के झींकपानी प्रखंड अंतर्गत नवागांव में मंगलवार को तीन दिवसीय अखंड हरि संकीर्तन आरंभ हुआ।

इस मौके पर मंत्री दीपक बिरुवा ने भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि संकीर्तन से मन और शरीर दोनों पवित्र होता है। पूर्वी सिंहभूम के मुसाबनी की बादिया कीर्तन पार्टी, डोंदा कीर्तन पार्टी चांडिल, महुलडीहा कीर्तन पार्टी हाता, बंगालीबासा कीर्तन पार्टी हाता, ईचागढ़ कीर्तन पार्टी व पश्चिमी सिंहभूम की तैरा कीर्तन पार्टी व चक्रधरपुर की कीर्तन मंडली शामिल है। कीर्तनी दलों ने विभिन्न सुर व संगीत के जरिए श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। संकीर्तन सुनने के लिए कई गांवों के ग्रामीण पहुंचे थे। इस दौरान बतौर विशिष्ट अतिथि नीरज संदवार, प्रखंड प्रमुख प्रदीप तामसोय, रत्नाकर नायक, भगवान गोप, संजीव गोप, सुभाष दास, बबलू गोप, संजय गोप, नीलांबर गोप, शंकर नायक समेत अन्य उपस्थित रहे।

लोको कॉलोनी में 28 से सजेगा शीतला मां का दरबार

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर की रेलवे लोको कॉलोनी स्थित श्रीश्री शीतला माता मंदिर में मंगलवार को राटा (मंड़वा) पूजा के पश्चात पंडाल निर्माण प्रारंभ हुआ। यहां 28 मई से सात दिनों तक शीतला माता की पूजा होगी। कलश यात्रा 28 मई की दोपहर को निकाली जाएगी। इस वर्ष 83वीं वर्षगांठ मनाई जाएगी। 3 जून को विसर्जन होगा। मान्यता है कि राटा पूजा के बाद पूजा स्थल के आसपास रहने वाले लोग कहीं बाहर नहीं जाते हैं। यदि जाते भी हैं तो उन्हें शाम तक घर लौटना पड़ता है। इस मान्यता को आज भी सभी परिवार पालन करते हैं।

बालाजी मंदिर में ब्रह्मोत्सव के दूसरे दिन हुई गरुड़ प्रतिष्ठा

CHAKRADHARPUR : रेलनगरी चक्रधरपुर शहर के पंचमोड़ स्थित भगवान वेंकटेश्वर बालाजी मंदिर में चल रहे 42वां पंचहनिका वार्षिक ब्रह्मोत्सव के दूसरे दिन मंगलवार को मंदिर परिसर में गरुड़ प्रतिष्ठा, ध्वजारोहण समारोह, सुदर्शन होम और सहस्र दीप अलंकर पूजा अनुष्ठान हुआ। सुबह से शाम तक चले पूजन समारोह में सबसे पहले भगवान बालाजी के साथ माता पद्मावती और माता अंडालु की पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भक्तों ने भगवान बालाजी के साथ दोनों माता को पालकी पर बिठाकर ढोल-नगाड़ों के साथ मंदिर की परिक्रमा कराई। इसके बाद गरुड़ प्रतिष्ठा कर ध्वज स्तंभ में ध्वजारोहण समारोह को संपन्न कराया गया। इस दौरान श्री अनंत नारायण आचार्यल्लु और उनके शिष्यों ने वैदिक मंत्रोच्चार कर अनुष्ठान संपन्न किया।

भाजपा आज से मनाएगी अहिल्याबाई होल्कर जयंती

JAMSHEDPUR : भाजपा लोकमाता रानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती को भव्य रूप से मनाने की तैयारी कर रही है। इस ऐतिहासिक अवसर को स्मरणीय बनाने के लिए पार्टी 21 से 31 मई तक अहिल्याबाई होल्कर स्मृति अभियान चला रही है। इसे लेकर भाजपा, जमशेदपुर महानगर के अध्यक्ष सुधांशु ओझा की अध्यक्षता में मंगलवार को साकची स्थित जिला कार्यालय में बैठक हुई। इसमें बताया गया कि 21 मई को संध्या 4.30 बजे बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भव्य समारोह होगा, जिसके मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी होंगे।

नि:शुल्क अभिनय प्रशिक्षण 3 जून से

JAMSHEDPUR : युवाओं को अभिनय कला से रुबरु कराने के उद्देश्य से सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मलेन और मीडिया मंत्र एक्टिंग एकेडमी के संयुक्त तत्वावधान में 3 जून से दस दिवसीय अभिनय प्रशिक्षण कार्यशाला होगी। तुलसी भवन में होने वाली कार्यशाला में भाग लेने के लिए न्यूनतम उम्र 14 वर्ष होनी चाहिए। कार्यशाला में वरिष्ठ रंगकर्मी हरि मित्तल द्वारा नाटक और फिल्म आधारित अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाएगा। कार्यशाला प्रतिदिन संध्या 5 से 7 बजे तक चलेगी। कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक व्यक्ति तुलसी भवन में संपर्क कर सकते हैं या 9431110894 पर फोन कर सकते हैं।

ई-रिक्शा चालक संघ का हुआ पुनर्गठन

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले में चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम में मंगलवार को ई-रिक्शा चालक संघ की बैठक हुई, जिसमें संघ का पुनर्गठन हुआ। इसमें वोटिंग के माध्यम से मंगल सरदार अध्यक्ष व सर्वसम्मति से विक्की मुखी को उपाध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष ने कहा कि एक सप्ताह के अंदर संघ का विस्तार किया जाएगा।

हरहरगुट्टू के मुखिया की हत्या के लिए युवक ने खरीदी थी पिस्टल, विक्रेता संग गिरफ्तार

गुप्त जानकारी पर पुलिस ने मारा छापा

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिला के परसुडीह थाना क्षेत्र में बड़ी साजिश का खुलासा हुआ है। कोचाकुली निवासी दीपक साहू उर्फ भगना ने हरहरगुट्टू के मुखिया छोटराय मुर्मू की हत्या करने के लिए 30 हजार रुपये में पिस्टल खरीदी थी। यह हथियार उसने बागबेड़ा के दुगार्बाड़ी मैदान डीबी रोड निवासी अजय कुमार से लिया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने मंगलवार को एसएसपी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान इस मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि दीपक साहू अपने किराए के मकान की अलमारी में पिस्टल छिपाकर रखा है। इस सूचना के आधार पर जब छापेमारी की गई तो पिस्टल बरामद हो गई।

पत्रकारों को जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ● फोटोन न्यूज

पुलिस की पूछताछ में दीपक ने स्वीकार किया कि वह हरहरगुट्टू के मुखिया छोटराय मुर्मू की हत्या करना चाहता था, इसी कारण उसने अजय कुमार से हथियार खरीदा था। इसके बाद पुलिस ने अजय कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया।

प्रेस कांफ्रेंस के बाद दोनों आरोपियों को मेडिकल जांच के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

डिमना लेक में डूबे दोनों छात्रों के शव बरामद, परिवारों में मातम

PHOTON NEWS JSR : पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र अंतर्गत डिमना लेक में नहाने के दौरान डूबे दोनों छात्रों का शव मंगलवार को बरामद कर लिया गया। मृतकों में मानगो निवासी 15 वर्षीय प्रतीक रजक और रामकृष्णा कॉलोनी निवासी 17 वर्षीय नितिन गोराई शामिल हैं। घटना सोमवार देर शाम की है, जब दोनों छात्र अपने चार दोस्तों के साथ डिमना लेक के हांसाडूंगरी घाट पर नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान दोनों गहरे पानी में डूब गए।

डिमना लेक के पास मौजूद गोताखोर व ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

प्रतीक रजक का शव मंगलवार सुबह करीब 10.45 बजे सोनारी दोमुहानी से पहुंची गोताखोरों की टीम ने झील के घाट से लगभग 60 फीट दूर और 25 फीट गहराई से निकाला। शव मिलते ही प्रतीक के परिजनों में कोहराम मच गया। प्रतीक के पिता जयंत रजक बांगुड़दा स्थित आदिवासी प्लस टू हाई स्कूल में शिक्षक हैं और मूल रूप से पटमदा के बांगुड़दा गांव के निवासी हैं। वर्तमान में पूरा परिवार डिमना में निवास करता है।

दूसरी ओर, चांडिल पॉलिटेक्निक कॉलेज के छात्र नितिन गोराई का शव मंगलवार को दोपहर करीब 12.45 बजे बरामद हुआ। नितिन के पिता शिबू गोराई मानगो में चाय की दुकान चलाते हैं, जबकि उसका पालन-पोषण ईचागढ़ निवासी मामा मंटू गोराई ने किया था। नितिन के शव की बरामदगी के बाद उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। दोनों शवों को टाटा स्टील के सुरक्षा अधिकारी व गोताखोर मजहरुल बारी के नेतृत्व में निकाला गया। इस मौके पर पटमदा डीएसपी वचनदेव कुजूर, बोड़ाम थाना प्रभारी मनोरंजन कुमार, पुअनि शिवशंकर भगत, पंचायत मुखिया हरिपद किस्कू, शिक्षक चैतन मुर्मू समेत कई स्थानीय लोग व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

आजादनगर में बंद घर से लाखों की चोरी ताला तोड़कर ले गए सोने-चांदी के गहने

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना क्षेत्र में आजादनगर रोड नंबर-17 स्थित एक मकान में सोमवार रात चोरों ने बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोर घर से करीब चार लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात और लगभग एक लाख रुपये नकद लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मकान मालकिन को मंगलवार को पड़ोसी के जरिए मिली।

मकान में रहने वाली महिला ने बताया कि गुरुवार को उनके देवर के ससुर को दिल का दौरा पड़ने की खबर मिली थी, जिसके बाद देवर अपने पूरे परिवार के साथ दरभंगा रवाना हो गया। इसके बाद महिला भी धातकीडीह स्थित मायके चली गई थी। वह रविवार को घर लौटी थी और तब तक सब कुछ सामान्य था। उसी दिन वह दोबारा मायके चली गई। बाद में मंगलवार को पड़ोसी ने सूचना दी कि घर के ताले टूटे हुए हैं।

घर में बिखरा सामान ● फोटोन न्यूज

इस पर जब महिला घर पहुंची, तो देखा कि मुख्य गेट का ताला तो सही सलामत था, लेकिन अंदर के सभी ताले टूटे हुए थे और घर का सामान बिखरा पड़ा था। उसने बताया कि चोर घर में रखे करीब 4 लाख रुपये के जेवरात, एक साइन किया हुआ चेक और ऊपर-नीचे रखे लगभग एक लाख रुपये भी ले गए।

इस संबंध में महिला ने आजादनगर थाने में मामला दर्ज कराया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और जल्द ही चोरों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

आंदोलनकारी सेबेयन गुड़िया का निधन

ANANDPUR : जल, जंगल व जमीन आंदोलन के पुरोधा पूर्व विधायक शहीद देवेंद्र माझी के साथी रहे चोड़ारप्पा निवासी सेबेयन गुड़िया का सोमवार की शाम निधन हो गया। खबर मिलने पर सांसद जोबा मांझी मंगलवार को चोड़राप्पा गांव पहुंच सेबेयन गुड़िया का अंतिम दर्शन किया।

सांसद ने कहा कि सेबेयन ने क्षेत्र के लोगों को जल, जंगल और जमीन पर अधिकार दिलाने के लिए देवेंद्र माझी के साथ लंबा संघर्ष किया था। सेबेयन अभिभावक समान थे, उनका निधन अपूरणीय क्षति हैं। सांसद ने सेबेयन के परिजनों से मुलाकात कर ढाढस बंधाया। विधायक जगत माझी ने भी सेबेयन गुड़िया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया।

पत्नी ने पति को धारदार हथियार से किया घायल

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोकलो थाना क्षेत्र के केनके गांव में मंगलवार की सुबह 10 बजे पत्नी ने अपने पति को धारदार हथियार से मारकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। घायल को परिजनों ने अनुमंडल अस्पताल चक्रधरपुर में भर्ती कराया है। परिजनों ने बताया कि केनके गांव निवासी 40 वर्षीय संजय सिजुई मंगलवार की सुबह अपने घर से बाहर निकल रहा था। तभी उसकी पत्नी चांदमुनी सिजुई ने धारदार हथियार से उसकी गर्दन और कंधे पर जोरदार प्रहार किया। हमले से संजय सिजुई गंभीर रुप से घायल हो गया और चिल्लाने लगा। शोर सुनकर उसके चाचा और दीदी मौके पर पहुंचे और उसे उठाकर अनुमंडल अस्पताल ले गए। घायल संजय सिजुई ने बताया कि उसकी पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं हैं। पत्नी के साथ किसी तरह का कोई विवाद भी नहीं हुआ था।

इलाजरत घायल

● पति ने कहा-पत्नी की मानसिक स्थिति ठीक नहीं, बिना बात के कर दिया हमला

राज्य सरकार की गलती के कारण माइंस बंद : सरयू राय

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला में रोजगार का साधन ही यहां के माइंस हैं, जो पूरी तरह बंद हैं। इसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। ये बातें जमशेदपुर पश्चिमी के जदयू विधायक सरयू राय ने कहीं। राय मंगलवार को चाईबासा परिसदन मे पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि माइंस बंद होने के कारण सरकार को इससे न केवल राजस्व की हानि हो रही है, बल्कि अवैध माइनिंग में भी वृद्धि हुई है। पिछले 4 वर्षों से बालू घाटों की नीलामी नहीं होने से भी सरकार को राजस्व का घाटा हो रहा है। इससे बालू की चोरी बढ़ी है। वर्तमान में आलम यह है कि इस सरकार में सही कार्य कराना बहुत मुश्किल हो गया है। इसका कारण भ्रष्टाचार है। पूरे राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। उन्होंने मुख्यमंत्री से इस पर ध्यान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि डीजीपी अनुराग गुप्ता को भारत सरकार ने निश्चित समय पर सेवानिवृत्ति दे दी, पर राज्य सरकार ने उन्हें बनाए रखा है। यदि राज्य सरकार वर्तमान में जो सक्षम पदाधिकारी हैं, उन्हें डीजीपी बनाती तो इससे अच्छा संदेश जाता। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ काम करना मुश्किल हो गया है और उससे अधिक गलत काम को रोकना और भी ज्यादा मुश्किल हो गया है।

विधायक सरयू राय

जल्द खुलेंगी बंद पड़ी खदानें : दीपक बिरुवा

CHAIBASA : ग्रामीणों के आग्रह पर मंत्री दीपक बिरुवा मंगलवार को खास जामदा पहुंचे थे। यहां ग्रामीणों के साथ बैठक कर विभिन्न समस्याओ से अवगत हुए। इस दौरान ग्रामीणों ने बंद खदानों को चालू करने की मांग रखी। इसके साथ ही नई रेलवे साइडिंग में स्थानीय लोगों को काम दिलाने की मांग रखी। मंत्री ने कहा कि बंद पड़ी खदानें बहुत जल्द खुलेंगी। नई रेलवे साइडिंग में स्थानीय लोगों को ही प्राथमिकता के आधार पर काम दिया जाएगा, इसके लिए कई रैयतों ने अपनी जमीन दी है। कई लोग इससे प्रभावित हुए हैं। इसलिए इसके हकदार सिर्फ स्थानीय लोग होंगे, इसमें कोई समझौता नहीं होगा। आंधी-तूफान के कारण आई बिजली की समस्याओं पर मंत्री ने ऑन द स्पॉट फोन बिजली विभाग व स्थानीय एसडीओ को फोन कर अविलंब बिजली बहाल करने का निर्देश दिया। इस मौके पर झामुमो के केंद्रीय सदस्य अभिषेक सिंकु, मजदूर नेता रामा पांडे, विपिन पूर्ति, रिमू बहादुर, दुर्गा देवगम, प्रेम गुप्ता, विकास गुप्ता, शंकर बोबोंगा समेत सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

पोटका में रंगमंच पर छह दिवसीय आवासीय कार्यशाला हुई शुरू

कार्यशाला के दौरान अभ्यास करते प्रशिक्षु ● फोटोन न्यूज

POTKA : भारतीय जन नाट्य संघ (इप्टा) के 82वें स्थापना दिवस पर पोटका में जमशेदपुर इप्टा द्वारा शोषितों का रंगमंच नामक छह दिवसीय आवासीय कार्यशाला मंगलवार को शुरू हुई। पोटका स्थित बालीजुडी पंचायत भवन में हो रही कार्यशाला में विभिन्न आयु वर्ग के 30 से ज्यादा प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। दिल्ली से आई रंगमंच कलाकार वंशिका पाल और नासिक से आए संकेत सीमा विश्वास कार्यशाला के प्रशिक्षक हैं। कार्यक्रम का समापन 25 मई की शाम बालीजुडी अखड़ा में होगा। कार्यक्रम को पंचायत के मुखिया विदेन सरदार , धीरोल पुड़सी माझी रघुनाथ मुर्मू, केस्टो नगर माझी गणेश मुर्मू, ग्रामीणों, ढाई आखर प्रेम से जुड़े तमाम साथियों, संस्था और संगठनो का सहयोग मिल रहा है। आवासीय कार्यशाला के शुभारंभ के मौके पर इप्टा झारखंड की महासचिव अर्पिता, गोमहेड अखड़ा के अभिनेता राम चंद्र मार्डी, अभिनेत्री और लोक गायिका उर्मिला हांसदा, प्रो. अहमद बद्र, प्रो. शेखर मल्लिक, तरुण कुमार, गणेश चंद्र मुर्मू, संजय मुखी, सुशांतो सीट आदि भी उपस्थित थे।

केयू: सिंडिकेट की बैठक आज, 34 से अधिक फैसलों पर लगेगी मुहर

JAMSHEDPUR : कोल्हान विश्वविद्यालय में सिंडिकेट की अहम बैठक बुधवार को चाईबासा स्थिति विवि परिसर में कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता की अध्यक्षता में होगी। इसकी जानकारी विवि की ओर से सभी सदस्यों को देते हुए इसमें अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है। इस बैठक में 34 से अधिक प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएंगे। सिंडिकेट जिन प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान करेगा, उसे विवि व उसके कॉलेजों में लागू किया जाएगा। इस बैठक में छठे दीक्षांत समारोह पर भी मुहर लग सकती है। इसके साथ ही पीएचडी प्रवेश परीक्षा का परिणाम जारी करने ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने समेत कई बिंदुओं पर निर्णय लिया जाएगा। विवि में करीब 7 महीने बाद सिंडिकेट की बैठक होने जा रही है। इसका इंतजार छात्रों से लेकर शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों तक को है। डॉ. अंजिला गुप्ता के कुलपति बनने के बार यह विवि की पहली सिंडिकेट बैठक है। इस बैठक में परीक्षा बोर्ड, एकेडमिक काउंसिल व फाईनांस कमेटी की बैठक में लिए गए फैसलों को भी अनुमोदन के लिए रखा जाएगा।

कभी भी अवरुद्ध हो सकता है बुरुडीह जाने का एकमात्र मुख्य मार्ग

मुख्य सड़क के किनारे टूट-टूट कर गिर रहे पहाड़ के पत्थर

RAJESH CHOUBEY @ GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिले में घाटशिला प्रखंड के कालचित्ती पंचायत अंतर्गत बुरुडीह-बासाडेरा मुख्य सड़क किनारे स्थित हाथीसुड़ा पहाड़ खिसकने के कारण पहाड़ के बड़े-बड़े टुकड़े टूट-टूट कर सड़क पर गिर रहे हैं। पहाड़ टूटकर गिरने का दायरा लगभग 500 फुट के आसपास हो गया है। इसके साथ ही साथ उस पर लगे बड़े-बड़े पेड़ की जड़ से मिट्टी हट जाने से वह पेड़ कब गिर जाएगा, कहना मुश्किल है। पहले पहाड़ के छोटे-छोटे टुकड़े टूट टूट कर गिर रहे थे, जिसे स्थानीय लोग हटाकर रास्ता साफ कर देते थे, लेकिन तीन-चार माह से इस पहाड़ के बड़े-बड़े टुकड़े गिर रहे हैं, जिन्हें काफी वजनी होने के कारण हटाना मुश्किल हो गया है। इससे मार्ग अवरुद्ध होने का खतरा तो रहता ही है, जान-माल की क्षति होने की आशंका भी रहती है। बुरुडीह से बासाडेरा, धारागिरी, डायनमारी, झांटीझरना जाने के लिए यही एकमात्र मुख्य सड़क है। इस सड़क से हजारों लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। इसके साथ ही काफी संख्या में पर्यटकों का भी आना-जाना लगा रहता है। आते-जाते समय अगर पहाड़ के टुकड़े लोगों पर गिरे, तो जान जाना तय है। इतना ही नहीं, अगर टुकड़े गिरने से बच भी गए, तो सड़क के दूसरी ओर सैकड़ों फीट गहरी खाई है, उसमें गिरने का अलग खतरा है। क्योंकि, जिस स्थान पर पहाड़ के टुकड़े गिर रहे है, वहां सड़क की चौड़ाई मात्र 8 से 10 फीट होगी। ऐसे में टुकड़ा गिरने से पूरी सड़क ही अवरुद्ध हो जाएगी और बुरुडीह से कई गांवों का संपर्क कट जाएगा। क्योंकि इस मार्ग पर कोई सड़क ही नही है।

सड़क पर गिरे पहाड़ से टूटे हुए पत्थर ● फोटोन न्यूज

> पहाड़ के टूटकर गिरने की जानकारी उन्हें है। वह इसे लेकर वरीय अधिकारी से पत्राचार कर रहे हैं। पहाड़ के टूटे हिस्से को हटाने का काम पहले किया जाएगा, फिर यह देखा जाएगा कि पहाड़ के पत्थर इतनी मात्रा में क्यों टूटकर गिर रहे हैं।
>
> – अमित सेन महतो
> फॉरेस्टर, वन विभाग

जानकारों की मानें, तो पहाड़ दो वजह से टूटते या खिसकते हैं। एक कारण अवैध माइनिंग हो सकता है, तो दूसरी वजह बारिश हो सकती है। बारिश के समय पहाड़ पर उगे पेड़ से मिट्टी हट जाती है और पहाड़ से पेड़ गिरते रहते हैं, जिसके कारण पहाड़ कई हिस्सों में विभक्त होकर टूटने लगता है। हालांकि जिस जगह पहाड़ टूटकर गिर रहे हैं, वहां अवैध माइनिंग के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस गंभीर समस्या से निजात पाने के लिए वन विभाग को भी अलर्ट मोड में आना चाहिए, नहीं तो बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

आंधी से जेम्को में घर पर गिरा पेड़

JAMSHEDPUR : जेम्को के आजादबस्ती गुरुद्वारा रोड पर मंगलवार को शाम करीब 4.30 बजे आई तेज आंधी के कारण 50 फीट ऊंचा पेड़ घर के ऊपर गिर गया। इसमें पुष्पा देवी नामक महिला को गंभीर चोट आई है। उनका कहना है कि पेड़ सड़ गया है।

काफी दिनों से कंपनी प्रबंधन ने इस पर ध्यान नहीं दिया। एक पेड़ उन्होंने छोड़ दिया और बाकी सभी पेड़ काट दिए थे। मकान मालिक अनिल प्रकाश का कहना है कि मेरे घर में जो नुकसान हुआ है, उसकी पूरी जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की है। जिस वक्त पेड़ काो जा रहे थे, तो उन्होंने सभी पेड़ को क्यों नहीं काटे। उन्होंने कहा कि जब तक कंपनी प्रबंधन मुआवजा नहीं देगी, सड़क जाम रहेगा। सूचना पाकर टेल्को थाना की पुलिस पहुंची।

एक सप्ताह से अंधेरे में है डायनमारी गांव

गांव का खराब पड़ा ट्रांसफार्मर ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : आंधी तूफान की चपेट में आकर एक सप्ताह पहले ट्रांसफार्मर जल गया था। विभाग द्वारा ठीक नहीं कराए जाने के कारण कालचित्ती पंचायत के डायनमारी गांव में लोग अंधेरे में रहने को विवश हैं।

गांव में लाइन नहीं रहने के कारण शाम होते ही लोग घरों में दुबक जाते हैं, क्योंकि पहाड़ों से नजदीक होने से ग्रामीणों को सबसे ज्यादा डर सांप से रहता है। रात होते ही गर्मी के मौसम में सांप के निकलने का दौर शुरू हो जाता है। गांव के खोगेन महतो ने बताया कि एक सप्ताह पहले तेज आंधी-तूफान के साथ वज्रपात हुआ था, उसी दौरान 100 केवी का यह ट्रांसफार्मर जल गया था। इसके बाद ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को सूचना दी थी, लेकिन अभी तक विभाग के लोग गांव नहीं पहुंचे। पहाड़ के तराई क्षेत्र में होने के कारण थोड़ा भी तेज हवा चलती है, तो बिजली कई दिनों तक गुल रहती है।

BRIEF NEWS

यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा का भागलपुर कनेक्शन पुलिस ने शुरू की जांच

BHAGALPUR : पाकिस्तानी कनेक्शन सामने आने के बाद मशहूर यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को सुरक्षा एजेंसियों ने गिरफ्तार कर लिया है। लेकिन ज्योति मल्होत्रा का सुल्तानगंज कनेक्शन सामने आते ही भागलपुर पुलिस के कान खड़े हो गए हैं। जांच में चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। बताया जा रहा है कि ज्योति मल्होत्रा अब तक चार बार बिहार के भागलपुर जिले का दौरा कर चुकी हैं। इतना ही नहीं भागलपुर के सुल्तानगंज स्थित प्रसिद्ध अजगैबीनाथ धाम का एक वीडियो भी उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर मिला है। इस खुलासे के बाद भागलपुर में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। स्थानीय पुलिस हर गतिविधि पर नजर बनाए हुए है।

चार सूत्री मांगों को लेकर आशा फैसिलेटर की पांच दिवसीय हड़ताल शुरू

BHAGALPUR : जिले के सुलतानगंज रेफरल अस्पताल में आशा फैसिलेटर की सदस्यों ने मंगलवार से चार सूत्री मांग को लेकर पांच दिवसीय हड़ताल शुरू किया। इस दौरान धरना प्रर्दशन भी किया गया। आशा फैसिलेटर की सदस्य रीना कुमारी ने बताया कि छह माह से वेतन बकाया है। राज्य सरकार के द्वारा बढ़ाया गया वेतन 1500 सौ रुपया भी नहीं बढ़ाया गया है। उन्होंने कहा हमलोगों को 21 हजार रुपया प्रति माह, उम्र सीमा 65 वर्ष करते हुए रिटायरमेंट 10 लाख रुपये दिया जाए। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के द्वारा प्रोत्साहन राशि में भी बढ़ोतरी नहीं किया गया है। उक्त सभी मांगों को लेकर आशा फैसिलेटर की सदस्यों ने हड़ताल की है। उन्होंने कहा कि उक्त मांगे माने जाने के बाद ही हमलोग हड़ताल समाप्त करेगें।

25 हजार का इनामी स्मैक तस्कर गिरफ्तार

EAST CHAMPARAN : पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर मादक पदार्थ की तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान हरैया थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने रक्सौल के मौजै निवासी 25 हजार का इनामी स्मैक तस्कर विजय दास को गिरफ्तार किया है। विजय दास लंबे समय से एनडीपीएस एक्ट के कई मामलों में फरार चल रहा था। हरैया थानाध्यक्ष किशन पासवान ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि विजय दास रक्सौल मैत्री पुल होकर नेपाल भागने की फिराक में है। सूचना के आलोक में त्वतरित टीम का गठन कर निगरानी शुरू की गयी। इसी दौरान विजय दास को नेपाल की ओर जाते देखा गया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीछा कर उसे गिरफ्तार कर लिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि विजय दास नशीले पदार्थ स्मैक का बड़ा तस्कर है। इसके विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत हरैया, रक्सौल और रामगढ़वा थानों में कई मामले दर्ज है।

मुख्यमंत्री ने की संभावित बाढ़ व सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा

राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का : नीतीश कुमार

AGENCY PATNA : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्य सचिवालय स्थित सभा कक्ष में संभावित बाढ़ एवं सुखाड़ के पूर्व तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राज्य के खजाने पर पहला अधिकार आपदा पीड़ितों का है। राज्य सरकार बाढ़ और सुखाड़ की स्थिति में प्रभावितों को हरसंभव मदद करती है, इसे ध्यान में रखते हुये सभी संबद्ध विभाग और अधिकारी सतर्क रहें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवम्बर, 2005 से पहले आपदा प्रबंधन के लिए ठीक से काम नहीं होता था। नवम्बर, 2005 में भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड की सरकार बनने के बाद आपदा प्रबंधन एवं आपदा पीड़ितों को शीघ्र सहायता उपलब्ध कराने के लिए गंभीरता से काम किया गया। वर्ष 2007 में जो बाढ़ आई थी, उससे 22 जिलों के लगभग 2.5 करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। तब प्रभावित लोगों के लिए बड़े पैमाने पर राहत और बचाव का कार्य किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2008 में कोसी त्रासदी के दौरान 5 जिलों सुपौल, सहरसा, मधेपुरा, पूर्णिया एवं अररिया में लगभग 34 लाख लोग प्रभावित हुए थे, जिनको राहत पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया गया । विश्व बैंक से कर्ज लेकर राहत एवं पुनर्वास का काम किया गया । वर्ष 2016 से बाढ़ प्रभावित परिवारों को आनुग्रहिक अनुदान के अंतर्गत कुल 6 हजार रुपये की राशि भुगतान करने का निर्णय लिया गया, जिसे वर्ष 2023 में बढ़ाकर 7 हजार रुपये किया गया। बाढ़ एवं अन्य आपदाओं में मृत व्यक्तियों के आश्रितों को 4 लाख रुपये का अनुग्रह अनुदान देने की व्यवस्था की गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के समय बाढ़ एवं सुखाड़ प्रभावित क्षेत्रों में जाकर तथा एरियल सर्वे के माध्यम से भी स्थिति का जायजा लिया जाता है, ताकि लोगों को किसी तरह की समस्या नहीं हो। उन्होंने कहा कि सभी जिलाधिकारी एवं संबंधित विभाग बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने के लिए पूरी तैयारी करें। इस महीने के अंत तक बाढ़ एवं सुखाड़ से निपटने की तैयारियां पूरी कर ली जाय। जिलाधिकारी एवं विभागीय पदाधिकारी क्षेत्र में जाकर स्थिति का आकलन करें और लोगों से बात कर समस्याओं का समाधान करें।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

तटबंधों की सुरक्षा का मुख्यमंत्री ने दिया आदेश

मुख्यमंत्री ने सभी क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत समय पर करने, नदी के तटबंधों की सुरक्षा करने का निर्देश भी दिया, ताकि कहीं पर तटबंध टूटने की घटना न हो। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति में लोगों के ईलाज के लिए आवश्यक व्यवस्था कर ली जाय। पीने के पानी की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। बाढ़ या सुखाड़ में फसल क्षति की स्थिति में किसानों की सहायता के लिए पूरी तैयारी कर ली जाय। बाढ़ या सुखाड़ की आपदा की स्थिति में लोगों को राहत पहुंचाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्था पूर्व में ही कर ली जाय। आपदा प्रबंधन विभाग लगातार तैयारियों की मॉनिटरिंग करे, ताकि लोगों को कोई समस्या नहीं हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम के बदलाव को ध्यान में रखते हुए हर चीज पर नजर रखनी है और पूरी तरह से सतर्क रहना है। मुस्तैदी के साथ सभी लोग लगे रहेंगे, तो आपदा की स्थिति में लोगों को राहत मिलेगी। सभी जिलों के प्रभारी मंत्री एवं प्रभारी सचिव जिलों में जाकर बैठक करें और वस्तु स्थिति की जानकारी लें और उसी आधार पर कार्य करें। जून के प्रथम सप्ताह तक अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति एवं समस्याओं का बेहतर ढंग से आकलन कर उसके समाधान के लिये कार्य करें।

ढाई साल पहले हुए सुकन्या देवी हत्याकांड में बैजू मुर्मू को आजीवन कारावास की सजा

AGENCY ARARIA : अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश चतुर्थ रवि कुमार की अदालत ने ढाई साल पहले आम बगीचा में गोली मारकर सुकन्या देवी के हत्या मामले में दोषी को सश्रम आजीवन कारावास के साथ 15 हजार रुपए के अर्थदंड की सजा सुनाई।न्यायालय ने हत्या के अपराध में सश्रम आजीवन कारावास एवं दस हजार रुपये के अर्थदंड और 27 आर्म्स एक्ट में तीन साल की कारावास के साथ साथ पांच हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई ।

न्यायालय ने यह फैसला दोषी को सजा सत्र वाद संख्या 78/2023 में सुनवाई करते हुए सुनाया। मामला अररिया थाना कांड संख्या 900/2022 से संबंधित है।नगर थाना क्षेत्र के लहटौरा वार्ड संख्या 3 संथाली टोला निवासी अरविंद कुमार ऋषिदेव पिता - स्वर्गीय विष्णु ऋषिदेव ने केस दर्ज कराया था। सजा पाने वाला कोचगवा वार्ड संख्या 5 के 40 वर्षीय बैजू मुर्मू मरांग मुर्मू हैं।

घटना 21 अक्टूबर 2022 शुक्रवार दोपहर साढ़े ग्यारह बजे की है। अरविंद कुमार ऋषिदेव अपने घर के सदस्यों के साथ आम के पेड़ के पास खड़े थे। इसी बीच अरविंद कुमार ऋषिदेव की मां सुकन्या देवी को पीठ पर गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई। दोषी बैजू मुर्मू ने आपसी रंजिश में घटना को अंजाम दिया था और घटना स्थल पर सुकन्या देवी के पीठ पर लगे घावों पर हाथ फेरकर उसके खून का टीका लगाकर खुली चेतावनी दी थी। रास्ते में जलालगढ़ जाने के क्रम में पीड़िता की मौत हो गई।

सजा की बिंदु पर सुनवाई करते हुए बचाव पक्ष के अधिवक्ता पंकज कुमार यादव ने न्यायालय से कम से कम सजा सुनाए जाने की गुहार लगाई।

जम्मू-कश्मीर में सेना की गाड़ी खाई में गिरी भागलपुर के जवान संतोष यादव हुए शहीद

AGENCY BHAGALPUR : जम्मू-कश्मीर में आर्तकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन के दौरान सेना की गाड़ी खाई में गिर गई। इस हादसे में बिहार में भागलपुर जिले के जवान संतोष यादव शहीद हो गए। संतोष यादव नवगछिया के इस्माइलपुर गांव के रहने वाले थे। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम का माहौल है। घटना सोमवार देर रात करीब 2:30 बजे जम्मू के नौशेरा सेक्टर की है। जब सेना की एक टुकड़ी आर्तकियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन पर निकली थी। इसी दौरान पहाड़ी रास्ते में सेना की गाड़ी अनियंत्रित होकर खाई में गिर गई। गाड़ी में कुल 6 जवान सवार थे। जिनमें से सभी घायल हो गए। सबसे गंभीर रूप से घायल हुए हवलदार संतोष यादव को तत्काल अस्पताल ले जाया गया लेकिन रास्ते में ही उन्होंने दम तोड़ दिया।

संतोष यादव भारतीय सेना में हवलदार के पद पर कार्यरत थे। वे तीन महीने पहले ही छुट्टी पर घर आए थे। उनके परिवार में पत्नी साधना कुमारी तीन बेटियां और एक बेटा है। परिजन के मुताबिक संतोष यादव का साला भी नौशेरा सेक्टर के पास एक अन्य यूनिट में तैनात है। उसी ने सबसे पहले परिवार को इस हादसे की सूचना दी। फिलहाल सेना द्वारा शहीद जवान के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव लाने की तैयारी की जा रही है। गांव में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

रेलवे स्टेशन को उड़ाने वाला नक्सली लाल यादव गिरफ्तार

NAVADA : नवादा जिले के सिरदला पुलिस व बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। निमार्णाधीन रेलवे स्टेशन को उड़ाने वाले आरोपित और हाईकोर नक्सली को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पर 2016 में निमार्णाधीन रेलवे स्टेशन उड़ाने का आरोप है। पुलिस ने नक्सली को जहानाबाद से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। सिरदला पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने जहानाबाद जिले के कल्पा थाना क्षेत्र के धुरिया गांव से हार्डकोर नक्सली लाल बाबू यादव को गिरफ्तार किया। रजौली एसडीपीओ गुलशन कुमार और सिरदला थानाध्यक्ष मोहन कुमार की अगुवाई में टीम ने यह ऑपरेशन चलाया।

जिलाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

AGENCY BHAGALPUR : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी ने मंगलवार को अधिकारियों की टीम के साथ ईवीएम वेयरहाउस का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, ईवीएम की स्थिति और वेयरहाउस प्रबंधन से जुड़ी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सभी आवश्यक सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करें ताकि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता में कोई चूक न हो। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके पूर्व जिलाधिकारी ने नवगछिया प्रखंड के इस्माइलपुर बिंद टोली अवस्थित बांध के स्पर संख्या 7 और 8 के बीच 142 मीटर में वर्ष 2024 में हुए हुए टूटान पर चल रहे तटबंध निर्माण एवं तटबंध ऊंचीकरण कार्य का निरीक्षण किया। कार्यपालक अभियंता बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, नवगछिया गौतम कुमार द्वारा बताया गया कि वर्ष 2024 में इस्माइलपुर बिंद टोली अवस्थित बांध के स्पर संख्या 7 और 8 के बीच 142 मीटर में हुआ टूटान स्थल पर विभागीय अनुमति एवम् संविदा के आधार पर 33.5 करोड रुपये की लागत से तटबंध निर्माण एवं तटबंध ऊंचीकरण का कार्य करवाया जा रहा है। तटबंध निर्माण कार्य में मिट्टी भराई का कार्य किया जा चुका है।

शिवपुरी के लोग घरों में कैद होने को हुए मजबूर, सड़क पर भरा घुटना भर पानी

AGENCY ARARIA : अररिया नगर परिषद के शिवपुरी वार्ड संख्या नौ के लोग अपने अपने घरों में कैद होने को मजबूर हैं। पूरे मुहल्ले में सड़क पर दो से ढाई फीट तक पानी जमा है। घुटनों के ऊपर पानी के जमाव के कारण लोगों को दैनिक दिनचर्या में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा दिक्कत स्कूली बच्चों और सरकारी और गैर सरकारी कार्य से घरों से बाहर निकलने वाले लोगों को उठाना पड़ रहा है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पर लगे जल जमाव से किसी तरह पार कर दैनिक दिनचर्या के कार्यों में शामिल होना पड़ रहा है।

घुटने भर पानी को पार कर शिवपुरी के लोग सड़क पर पहुंच पा रहे हैं। सड़क पर बने बने बड़े बड़े गड्ढे पानी में नहीं दिखने के कारण पानी पार करने के क्रम में कई बार लोग गिरकर चोटिल हो जा रहे हैं। मामले को लेकर स्थानीय लोगों द्वारा जिलाधिकारी से लेकर नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी,मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद और पार्षद को कई बार आवेदन देकर सड़क और नाला निर्माण की गुहार स्थानीय लोग लगा चुके हैं।

सुगौली पहुंचे राज्यपाल, ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

AGENCY EAST CHAMPARAN : बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मंगलवार को पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली प्रखंड स्थित बगही पंचायत पहुंचे। जहां उन्होने अलीगढ यूनिवर्सिटी के अपने जूनियर सहपाठी इंजीनियर परवेज मोहम्मद के यहां एक निजी कार्यक्रम में शिरकत किया। कार्यक्रम में अपने दोस्त इंजीनियर परवेज मोहम्मद से मिलकर राज्यपाल काफी प्रसन्न दिखे। इस दौरान राज्यपाल का ग्रामीणों ने भी भव्य स्वागत किया।

राज्यपाल भी ग्रामीणो से मिलते जुलते दिखे। राज्यपाल के आगमन को लेकर पूरे इलाके में हर्ष और उल्लास का माहौल था। राज्यपाल के आगमन को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जिला प्रशासन एवं पुलिस के वरीय अधिकारियो के साथ बड़ी संख्या चप्पे-चप्पे पुलिस बल की तैनाती की गई थी। राज्यपाल मोतिहारी से सुगौली सड़क मार्ग से गए, लिहाजा पूरे मार्ग को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था ताकि किसी भी प्रकार की सुरक्षा में चूक न हो। करीब 11:30 बजे राज्यपाल का काफिला बगही पंचायत पहुंचा, जहां इंजीनियर परवेज मोहम्मद ने उनका भव्य स्वागत किया।

परवेज मोहम्मद एवं उनके परिजनों द्वारा राज्यपाल को पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र (शॉल) भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय बुद्धिजीवी, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं आम जनता ने भी राज्यपाल के स्वागत में कोई कसर नहीं छोड़ी। राज्यपाल ने इस दौरान बगही पंचायत के सामाजिक सौहार्द और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की सराहना की।

प्रदेशभर की 11801 महिला शिक्षकों को विभाग ने किया इधर से उधर

AGENCY PATNA : शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव एस सिदार्थ ने बीती देर रात 11,801 महिला शिक्षकों के अंतर-जिला और आंतरिक स्थानांतरण का आदेश जारी किया। यह तबादला शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई-1 और टीआरई-2) के तहत चयनित शिक्षिकाओं का है।

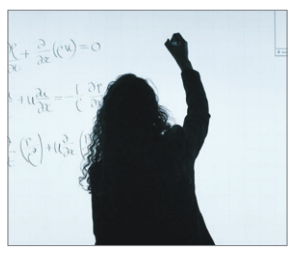

स्थानांतरण की जानकारी ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड की गई है। शिक्षकों को उनके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एसएमएस के जरिए यह सूचित किया जा रहा है। शिक्षा विभाग की इस प्रशासनिक कार्रवाई में टीआरई-1 के 5,630 और टीआरई-2 के 6,167 महिला शिक्षकों का स्थानांतरण हुआ। कुल 11,802 शिक्षकों के आवेदनों में से 4 निष्क्रिय किए गए, जिसके बाद 11,801 शिक्षकों का तबादला अंतिम रूप से स्वीकृत हुआ। एसीएस एस. सिद्धार्थ ने स्पष्ट किया है कि तबादले की विस्तृत सूची सार्वजनिक नहीं की जाएगी। शिक्षकों को व्यक्तिगत रूप से ई-शिक्षाकोष पोर्टल और एसएमएस के माध्यम से जानकारी दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि यह स्थानांतरण अंतर-जिला और आंतरिक स्तर पर किया गया है, जिसमें शिक्षकों की वर्तमान पोस्टिंग और उनके गृह जिले या पसंदीदा स्थान की दूरी को प्राथमिकता दी गई है।

सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने किया जिला केंद्रीय सहकारी अधिकोष का निरीक्षण, कहा-

सहकारी समितियों की समृद्धि से ग्रामीण क्षेत्रों में होगा विकास

AGENCY KATIHAR : सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार ने मंगलवार को मंत्री ने किया जिला केन्द्रीय सहकारी अधिकोष का निरीक्षण किया। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे सहकारी बैंक में खाता खुलवाएं और केसीसी लोन आदि का लाभ उठाएं। इस दौरान प्रेम कुमार ने सहकार भवन परिसर में पौधा रोपण किया और 5000 मेटन क्षमता के 06 गोदाम का शिलान्यास किया। उन्होंने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले के अन्य पैक्स व व्यापार मंडल में आवश्यक भंडारण क्षमता उपलब्ध नहीं होने पर प्रस्ताव उपलब्ध कराएं। सहकारिता मंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए सहकारी समितियों

» मंत्री ने लोगों से आग्रह किया कि वे सहकारी बैंक में खाता खुलवाएं और केसीसी लोन आदि का उठाएं लाभ

कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री प्रेम कुमार व अन्य

को समृद्ध किया जाना आवश्यक है। इसके लिए कई केन्द्रीय और राज्य योजनाएं संचालित हैं, जिसका लाभ सहकारी समितियों को दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बिहार राज्य फसल सहायता योजना के तहत किसानों को आर्थिक सहायता दी जाती है, जो पूरी तरह निःशुल्क है। उन्होंने ने बताया कि इस योजना के तहत वास्तविक उपज में 20 प्रतिशत तक क्षति होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 7500 की दर से 2 हेक्टेयर तक 15000 रुपये और 20 प्रतिशत से अधिक क्षति होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर 10,000 की दर से 2 हेक्टेयर तक अधिकतम 20,000 रुपये की सहायता राशि का भुगतान किया जाता है। खरीफ 2024 में जिले के 2694 किसानों के आवेदन का सत्यापन कार्य कराया जा रहा है। प्रेम कुमार ने बताया कि जिले में प्राथमिक सब्जी उत्पादक सहकारी समिति का गठन किया गया है और किसानों से क्रय किए गए सब्जी के विपणन हेतु संघ के गठन की कार्रवाई की जा रही है। इसके अलावा, जिले में तीन किसान उत्पादक संगठन का गठन किया गया है और पैक्सों को बहुउद्देश्यीय बनाने के लिए पैक्स कम्प्यूटीकरण योजना के तहत जिले के 149 पैक्सों को कंप्यूटर उपलब्ध कराया गया है। उन्होंने कहा कि पैक्सों में कॉमन सर्विस सेन्टर, जनऔषधि केन्द्र, पेट्रोल व डीजल आउटलेट की स्थापना कर पैक्सों को एक बहुआयामी स्वरूप दिया जाएगा। आधारभूत संरचना के संदर्भ में उन्होंने बताया कि पैक्सों/व्यापार मंडल में न केवल 200/500/1000 मे. टन क्षमता वाले भंडार गृह का निर्माण किया जा रहा है, बल्कि विश्व की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत पैक्सों में 5000/10000 मे. टन क्षमता वाले भंडार गृह की निर्माण योजना भी शामिल है।

30 जून तक होगा आगामी तीन माह का खाद्यान्न वितरण, डीएम ने की बैठक

AGENCY ARARIA : आगामी मानसून एवं खराब मौसम को लेकर राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत आगामी जून,जुलाई और अगस्त माह का खाद्यान्न वितरण 30 जून तक किया जाएगा।डीएम अनिल कुमार ने इसको लेकर आपूर्ति विभाग के अधिकारियों और सदर एवं फारबिसगंज एसडीओ के साथ मीटिंग की। बैठक में बताया गया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम अंतर्गत माह अगस्त 2025 तक के आवंटित खाद्यान्न का अग्रिम उठाव व वितरण किये जाने का निर्देश संबंधित विभाग के द्वारा दिये जाने के बाद जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों के द्वारा खाद्यान्न का वितरण प्रारंभ कर दिया गया है।बैठक में जानकारी दी गई कि मई माह का अनाज वितरण 20 मई को समाप्त हो जायेगा। जबकि 21 मई से 31 मई तक जून माह का वितरण होगा। वहीं 01 जून से 15 जून तक जुलाई माह का वितरण किया जायेगा। 16 जून से 30 जून 2025 तक अगस्त माह का अनाज वितरण किया जाएगा।

जिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागीय पदाधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि अनाज उठाव और वितरण ससमय सुनिश्चित कर लिया जाये। इस हेतु संबंधित अधिकारियों को निगरानी एवं अनुश्रवण जिम्मेदारी भी दी गई है। किसी भी स्तर पर अनियमितता की शिकायत मिलने पर संबंधित पीडीएस संचालक और पदाधिकारी पर जवाबदेही तय करते हुए सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

वज्रपात की चपेट में आकर बारह साल की छात्रा की मौत

ARARIA : फारबिसगंज थाना क्षेत्र के भागकोहलिया पंचायत के नया टोला वार्ड संख्या 11 में मंगलवार की सुबह वज्रपात की चपेट में आने से 12 साल की स्कूली छात्रा की मौत हो गई।मृत छात्रा साक्षी कुमारी पिता अरुण मंडल पोटरी नया टोला मध्य विद्यालय की छात्रा थी और मंगलवार की सुबह आठ बजे बकरी को घर में बांधने के लिए निकली। इसी दौरान टीन वाले घर में वज्रपात के चपेट में आ गई। छात्रा साक्षी कुमारी के साथ बकरी के भी वज्रपात के चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन ने आनन फानन में वज्रपात से झुलसी छात्रा को फारबिसगंज अनुमंडलीय अपस्ताल लाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भारतीय अध्यात्म के वैश्विक दूत परमहंस योगानंद

जब दुनिया के अनेक राष्ट्रों ने सत्ता, सैन्य और अर्थव्यवस्था के दम पर उपनिवेश बनाए, तब भारत ने एक अलग राह चुनी- आध्यात्मिक प्रभाव की राह। यहां के ऋषियों-मुनियों ने मानवता को आत्मबोध, ध्यान और शांति का संदेश दिया। इस आध्यात्मिक धरोहर को 20वीं सदी में वैश्विक मंच तक पहुंचाने वाले एक महान योगी थे परमहंस योगानंद। योगानंद न केवल भारतीय योग और ध्यान परंपरा के प्रचारक थे, बल्कि उन्होंने भारतीय संस्कृति की एक तरह की आध्यात्मिक उपनिवेशिकता की नींव भी रखी, जिसमें कोई जबरदस्ती नहीं थी, बस आत्मा की गहराइयों से निकला संदेश था जो सीधे विश्व मानव के हृदय को छू गया। 1920 में परमहंस योगानंद अमेरिका के बोस्टन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय धार्मिक उदारवादियों की कांग्रेस में भारत का प्रतिनिधित्व करने पहुंचे। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी, लेकिन इस यात्रा ने उन्हें एक वैश्विक आध्यात्मिक दूत बना दिया। उसी वर्ष उन्होंने अमेरिका में एसआरएफ की स्थापना की, जो ध्यान और क्रिया योग के माध्यम से आत्म-साक्षात्कार की शिक्षा को प्रसारित करता है। पांच साल बाद 1925 में लॉस एंजेलिस में एसआरएफ का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय स्थापित हुआ, जो आज भी योगानंद की शिक्षाओं का केंद्र बना हुआ है। पश्चिमी जगत, जो उस समय भौतिकता और औद्योगिकीकरण की ओर दौड़ रहा था, वहां भारतीय योग की यह सौम्य आहट एक नई चेतना का सूत्रपात थी। योगानंद की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि उन्होंने धर्म को किसी मत या पंथ के बंधन से परे रखा। उनका संदेश था- ईश्वर को महसूस करो, न कि केवल मानो। वे कहते थे कि ध्यान, प्राणायाम और आत्मचिंतन के माध्यम से हर इंसान ईश्वर का प्रत्यक्ष अनुभव कर सकता है। उनकी शिक्षाएं पूर्व के गहन अध्यात्म और पश्चिम की वैज्ञानिक सोच का अनूठा संगम थीं। उन्होंने क्रिया योग को एक वैज्ञानिक पद्धति की तरह प्रस्तुत किया, जो जीवन के हर क्षेत्र में शांति, संतुलन और जागरूकता ला सकती है। 1946 में प्रकाशित योगानंद की 'एक योगी की आत्मकथा' आज भी दुनिया भर में पढ़ी जाती है। यह न केवल उनके जीवन का दस्तावेज है, बल्कि भारतीय योग परंपरा का जीवंत वर्णन भी है। अब तक यह 50 से अधिक भाषाओं में अनूदित हो चुकी है और इसे आध्यात्मिक साहित्य की क्लासिक माना जाता है। एप्पल के सह-संस्थापक स्टीव जॉब्स इस पुस्तक से इतने प्रभावित थे कि उन्होंने अपने आईपैड में केवल यही एक किताब रखी थी और अपनी मृत्यु से पहले इसे अपने निकट सहयोगियों को उपहारस्वरूप दिया था। योगानंद की एक अन्य उल्लेखनीय पुस्तक 'मसीह का दूसरा आगमन' है, जिसमें उन्होंने ईसा मसीह की शिक्षाओं को हिंदू योग दर्शन के परिप्रेक्ष्य में व्याख्यायित किया है। इस प्रयास ने आध्यात्मिक संवाद को वैश्विक आयाम दिया। योगानंद ने एक गहन प्रश्न उठाया था- मनुष्य बाहरी दुनिया को जीतने में व्यस्त है, लेकिन क्या वह अपने भीतर की दुनिया से भी परिचित है। आज की भागदौड़, तनाव और तकनीकी अशांति से जूझती दुनिया में यह सवाल पहले से अधिक प्रासंगिक हो गया है। उनकी पुस्तक 'कैसे जीना है' की सात-खंडीय श्रृंखला जीवन में शांति, स्पष्टता और आत्म-संयम लाने के व्यावहारिक उपाय देती है। इनमें कार्य जीवन संतुलन, आंतरिक ऊर्जा, सकारात्मक सोच, और ध्यान जैसे विषयों को अत्यंत सरल और प्रभावी भाषा में प्रस्तुत किया गया है। 1952 में जब योगानंद ने अमेरिका में ही शरीर त्यागा, तो वे भले ही भौतिक रूप से नहीं रहे, लेकिन उनकी शिक्षाएं आज भी लाखों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनके द्वारा स्थापित संगठन एसआरएफ और भारत में स्थित योगदा सत्संग सोसाइटी (वाईएसएस) निरंतर सक्रिय हैं। इन संस्थानों के माध्यम से अब भी ध्यान शिविर, ऑनलाइन कोर्स, पुस्तकें और ऑडियो लेक्चर के जरिये लोगों तक योगानंद का संदेश पहुंच रहा है- शांति तुम्हारे भीतर है, बाहर नहीं। परमहंस योगानंद केवल एक संन्यासी नहीं थे। वे भारत की सांस्कृतिक चेतना के ऐसे दूत थे, जिन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि संस्कृति की विजय तलवार से नहीं, आत्मा की शक्ति से होती है। उन्होंने अमेरिकी समाज में भारतीय योग, ध्यान और आत्मबोध की ऐसी गहरी जड़ें जमाईं, जो आज भी जीवंत हैं। उनका जीवन इस बात का प्रमाण है कि भारत की असली शक्ति उसकी आध्यात्मिक परंपरा में है। वह परंपरा जो संकीर्णता नहीं सिखाती, बल्कि पूरे विश्व को एक परिवार मानकर चलती है। आज जब दुनिया मानसिक अशांति, अवसाद और अस्तित्व के संकट से जूझ रही है, परमहंस योगानंद की शिक्षाएं एक बार फिर प्रासंगिक हो उठी हैं। वे हमें याद दिलाते हैं कि सच्चा परिवर्तन भीतर से शुरू होता है और वही परिवर्तन संपूर्ण विश्व को भी बदल सकता है।

फिर उजागर हुआ कांग्रेस का अपने देश के प्रति अपमान

ANALYSIS

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

कांग्रेस सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करती है और उसमें जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बता देती है। इसके लिए जो नक्शा उसके द्वारा प्रयोग में लाया गाया, उसमें साफ तौर पर भारत के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर क्षेत्र को पाकिस्तान के नक्शे में दिखाया है। जैसा कि इस पोस्टर में लिखा गया और दिख रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस पार्टी आक्रोश व्यक्त कर रही है, किंतु क्या अपनी विरोधी पार्टी एवं देश के प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते इतना भी अंधा और विवेकहीन हुआ जा सकता है कि उसे यह भान ही न रहे कि जिस पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के लिए भारत की संसद संकल्पबद्ध है, उसे वह नक्शे में पाकिस्तान का बताए। वस्तुतः सोशल मीडिया में कन्नड़ भाषा में जारी की गई इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और सरकार की आलोचना की गई, यह कहकर कि वह पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली उधार की राशि को रोकने में असफल रहे। हालांकि यह पोस्ट अब एक्स से हटा दिया गया है। किंतु, तब जब इस पर बहुत हल्ला मच गया और उसके बाद कांग्रेस को लगा कि मामला बड़ा हो गया है। अन्यथा कांग्रेस को जो नैरेटिव सही लगता है, वह प्रयास तो उसके माध्यम से यहां हुआ ही है।

कांग्रेस स्वाधीनता के पूर्व और स्वतंत्रता के बाद अब तक लगातार अपनी ऐतिहासिक गलतियां दोहरा रही है। आश्चर्य इसमें यह है कि उसके बाद भी वह दावा करने से भी नहीं चूकती कि उसे ही देश की सबसे ज्यादा चिंता है। ताजा प्रकरण पूरी कांग्रेस पर प्रश्न खड़ा करता है। आखिर कांग्रेस अपनी भूलों से कुछ सीखना क्यों नहीं चाहती और भारत की संप्रभुता, अखंडता एवं भौगोलिकता को लेकर इतनी लापरवाह और असंवेदनशील कैसे हो सकती है। वस्तुतः आज कांग्रेस ने कर्नाटक में जो गलती की, वह वास्तव में माफी योग्य नहीं है। यहां कांग्रेस सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करती है और उसमें जम्मू-कश्मीर को पाकिस्तान का हिस्सा बता देती है। इसके लिए जो नक्शा उसके द्वारा प्रयोग में लाया गाया, उसमें साफ तौर पर भारत के पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर क्षेत्र को पाकिस्तान के नक्शे में दिखाया है। जैसा कि इस पोस्टर में लिखा गया और दिख रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति कांग्रेस पार्टी आक्रोश व्यक्त कर रही है, किंतु क्या अपनी विरोधी पार्टी एवं देश के प्रधानमंत्री का विरोध करते-करते इतना भी अंधा और विवेकहीन हुआ जा सकता है कि उसे यह भान ही न रहे कि जिस पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस लेने के लिए भारत की संसद संकल्पबद्ध है, उसे वह नक्शे में पाकिस्तान का बताए। वस्तुतः सोशल मीडिया में कन्नड़ भाषा में जारी की गई इस पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी और सरकार की आलोचना की गई, यह कहकर कि वह पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से मिलने वाली उधार की राशि को रोकने में असफल रहे। हालांकि यह पोस्ट अब एक्स से हटा दिया गया है। किंतु, तब जब इस पर बहुत हल्ला मच गया और उसके बाद कांग्रेस को लगा कि मामला बड़ा हो गया है। अन्यथा कांग्रेस को जो नैरेटिव सही लगता है, वह प्रयास तो उसके माध्यम से यहां हुआ ही है। अब कांग्रेस की ओर से कहा जा रहा है, जैसा कि कर्नाटक कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि एक छोटी सी गलती हुई थी। हमने उसे सुधार लिया है, सब कुछ हटा दिया गया है। किसी ने शरारत की थी। लेकिन, यहां विचार करने योग्य यह है कि यह गलती हुई कैसे। लोग आपके, व्यवस्था आपकी, सोशल मीडिया खाता कांग्रेस का अपना ही है, फिर यह कैसे हो गया। दरअसल, इस संदर्भ में यही कहना होगा कि कांग्रेस इस देश को लेकर कभी गंभीर रही ही नहीं है। यदि रहती तो वह बार-बार देश को लेकर इस हद तक लापरवाह कभी नहीं हो सकती थी, जितना कि उसे देखा और परखा गया है। कांग्रेस ने देश के साथ कब-कब कितना गलत किया है, इसके उदाहरण देखेंगे तो आप क्रोधित हुए वगैर नहीं रह सकते। जिस राजनीतिक पार्टी के प्रति भारत के जनमानस ने वर्षों तक अपना भरोसा जताया, उसने भारत की स्वाधीनता के वक्त राष्ट्रीय आंदोलन से ही गलतियां करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। सबसे पहले तो इस कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के द्विराष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार करते हुए इस्लामिक ताकतों से डरकर भारत का बंटवारा करना स्वीकार किया था। इसके बाद जम्मू-कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले जाकर उसे अनसुलझा ही छोड़ दिया गया। तब नेपाल के तत्कालीन नेपाली महाराजा ने भारत में अपने विलय की इच्छा जताई तो उस विलय को मंजूरी न देकर भी एक बड़ा अपराध कांग्रेस का रहा। ऐसे ही संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता का विषय है, जिसमें कि स्वयं को मिलनेवाली सीट ठुकराकर उसे चीन को सौंप दी, जिसका कि आज भी भारत कई मोर्चों पर खामियाजा भुगत रहा है। यह कांग्रेस ही थी, जिसने चीनी-हिंदी भाई-भाई का नारा दिया और चीन के भरोसे में धोखा खाकर न सिर्फ तिब्बत जोकि भारत और चीन के बीच एक दीवार था, उसे खोया, उसकी चीन मान्यता को स्वीकृति दी। चीन के हाथों 62 के युद्ध में भारत ने अपने ही हाथों जीता हुआ युद्ध हारा, साथ ही 43,000 वर्ग किलोमीटर जमीन जिसमें अक्साई चिन क्षेत्र भी शामिल है, वह चीन के कब्जे में जाने दिया। इसी तरह से कांग्रेस सरकार के वक्त पाकिस्तान से हुए सिंधु जल समझौता समेत अन्य अनुबंध रहे। 1972 के पाकिस्तान युद्ध में 90 हजार से अधिक उनके युद्धबंदियों के बदले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को वापस भारत में शामिल कर देने का मुद्दा रहा हो या फिर आपातकाल, देश की सबसे बड़ी दूसरी जनसंख्या का अल्पसंख्यक के नाम पर तुष्टीकरण करते रहने की मानसिकता। यहां तक कि भारत के आदर्श भगवान श्रीरामचंद्र जी के अस्तित्व को ही कोर्ट में हलफनामा देकर नकार देना रहा हो। यही वो कांग्रेस है, जो पूर्व में आतंकवाद पर की गई कार्रवाइयों पर केंद्र की मोदी सरकार से सेना के पराक्रम के सबूत मांग रही थी। इस तरह के अनेक निर्णय कांग्रेस के भारत को कमजोर करने वाले रहे हैं। अनेक मोर्चों पर कांग्रेस के समय भारत को व्यापक स्तर पर नुकसान झेलना पड़ा है। इसके बाद भी ये कांग्रेस है कि कुछ न कुछ इस प्रकार का कदम उठा लेती है, जोकि देश के किसी भी देश भक्त को अपने देश के मान के अनुरूप नहीं लगता है। कर्नाटक में घटा आज का एपीसोड भी ऐसा ही है, जिसमें कश्मीर जैसे अंतरराष्ट्रीय महत्व के विषय पर कांग्रेस की ये बेहद आपत्तजिनक पोस्ट सामने आया है। निस्संदेह ऐसी घटनाओं से पड़ोसी शत्रु देश पाकिस्तान का ही मनोबल बढ़ाने का काम आज कांग्रेस इस तरह के कार्यों के जरिए बढ़ाती हुई नजर आ रही है।

यह अल्पविराम है, युद्ध तो होगा ही

पहलगाम आतंकी घटना के बाद भारत के वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान स्थित आतंकी अड्डों को जिस तरह से नष्ट किया, विश्वभर में उसका कोई दूसरा उदाहरण सहसा ही स्मरण नहीं आता। आतंकी ठिकानों के विनाश और अनेक आतंकियों की अर्थी एक साथ उठने से बौखलाए पाकिस्तान ने भारतीय शहरों, आम नागरिकों, पूजा स्थलों और सैन्य ठिकानों पर हमले करके जिस अदूरदर्शिता का परिचय दिया, उसके बारे में क्या कहा जाए। पाकिस्तान की सेना के हमलों के प्रत्युत्तर में जब वीर भारतीय सैनिकों ने अपने हथियारों का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ा तो तीन ही दिन में पाकिस्तान दया की भिक्षा मांगने लगा। दुनिया में श्रेष्ठ सैनिकों में शामिल भारतीय सैनिकों ने जिस तरह पाकिस्तान के हमलों को कुशलता पूर्वक असफल किया और उसके सैन्य ठिकानों पर अचूक निशाना लगाया है, उससे विश्व की तमाम छोटी-बड़ी शक्तियां अवाक और संज्ञाशून्य की स्थिति में हैं। दोनों देशों के डीजीएमओ की बातचीत के बाद मौखिक संघर्ष विराम हो चुका है। पाकिस्तान की प्रवृत्ति, चरित्र और इतिहास के आलोक में एक बात स्पष्ट तौर पर जान लीजिए या गांठ बांध लीजिए, आज नहीं तो कल युद्ध तो होना ही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 मिनट के अपने सटीक, संतुलित और सारगर्भित संबोधन में पाकिस्तान के दुष्ट आचरण और दुष्प्रवृत्ति को समस्त विश्व के समक्ष निरावृत्त करने में कोई कसर शेष नहीं छोड़ी। ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से साहसी भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तान को जितनी गहरे घाव दिए हैं, वो उसकी आने वाली संततियों को भी विस्मृत नहीं होंगे। वर्ष 1948, 1965, 1971 और 1999 में पाकिस्तान से हुए युद्ध में भारत ने पाकिस्तान को इतनी बुरी तरह से नहीं पीटा, जितना ऑपरेशन सिंदूर में उसको क्षति पहुंची है। जितने गहरे घाव उसे इस बार वीर भारतीय सैनिकों ने दिए हैं, वो अगर पूर्व में दिए गए होते तो यह दिन देखने की आवश्यकता नहीं होती। एक दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति के अभाव में पाकिस्तान हर बार बचता रहा और हमारे सैनिक चाहकर भी पाकिस्तान को छोड़ते रहे। लेकिन, वर्तमान में प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने जिस दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम ही है। साहसी भारतीय सेना के हमलों से हो रहे प्रत्यक्ष और संभावित नुकसान के दृष्टिगत पाकिस्तान अपने आका अमेरिका की शरण में गया, लेकिन उसे वहां से भी कोई संतोषप्रद आश्वासन प्राप्त नहीं हुआ। अंततोगत्वा पाकिस्तान के मिलट्री ऑपरेशन के डीजी ने अपने भारतीय समकक्ष से संपर्क साधा। भारतीय सेना ने अपने संकल्पों, नियमों और इच्छा अनुकूल संघर्ष विराम की उद्घोषणा की। संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने का भरपूर प्रयास अमेरिका और उसके राष्ट्रपति ट्रंप ने किया। लेकिन, भारतीय सेना की ब्रीफिंग और प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन ने अमेरिका के सारे दावों की हवा निकाल दी। एक प्रसिद्ध कहावत है, चोर चोरी से जाए, हेरा-फेरी से न जाए और पाकिस्तान ही वह चोर है, जो हेरा-फेरी से बाज नहीं आएगा। संघर्ष विराम की घोषणा के बाद भी उसके आचरण में अधिक परिवर्तन देखने को नहीं मिला। इसलिए भारत सरकार और प्रधानमंत्री मोदी ने स्पष्ट संदेश पाकिस्तान को दिया है कि भविष्य में आतंक की घटना को युद्ध माना जाएगा। पाकिस्तान अपने चरित्र के अनुरूप आचरण करेगा, यह मेरा ही नहीं, हर जागरूक नागरिक का अटल विश्वास है। भारतीय नीति और विचार यह है कि हमारे लिए आतंकवाद समाप्त हो जाए, तो हमारा संघर्ष और युद्ध समाप्त हो जाएगा। उसे हम अपनी जीत मान लेंगे। लेकिन पाकिस्तान के लिए यह लड़ाई कभी समाप्त नहीं होगी, क्योंकि उसका वास्तविक लक्ष्य भारत को मिट्टी में मिलाना है। उसका जन्म ही भारत से घृणा के आधार पर हुआ है। जब तक भारत है, तब तक पाकिस्तान की लड़ाई है। तो भारत का होना, भारत की उपस्थिति, भारत का अस्तित्व ये पाकिस्तान के लिए जोखिम है। वो इसी जोखिम को समाप्त करने का प्रयास करता रहता है। भारत को मिट्टी में मिलाने के पाकिस्तान ने पहले युद्ध के माध्यम से प्रयास किए। जब उसने यह देखा कि युद्ध में हानि अधिक है, और वह अपने लक्ष्यों का प्राप्त नहीं कर पा रहा है तो उसने छद्म युद्ध शुरू किया। इस छद्म युद्ध के अंतर्गत आतंकवादियों का संरक्षण, प्रशिक्षण देकर भारत में अशांति फैलाने की नीति पर चलना शुरू किया। इसमें कोई बड़ा खर्च भी नहीं है। शस्त्र क्रय करने के लिए उसे धन अमेरिका, यूरोप, तुर्किये और चीन दे ही देते हैं। अफगान युद्ध का उसने खूब लाभ उठाया। अमेरिका से उसने पैसा भी लिया, हथियार भी लिए। पहले रूस से लड़ने के लिए, फिर अफगानिस्तान से लड़ने के लिए। अमेरिका को भी धोखा देता रहा। ओसामा बिन लादेन को अपने यहां छुपा कर रखा और अमेरिका को पता नहीं लगने दिया। आखिरकार अमेरिका ने खोज लिया और खोज कर मारा। इसमें कोई दोराय नहीं है कि पाकिस्तान किसी को भी धोखा दे सकता है। और भारत को तो हमेशा धोखा ही देगा। पाकिस्तान की एक बात पर हमेशा विश्वास करना चाहिए कि उस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। वो हमेशा दगा देखा, हमेशा धोखा देगा। इसलिए वो चाहे कोई भी वादा करे तब भी उस पर भरोसा नहीं करना चाहिए कि वो भविष्य में आतंकवाद का साथ नहीं देगा। वो सिर्फ अवसर की प्रतीक्षा करेगा। वर्तमान में जो स्थितियां वहां भारत के हमले के बाद उपजी हैं, उसके चलते पाकिस्तान की सेना और सरकार आमजन में अपनी छवि और साख को बनाए रखने के लिए भारत को नुकसान पहुंचाने में पीछे नहीं हटेगा। ये बात गांठ बांध लीजिए। ये संघर्ष विराम उसे इसीलिए चाहिए था, सांस लेने का अवसर। जो घाव भारतीय सेना ने उसे दिए हैं, उन पर मरहम पट्टी का अवसर चाहिए था।

Social Media Corner

सच के हक में...

डॉ. जयंत नार्लीकर का निधन वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक बड़ी क्षति है। वे एक महान व्यक्ति थे, खासकर खगोल भौतिकी के क्षेत्र में। उनके अग्रणी कार्यों, खासकर प्रमुख सैद्धांतिक रूपरेखाओं को शोधकताओं की पीढ़ियों द्वारा महत्व दिया जाएगा। उन्होंने एक संस्थान निर्माता के रूप में अपनी पहचान बनाई, युवा दिमागों के लिए सीखने और नवाचार के केंद्रों को तैयार किया। उनके लेखन ने विज्ञान को आम नागरिकों तक पहुंचाने में भी बहुत मदद की है। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार और दोस्तों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड के हजारों किसान अब भी अपने धान की कीमत का इंतजार कर रहे हैं। सरकार ने 72 घंटे में भुगतान का वादा किया था, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी किसानों को उनके फसल की कीमत नहीं मिली है। चुनाव से पहले सरकार ने प्रति क्विंटल 3100 रुपये में धान खरीदने का वादा किया था, लेकिन अब वह भी जुमला साबित हुआ है। हेमंत सरकार ने अन्नदाताओं के साथ धोखा किया है। भुगतान में विलंब के कारण किसान कर्ज के बोझ तले दबते जा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी, जब आप बांग्लादेशी घुसपैठियों को मंईयां सम्मान योजना की राशि देने के लिए संसाधन जुटा सकते हैं, तो फिर अपने ही राज्य के किसानों के भुगतान में क्या बाधा है?

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

पाकिस्तान में गृह युद्ध के हालात

पहलगांव में घटित आतंकी घटना के बाद भारत की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई से एक बार फिर से पाकिस्तान हताश और निराश दिखाई दिया। इसी हताशा के चलते पाकिस्तान ने अमेरिका के समक्ष मिन्नत करके भारत की जबरदस्त कार्रवाई को युद्ध विराम में परिवर्तित करने में सफलता प्राप्त की। लेकिन, इससे पाकिस्तान पर मंडरा रहे संकट का पूरा समाधान नहीं निकल सका है। भारत की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते। आतंक और वार्ता एक साथ नहीं हो सकती। इसका आशय स्पष्ट है कि भारत किसी के दबाव में नहीं है। आतंक को समाप्त करने के लिए उसका अभियान जारी रहेगा। हालांकि अब युद्ध विराम हो गया है, लेकिन चारों तरफ से बुरी तरह से घिर चुके पाकिस्तान के सामने अब नई चुनौती पैदा हो गई है। यह नई चुनौती भारत ने नहीं, बल्कि उनके अपनों ने ही पैदा की है। पाकिस्तान की शहबाज शरीफ की सरकार को राजनीतिक विरोधियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है, वहीं आम जनता भी सरकार के युद्ध विराम के फैसले से नाखुश है। आम जनता अपनी ही सरकार और सेना पर कई प्रकार के सवाल खड़े करने लगी है। कहा जाता है कि जब धुआं उठा है तो आग भी अपना रूप दिखा सकती है। वैसे पाकिस्तान के बारे में यह सत्य है कि उसने अपने ही देश में बारूद के ढेर स्थापित कर दिए हैं। यह बारूद के ढेर आतंकी सरगनाओं द्वारा चल रहे प्रशिक्षण शिविर हैं। जहां आतंकी पैदा किए जाते हैं। आज जहां पूरे विश्व में आतंक के विरोध में वातावरण है, वहीं पाकिस्तान आतंकियों को पालने और पोषने वाले देश के रूप में पहचान बना चुका है। यह कई बार प्रमाणित भी हो चुका है। आज भी पाकिस्तान के अंदर अंतरराष्ट्रीय आतंकी तौर पर घोषित आतंकी छुप कर बैठे हैं। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत जिस तरह से आतंकी शिविरों पर आक्रमण किया, उससे एक बार फिर यह सिद्ध हो चुका है कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को पैदा करने के उद्योग चल रहे हैं। पाकिस्तान को आतंक के विरोध में कार्रवाई करने के लिए कई बार चेतावनी दी गई, लेकिन पाकिस्तान सरकार आर्तांकियों के विरोध में कोई ठोस अभियान नहीं चलाती। इसका कारण यह भी है कि पाकिस्तान की राजनीति को आतंकी ही संचालित करते हैं। आर्तांकियों द्वारा कई बार सरकार को बनाने के लिए राजनीतिक दलों का समर्थन भी दिया जाता है। जब पाकिस्तान में इमरान खान की सरकार थी, तब यही कहा जाता है कि इमरान को सेना और आर्तांकियों का समर्थन मिला था। आज इमरान की पार्टी विपक्ष में है। इसलिए उनकी पार्टी के कार्यकर्ता सरकार के विरोध में वातावरण बनाने में लगे हुए हैं। पाकिस्तान के अंदर राजनीतिक विद्वेष इतना है कि जो भी राजनीतिक दल सत्ता में आता है, वह अपने पूर्ववर्ती सत्ता प्रमुख को ठिकाने लगाने को ही अपना प्रमुख कार्य मानता है। अभी शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, उन्होंने अपने से पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर कई आरोप लगाकर जेल भेजने का काम किया। पाकिस्तान में ऐसा पहली बार नहीं हुआ। ऐसा पहले भी हो चुका है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि यह पाकिस्तान की नियति बन चुका है। जिसके कारण पाकिस्तान के राजनीतिक दलों में बहुत गंभीर मतभेद हैं। आज पाकिस्तान में भले ही पाकिस्तान मुस्लिम लीग के नेता शहबाज शरीफ प्रधानमंत्री हैं, लेकिन पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के नेता बिलावल भुट्टो भी सरकार में शामिल हैं। कभी एक दूसरे के धुर विरोधी रहे यह दोनों दल बेमेल गठबंधन करके पाकिस्तान में सरकार चला रहे हैं। ऐसा इसलिए किया गया, क्योंकि इन दोनों दलों का एक ही उद्देश्य था, इमरान खान को सत्ता में आने से रोकना। सबसे ज्यादा सीट प्राप्त करने के बाद भी इमरान को विपक्ष की भूमिका से संतुष्ट होना पड़ा। अब इमरान खान के समर्थक युद्ध विराम के बाद सरकार के विरोध में अभियान छेड़े हुए हैं।

मुश्किल घड़ी

समकालीन अंतरिक्ष उड़ान में लागत, विश्वसनीयता और समय का एक जटिल त्रिकोण काम करता है। क्या ज्यादा धनराशि से ज्यादा विश्वसनीयता सुनिश्चित हो सकती है, इस सवाल का सटीक जवाब खोज पाना मुश्किल है। खासतौर पर इसरो के पीएसएलवी-सी61 मिशन की विफलता के बाद। इस मिशन में ईओएस-09 पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को सूर्य समकालिक ध्रुवीय कक्षा में प्रक्षेपित किया गया था। सिंथेटिक अपर्चर रडार और सी-बैंड डेटा लिंक से लैस ईओएस-09 को संबद्ध इलाके में बेहद खराब मौसम के दौरान भी भूमि के उपयोग से संबंधित मानचित्रण एवं जल विज्ञान से जुड़े अध्ययन जैसे नागरिक अनुप्रयोगों तथा रक्षा निगरानी के वास्ते उच्च गुणवत्ता वाली रडार तस्वीरें लेने के लिए डिजाइन किया गया था। पाकिस्तान के साथ तनाव की पृष्ठभूमि में, मौसम की सभी परिस्थितियों से संबंधित ऐसे आंकड़ों से सामरिक निर्णय लेने में भी मदद मिलती। अंतरिक्ष विभाग ने इस प्रक्षेपण कार्यक्रम में कई सांसदों को भी आमंत्रित किया था, जो एक पूर्णतया नागरिक पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह के मामले में असामान्य बात होती। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने बाद में कहा कि उनकी टीम ने प्रक्षेपण के कुछ ही मिनटों बाद यान के तीसरे चरण में गड़बड़ी देखी, जिसके चलते उपग्रह अपनी इच्छित ऊंचाई तक नहीं पहुंच सका। यूं तो इस गड़बड़ी के कारणों का पता लगाया जाना अभी बाकी है, लेकिन यह विफलता इस बात की याद दिलाती है कि पीएसएलवी जैसे सुविचारित रॉकेट का भी किताबी तरीके से प्रक्षेपण संभव नहीं है। भारत अभी 52 निगरानी उपग्रहों को प्रक्षेपित करने के वास्ते अपने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष आधारित निगरानी-3 कार्यक्रम पर काम शुरू कर रहा है, 31 उपग्रह निजी क्षेत्र में बनाए जाने हैं, जिन्हें अभी भी इसरो के मार्गदर्शन की जरूरत है। इस कार्यक्रम पर ध्यान ऑपरेशन सिंदूर की पृष्ठभूमि में भी दिया जा रहा है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Takeaways from Kerala's Vizhinjam port success story

Vizhinjam Port in Kerala, which was inaugurated a few weeks ago by Prime Minister Modi, marks an important step in the development of infrastructure in India. It is India's first deep draft port, only 10 nautical miles away from the main east-west international shipping route. Several of the largest vessels from global shipping companies have already called at Vizhinjam including the MSC Turkiye, the largest container ship in the world, and the first time a ship of this size has docked anywhere in South Asia.Earlier, no port in India could take the large container ships used today, which is why almost 70 % of the container traffic destined for India was sent to Colombo and other foreign ports for transshipment to India. This traffic can now come directly to Vizhinjam, saving 30-40 per cent in transport time, increasing port revenues and also stimulating local shipping to other ports.The scope for developing Vizhinjam as a deep water port was known for several years, but plans were half-hearted. Oommen Chandy, as Kerala chief minister in 2011, appointed KM Chandrasekhar, one of the authors of this piece who had just retired as Cabinet Secretary, as Vice Chairman, Kerala State Planning Board. Chandy drove home the importance of the project.Now Chandrasekhar, as Cabinet Secretary, had been fully aware of then Deputy Chairman of the Planning Commission Montek Singh Ahluwalia, and author of this article, to develop infrastructure through public-private partnership (PPP). Recognising that infrastructure projects were often not sufficiently profitable initially, the Commission had developed a mechanism for offering a capital subsidy for these projects to incentivise private investors.

The Commission had set up a separate unit to deal with PPP projects under Gajendra Haldea, an IAS officer who had worked on PPPs in different sectors, and had acquired deep expertise in this area. Chandrasekhar advised the Kerala CM to write to Ahluwalia requesting Haldea's services to help develop the Vizhinjam port on a PPP model. This was promptly agreed to, and Haldea began working on Vizhinjam, effectively on loan from the central government.Haldea prepared a Model Concession Agreement (MCA) for Vizhinjam, based on bidding for a capital subsidy. The subsidy provided by the state government was supplemented by Viability Gap Funding (VGF) from the Centre, under a scheme which allowed the Centre to give 20 % of the approved capital cost for state government projects that met eligibility criteria. Haldea, who had conceptualised the VGF scheme, ensured the Concession agreement for Vizhinjamwould make it eligible for the subsidy.Following the 2014 general election, when PM Modi took office, there was initial concern whether the VGF for Vizhinjam would be made available — but then Finance Minister Arun Jaitley soon approved it, a good example of co-operative federalism at the political level.A key requirement for a PPP is that the choice of concessionaire should be based on competitive bidding — in this case, there were five technically qualified bidders. As it happened, however, only Adani Ports, actually submitted a bid! Procurement guidelines do not rule out single bids if the bidding process is otherwise transparent but governments are understandably reluctant, since single bids are vulnerable to the charge of favouritism.The issue was also complicated because the main Opposition party, the CPM, had opposed the project making the usual allegations of favouring private parties, crony capitalism, and disguised real estate development. The Catholic Church was also opposed on the grounds that it would disrupt fishermen livelihoods.

An Empowered Committee of state government officials considered all issues and recommended accepting the single bid. The Cabinet accepted this recommendation. It was a good example of boldness in decision-making, without which infrastructure projects can be interminably held up. The fact that the Model Concession agreement, and the clarity in distributing risks was completely in line with what the Central government was doing, encouraged this outcome.

Sagarmatha Sambaad: Nepal takes the lead to save the Himalayas

The Sagarmatha Sambaad, the first-ever global dialogue on the fate of the Hindukush-Himalaya (HKH) mountains, was held at Kathmandu

NEPAL convened the first-ever Global Dialogue on the fate of the Hindukush-Himalaya (HKH) mountains, the Sagarmatha Sambaad (May 16-18) or Conversations, using the Nepali name for the highest peak in the ranges, which means the Brow of the Oceans. This points to the ancient birth of the Himalayas from the depths of the ancient Sea of Tethys some 50 million years ago. The major rivers that emerge from the snows of these high mountains are like the umbilical cords that bind the mountains to the sea and relive their ancient connect.What was remarkable was the success Nepal achieved in assembling an impressive number of countries from across the world for conversations centred around the HKH but locating them in the context of global warming, environmental degradation and widespread inequalities between and within countries. India was represented by Environment Minister Bhupender Yadav; his counterparts from China, Bhutan and Bangladesh were also present. These are among the eight countries that are part of the International Centre for Integrated Mountain Development (ICIMOD), which is based in Kathmandu and which collaborated in convening the Sambaad. The others are Pakistan, Afghanistan, Myanmar and host Nepal.

Under its current Director General Pema Gyatso from Bhutan, the centre has been doing pioneering work in mapping the health of this fragile mountain range and promoting regional collaboration to address the accelerating melting of its glaciers that is threatening to become a full-blown ecological crisis. Pakistan was represented by its civil society.Against the backdrop of the recent hostilities between India and Pakistan, India's ministerial participation was welcomed, as was the minister's commitment to regional cooperation to address the challenges posed by the impacts of climate change on the shared mountain space. For there is no hope of slowing down the melting of glaciers and adapting to changing climate unless the nations in the region agree to collaborate despite the political issues which divide them.The HKH mountains are spread across 3,500 km and cover an area of 4.3 million sq km. They hold the largest volume of fresh water in the form of ice and snow outside the polar regions and are, therefore, often referred to as the "third pole". Ten of Asia's major river systems originate from the glaciers nestling in the folds of these mountains -- the Indus, Ganga, Brahmaputra, Irrawaddy, Salween, Mekong, Yangtze, Huang He, Amu Darya and Tarim. Approximately 1.9 billion people depend for their water security and livelihoods on these river flows. What is truly worrying is that the rate of glacial melt in the 2010-19 decade was 65 per cent more than in the 2000-09 decade.The HKH region is also a biodiversity hotspot with diverse flora and fauna; several species have become extinct, while others are in the endangered category.There was a recurring question: Is it already too late to even mitigate, if not arrest, the downward spiral we are witnessing? Perhaps we should not test this proposition and instead seek to mobilise a collective, collaborative worldwide effort to address this existential challenge because the alternative is simply too dire to contemplate.While the

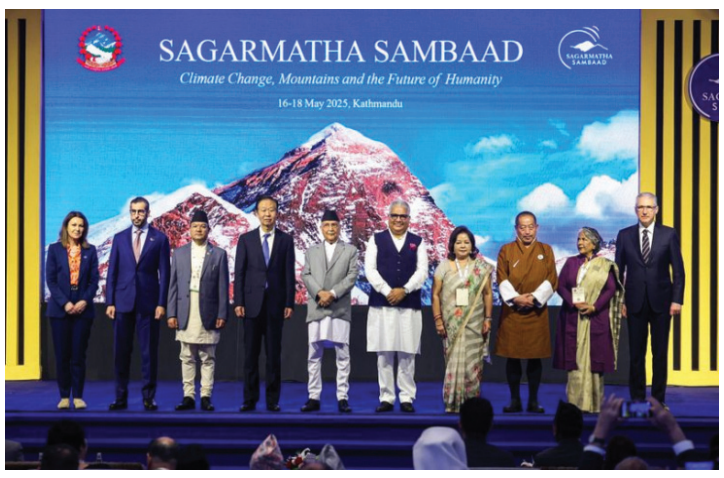

need for such mobilisation was conceded, the challenge remains the deeply polarised and conflicted polities across the world and within our region itself. Every activity is being looked at through the prism of national security, so that even the sharing of basic data on glacial mass or river flows is resisted because this may give an advantage to an adversary.

There has to be a mindset change; we must treat ecological assets such as mountains, rivers, forests and lakes as living entities, not as inanimate, insensate objects. These are not pieces of property to be quartered and divided among sovereign states in pursuit of their competitive rivalry. Every division of natural assets results in their diminished value for all claimants. Collective conservation and frugal sharing of the eco-services they provide enhances their value for all stakeholders.

Inter-state tensions and conflicts in our region are an unfortunate reality. Forums such as the Sambaad cannot be the place to try and resolve them. However, my experience as a diplomat tells me that the ecological catastrophe which awaits us round the corner would be of an order of magnitude far beyond what any inter-state conflict or even war may perpetrate. That tragic future for the current and future generations makes ongoing geopolitical rivalries in our own region and across the world at large appear utterly irrelevant. It is this irrefutable reality which must begin to inform political attitudes and actions.

In this regard, our region is special because our peoples share certain deeply ingrained civilisational attributes and affinities which could make it a leader in mobilising the collective effort referred to earlier. For centuries, our peoples have held its mountains, rivers, forests and surrounding oceans as sacred and living entities, both powerful and benign. Nature for us is a source of nurture, of life itself, not a dark force to be conquered and subjugated to serve human greed. If one could draw deep from this shared civilisational ethos, we may have some hope of reversing the risks which are upon us.There are also a range of resources and best practices available across the countries which are part of the ICIMOD which could help in adapting to the impact of climate change and safeguarding fragile landscapes. India has satellites which can provide real-time data on the health of our glaciers and convey early warning of risks from Glacial Lake Outburst Floods (GLOF), which have become more frequent and more damaging. There are automatic weather stations strung along our coasts that provide early warning on cyclones, typhoons and storm surges. They also help track the monsoons which are so important to our economies.India could make available these capacities to the entire region, but this also needs a minimal degree of mutual trust. We also need to have a collective voice at the multilateral negotiations on climate change to win recognition of the HKH region as one of the world's most vulnerable ecologies but also one of its most critical ecological assets. Nepal has done well to provide a platform for such conversations and more editions should follow.

Show of cards: on Operation Sindoor and government's delegations

Now is not the time to fight over the composition of the delegations

The Narendra Modi government has announced seven delegations to canvas support for India in global capitals, in the aftermath of its recent conflict with Pakistan. The declared intent of these delegations — with representatives from political parties, diplomats and strategic experts — is to demonstrate before the world, the unity and the character of India in the face of sectarian terrorism sponsored by Pakistan. That the members are from several political, religious, caste and regional backgrounds, is in itself a panoramic show of the founding vision of India. The modern Republic of India adopted for itself the principle that all diversities can coexist and flourish together. This is in stark contrast with the idea of Pakistan, which was reiterated with chilling clarity by its

Army chief Asim Munir weeks before the Pahalgam terrorist attack on April 22, 2025. The two-nation theory that led to the bloody division of the subcontinent and the creation of Pakistan holds that Hindus and Muslims cannot be a part of the same national community. The decline of Pakistan and the rise of India in all fields of human progress prove beyond any doubt the fallacy and the dangers of Pakistan's vision and the promise of India. In a time of national challenge, a reiteration of that founding vision can be rejuvenating.

But there was inadequate appreciation of this fundamental distinction between India and Pakistan in many capitals in the aftermath of Pahalgam. There are many reasons and India has to win back world opinion in its favour through its actions and words, at home and abroad. Statements by several world leaders appeared to place India and Pakistan on the same footing. With decades of diplomatic efforts and its own performance as a pluralistic, secular democracy and a dynamic economy, India has built a healthy perception about itself in the eyes of the world. The capable and articulate delegates can be expected to restate that message of India effectively in world capitals. The Narendra Modi government showed statesmanship and wisdom in deciding to reiterate India's unity and pluralism through these delegations. But the controversy around the selection of Congress representatives and continuing statements by BJP leaders that label political opponents as anti-nationals undermine the very attempt of unity.

The government and the Congress, the principal Opposition party, should have communicated better with regard to the composition of these delegations. But now that the names have been decided, the Congress should not object to the nomination of its Lok Sabha MP, Shashi Tharoor, an international diplomat who has served as a Minister of State for External Affairs when it was in government. To politicise the nominations will serve no purpose and the Congress would only be seen doing what it accuses the BJP of: political mischief.

Onus on political leadership to decry trolling of civil servants

The government has not tried to identify the trolls and take action against them, nor has it publicly expressed any solidarity with Foreign Secretary Vikram Misri.

It would have been a high-level political decision for official briefings on Operation Sindoor to be led by Foreign Secretary Vikram Misri, with the participation of Col Sofiya Qureshi and Wing Commander Vyomika Singh. Misri, Qureshi and Singh were calm and professional during the briefings. They were to-the-point and faultless regarding the diplomatic and military aspects of Operation Sindoor, reflecting the firm resolve of the nation in combating terrorism at its source. All three did the country proud.It is therefore profoundly sad that two of the three — Misri and Qureshi — have been targeted by the bigoted and the ignorant. Sections of the media, civil society, a few civil service associations, the National Commission for Women and some Opposition political parties have risen up against the vicious trolling of Misri and his daughter. At the same time, the Madhya Pradesh High Court took the strongest objection to a minister (Vijay Shah) in the MP government making a remark about Qureshi and ordered that a FIR be filed against him. Subsequently, the MP Chief Minister and the BJP state head pulled up the minister, who apologised for his remark.

But in all this time, no minister of the Union government has still uttered a word at the outrageous trolling of Misri nor the remark against Qureshi.As a former member of the Indian Foreign Service, which Misri currently heads — as the Foreign Secretary is traditionally the head of the Foreign Service cadre of serving officers — I cannot but feel dismayed, hurt and diminished that he has been so abusively trolled. I feel all the sadder because his daughter has also been trolled. This is a new low in India's public life. It can be argued that the trolls are ignorant but ignorance is neither a defence in law or common decency and propriety.The ruling dispensation states that the nation is entering Amrit Kaal when it will make unprecedented progress and dharma will prevail. Will such trolling of civil servants and their families be a characteristic of Amrit Kaal and will no action be taken against the trolls? This question is not unreasonable, for the government has not only not tried to identify the trolls and take action against them, it has not even publicly expressed any solidarity with Misri.Is this behaviour a part of the practice of the Indian political class — that it lets civil servants take the flak for policies and actions they have ordered or sanctioned and approved, but may not be liked by the public? Domestic civil service officers, now retired like me, have told me that while the Misri episode may be new for the IFS — an officer having to face intense anger for a decision he has not taken, but is only conveying to the public — it was not so for them.These officers have told me about many personal experiences where a political leader remained silent or simply slipped away, when people were demonstrating against a decision he had taken, but was being implemented by bureaucrats. One retired civil service friend went so far as to say that a politician told him that his political colleague was in trouble, because he had stood by civil servants when the police went after them in a corruption case.In the light of this practice, perhaps it isn't so surprising that neither Misri nor his daughter have received any support from the ruling dispensation. But by not doing so, I wonder if the government is allowing a precedent to be set that may come to haunt it in different and unforeseen ways? Many of our children, including those of our politicians, are studying and living abroad — surely, nobody wants a new front of trolling to be opened against them.

Misri's daughter was trolled because she had written once for The Wire, a news and opinion portal which the ruling dispensation views as hostile. She was also 'accused' of providing legal assistance to the Rohingya community. Now Misri's daughter is a lawyer in her own right and lawyers assist all kinds of persons. Besides, even if her thinking is at variance with that of the government, that cannot be held against her father or the work he's doing. Moreover, as a citizen in a functioning democracy, she has every right to have her views of her own.

In the tradition of the IFS, Misri has maintained a stoic silence. This is also in keeping with the man and his Foreign Service training honed over the experience of decades in trying assignments.

But while his junior colleagues will take heart from his conduct in this matter, some of them may feel that the least that they can expect is that the political leadership condemns the trolls. This could be, in particular, an expectation from the political head of the MEA, for he has been a professional diplomat who also served as Foreign Secretary. Can such an expectation said to be unreasonable?

Lost your UAN? Here's a step-by-step guide to get it back in minutes

New Delhi. Your Universal Account Number (UAN) is a 12-digit number that helps you manage everything related to your Provident Fund (PF)- from checking your balance to withdrawing money. But let's be honest, it's easy to forget such numbers. If you've misplaced or forgotten your UAN, there's no need to stress.The EPFO posted on X, "If you've forgotten your UAN, don't worry — it's easy to retrieve it. Just follow a few simple steps to find out your UAN. Scan the QR code to learn more."

In case you've forgotten your UAN, you can get it back in no time, all you need to do is follow these steps.

To recover it, visit the official EPFO UAN portal. Head over to the 'Services' section, choose 'For Employees', and then go to 'Member UAN/Online Services'. There, you'll be asked to enter basic details like your name, date of birth, and either your Aadhaar, PAN, or Member ID.

Once you enter your mobile number and verify it using the OTP, just click on 'Know Your UAN' and then 'Show Your UAN'. Your UAN will be displayed on the screen.

WHAT MAKES THE UAN SO IMPORTANT?

Your UAN is more than just a number. Without your UAN, you can't check your PF balance, update your account, or even withdraw money when you need it.

Since your PF is your hard-earned savings for retirement or emergencies, keeping your UAN safe and handy is a smart move.

Mutual fund boom in India: Guess what's fuelling the Rs 65 lakh crore surge

New Delhi. India's mutual fund industry is growing fast, but most of the money still comes from a few big cities. As of March 2025, Mumbai, Delhi, Bengaluru, Pune and Kolkata together made up more than half of the country's total mutual fund assets, which accounts to 52.52%. That's about Rs 34.52 lakh crore out of the total Rs 65.74 lakh crore.Mumbai alone leads the chart, contributing 27% (Rs 17.75 lakh crore), followed by Delhi at 12.63%, Bengaluru at 5.39%, Pune at 4%, and Kolkata at 3.49%. These numbers haven't changed much since last year, according to data from the Association of Mutual Funds in India (AMFI).

WOMEN STEPPING UP

There's been a clear rise in women investing in mutual funds. By March 2025, out of the total 5.34 crore investors, around 1.38 crore (25.91%) were women. That's a good jump from 24.2% in March 2024.

The rise in literacy rates and the growing presence of women in the workforce have been instrumental in enhancing their economic contributions and, as a result, women are now emerging as a key participant in the MF investor base," mentioned the report.

WHERE ARE INDIVIDUALS INVESTING?

Individual investors, including NRIs, retail participants, and high-net-worth individuals, hold 63.2% of the total mutual fund assets—almost the same as last year. Most of their money is placed in equity funds, followed by hybrid, debt, and passive funds.

Interestingly, in most states, individuals account for over 63% of the investments. However, in Delhi and Maharashtra, a larger share comes from companies and institutions. In contrast, smaller states and union territories like Lakshadweep, Tripura, and Bihar see individuals holding more than 95% of mutual fund assets.

Is the defence stock party over? Here's what investors need to know

New Delhi. The rally in defence stocks on Dalal Street came to a halt, with shares across the sector falling on Tuesday due to profit booking and concerns over high prices. This comes after a strong rally that pushed many defence stocks to record highs.

Shares of Paras Defence and Cochin Shipyard dropped more than 6% each during the day. The broader Nifty India Defence index was also down by 1.4% around 11:50 am. This was the second day in a row that defence stocks saw a fall, following several weeks of gains.

The recent fall in defence shares has come after a steep rise. Since February, the total market value of defence companies has jumped by almost 50%, reaching around Rs 11.2 lakh crore by mid-May. This surge was driven by hopes linked to 'Operation Sindoor' and growing interest in India's local defence production.Looking further back, the Nifty Defence index has risen by 350% between July 2022 and July 2024. However, by February 2025, the index had dropped 38% as the market became cautious. Operation Sindoor gave new life to defence stocks, sparking another rally over the past few months.Kranthi Bathini, Equity Strategist at WealthMills Securities Pvt Ltd, the recent rise in defence stocks has been sharp and fast.

"Defence stocks have rallied strongly and there is a lot of euphoria in defence stocks. On average, defence stocks have rallied nearly 30 to 40%. So, one can book some profits in the medium to short term, but one can buy on dips further in the defence stocks are concerned. Long term outlook is bullish, but in the medium term, given the kind of rally that we witnessed, it is better to take some profit from the table in defence stocks," he said.Bathini also pointed out that defence shares have gone up quite a bit over the last two weeks."Defence stocks in the last fortnight and last one week have witnessed a stellar rally. Now the stocks are entering into a consolidation zone, we are witnessing some kind of profit booking. All these stocks have rallied nearly 40 to 50 percent from its recent lows," he said.

Opinion: Defence stocks surge as India eyes bigger share of global arms market

New Delhi. The spike in the Indian defence stocks in the aftermath of the Indo-Pak war has evoked wide discussion and debate. There have been some concerns about whether the rally in the defence stocks on May 14, 2025, was a flash in the pan or was sustainable over the long haul.

The war unmistakably demonstrated the massive might of the Indian military, powered by home-grown weapons and cutting-edge domestic technologies. Propelled by a distinct showcasing of India's indigenous military strength and effective deployment of indigenous systems, India's defence stocks, viz. Cochin Shipyard, Paras Defence, Mazagon Dock Shipbuilders, Bharat Dynamics, Bharat Electronics and Hindustan Aeronautics rose steeply up to 11% post Operation Sindoor.

This seamless integration of indigenous hi-tech systems into overall national defence across the development spectrum, e.g., drone warfare, layered air defence, electronic warfare, etc., was done in a telling manner- a manner that has been driven home effectively in the Indian sub-continent and internationally. And the rest is history.

Defense sector stocks: Fairly valued?

The global growth is muted, and the Indian economy has emerged as an outperformer and a bright spot in the global economy. While the stock market oscillations are a function of multiple forces and factors, macroeconomic factors, such as sustained economic growth, low and stable inflation, buoyant forex reserves of over $ 688 billion, manageable Current Account Deficit (CAD), glide path of the fiscal deficit, corporate earnings, valuations and continuity and stability in policymaking and the Government play an important role.A stock market forecast is always fraught with uncertainties because of a slew of global cues and domestic factors, firm performance, industry and the macroeconomy and prospects. To my mind, the defence stocks are fairly valued because the capability and competence of the Indian defence products are clearly established and, therefore, defence stocks are set to move higher and onwards in "the new normal"- a normal, where patience cannot be mistaken for weakness, retribution and catastrophic revenge are inevitable in India's new war doctrine at a date, time and place of India's choosing.

Crystal Ball gazing: Defence space forecast

Let me begin with this classic observation of Lord J M Keynes, "In the long run, we are all dead". On a serious note, Russian, French, Israeli and Indian military equipment provided the teeth to India's fierce assault. Accordingly, the rally in India's defence stocks is here to stay. Why? No rocket science here. Historically, the "military-industrial complex" has been an important driver of American economic development for the last few decades. With a clear demonstration of the stellar quality and lethal destructive power of India's defence systems, a similar pattern of the military-industrial complex is now emerging in India. This new economic calculus pattern, this inflection point and extensive dissemination of this information are likely to set in motion a virtuous and mutually reinforcing cycle of economic development and military muscle heft.

What is ITR-U? Check who can file, penalties, and last date

New Delhi. The Income Tax Department has come out with a new version of the ITR-U form, used to file an updated income tax return. This update follows changes made in Budget 2025, and the new rules are in effect from April 1, 2025.If you missed filing your return on time or made a mistake in your previous ITR, the ITR-U gives you another chance to set things right—this time with more time on your hands.

WHAT IS ITR-U?

ITR-U stands for Income Tax Updated Return. It's a special form that allows taxpayers to correct or file their returns even after the usual deadlines have passed.

Earlier, taxpayers could file an updated return within 24 months from the end of the relevant assessment year. But now, the window has been widened to 48 months. That means you now have up to 4 years to submit an updated return, if needed.

WHO CAN FILE AN UPDATED RETURN?

Anyone can file an updated return using the ITR-U form, even if they didn't file an original return earlier. It's mainly meant for those who forgot to file, reported incorrect income, picked the wrong income head, or applied the wrong tax rate.

However, you can't use ITR-U to claim a refund or show less income than before. It is meant for disclosing more income or correcting past errors and not for reducing your tax liability.

WHEN CAN YOU FILE ITR-U?

You can file ITR-U only after the assessment year ends. For example:

If you're filing for the financial year 2024–25 (assessment year 2025–26), the normal return filing deadline is July 31, 2025. If you miss this, you can still file a belated return by December 31, 2025.But if you miss that too, you can file an updated return (using ITR-U) starting April 1, 2026, after the assessment year ends on March 31, 2026.

Rupee opens lower as market awaits directional triggers

CHENNAI. The Indian Rupee opened weaker on Tuesday, snapping a two-day streak of gains amid a lack of fresh domestic or global triggers. The currency began the session at 85.48 per US dollar, 8 paise lower than Monday's close of 85.40. So far in 2025, the rupee has depreciated by approximately 0.3%, according to Bloomberg data.

Market Drivers and Sentiment

Analysts attribute the muted movement to a dearth of strong directional cues. According to them, the rupee is expected to remain rangebound between 85.25 and 85.75 throughout the day, despite some dollar-buying interest triggered by a decline in U.S. bond yields.

The Dollar Index (DXY), which tracks the greenback's performance against a basket of six major currencies, was slightly lower at 100.36, reflecting continued pressure after Moody's Ratings downgraded U.S. sovereign debt from AAA to AA1. The downgrade—driven by concerns over rising debt levels and fiscal uncertainty—has capped the dollar's gains.

Capital Flows and Domestic Support

Adding to the rupee's resilience, foreign institutional investors (FIIs) have pumped in nearly $1.4 billion over the past two trading sessions. Further inflows tied to upcoming Initial Public Offerings (IPOs) are expected, which could provide additional support to the local currency.Analysts also note that the rupee is likely to trade in a broader 85.00–85.80 range in the near term, with scope for moderate strengthening if concerns over U.S. fiscal health continue to weigh on the dollar.

Crude Oil and Geopolitics

Global crude prices remained subdued amid easing geopolitical tensions. Following a phone call between U.S. President Donald Trump and Russian President Vladimir Putin, both leaders announced that Russia and Ukraine would begin negotiations to end the war. As a result, Brent crude dipped 0.08% to $65.49 per barrel, while WTI remained flat at $62.69 (as of 9:12 AM IST). Lower crude prices are typically supportive of the rupee, given India's status as a major oil importer.

Equity indices open higher on global tailwinds and sectoral strength; gold prices surge on weaker dollar

CHENNAI. Indian benchmark equity indices began Tuesday's session in positive territory, tracking firm cues from Asia-Pacific markets and optimism surrounding China's latest rate cut. The BSE Sensex opened at 82,116.17, gaining 56.75 points or 0.07%, while the NSE Nifty50 rose by 50.75 points or 0.20% to 24,996.20.Broader markets underperformed in early trade. The Nifty Midcap100 and Smallcap100 indices slipped 0.12% and 0.09% respectively.

Sectoral Trends

Most sectoral indices on the NSE were in the green, with Nifty Metal leading gains, buoyed by hopes of increased Chinese demand following fresh economic stimulus. The lone underperformer was the Nifty Healthcare index, which traded marginally lower amid mixed earnings sentiment.

Global Cues and Central Bank Moves

Asia-Pacific stocks rose broadly on Tuesday, supported by central bank actions and steady investor sentiment. Japan's Nikkei gained 1.05%, and Topix added 0.72% and South Korea's Kospi was up 0.34%. While Australia's ASX 200 advanced 0.77%.

Markets responded to China's decision to cut key lending rates, the first such move since October 2024. The People's Bank of China (PBoC) reduced the 1-year Loan Prime Rate (LPR) by 10 basis points to 3.0%, and the 5-year LPR to 3.5% from 3.6%, amid rising trade tensions and faltering economic growth.

Meanwhile, investors are awaiting the Reserve Bank of Australia's (RBA) policy decision, where a 25 bps rate cut to 3.85% is expected as inflation pressures ease.

Corporate Action & Earnings Buzz

Investor attention remains fixed on a packed earnings calendar. Markets will react to recent results from Power Grid, Bharat Electronics (BEL), Petronet LNG, and DLF.Key companies set to report results today include, Hindalco Industries, Solar Industries, Max Healthcare, United Spirits, Zydus Lifesciences, Torrent Pharmaceuticals, Dixon Technologies, NHPC, Fortis Healthcare, Whirlpool of India, JK Tyre, Gland Pharma, and many others.Additionally, Borana Weaves' 144.89 crore IPO opens for subscription today, adding to the primary market buzz.

Commodities Snapshot

Gold prices surged on safe-haven demand and a weaker dollar following Moody's downgrade of US sovereign credit. While spot gold rose 0.9% to $3,229.51/oz, US Gold Futures climbed 1.5% to $3,233.50/oz.

South India emerges as top choice for GCC offices in early 2025

With Bengaluru, Chennai, and Hyderabad collectively securing a dominant 64% share of all GCC office leasing in Q1 2025, the southern region has firmly established itself as the preferred destination for global corporations setting up specialised capability centres in India.

New Delhi. Global Capability Centres (GCCs) are increasingly favoring southern Indian cities for their expansion and operational needs, according to the latest quarterly report from ANAROCK.

With Bengaluru, Chennai, and Hyderabad collectively securing a dominant 64% share of all GCC office leasing in Q1 2025, the southern region has firmly established itself as the preferred destination for global corporations setting up specialised capability centres in India.The report reveals that of the total 8.35 million square feet of office space leased by GCCs across India's top seven cities during Q1 2025, southern cities accounted for approximately 5.34 million square feet.

While southern cities dominate the landscape, Delhi-NCR has emerged as an alternative hub, contributing 1.95 million square feet to the quarter's GCC office leasing activity.

"Driven by India's rising economic influence over the last two to three years, GCCs are deploying not just in the top 7 cities but also in various Tier 2 & 3 cities, including Ahmedabad, Kochi, and Coimbatore," said Peush Jain.

The influence of GCCs on India's commercial real estate sector has reached unprecedented levels. During Q1 2025, these specialised centres accounted for 43% of the total 19.47 million square feet of office space leased across the top seven cities. This represents a dramatic year-over-year growth of 72%, up from 4.87 million square feet in Q1 2024.

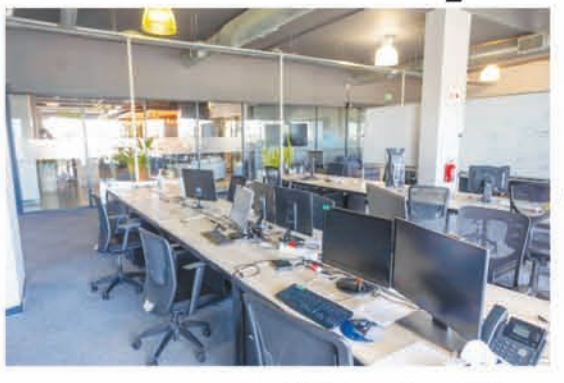

This surge reflects the growing strategic importance of Indian operations for global corporations seeking to establish robust operational capabilities while managing costs effectively. Government initiatives announced in the recent Union Budget appear to be further accelerating this trend.

SECTOR DIVERSIFICATION

While IT/ITeS companies remain the primary drivers of GCC expansion with a 35% share of leased space, the sectoral composition shows increasing diversity. BFSI (Banking, Financial Services, and Insurance) has secured a substantial 22% share, while manufacturing and industrial sectors account for 13% of GCC leasing activity.

Other notable contributors include e-commerce at 6% and consultancy businesses at 5%, with various other sectors collectively representing the remaining 19%.This diversification represents a significant evolution from pre-pandemic patterns when GCCs were heavily concentrated in IT/ITeS and BFSI. Today's GCC landscape reflects broader economic trends, with operations spanning multiple sectors and serving headquarters primarily located in the United States, Europe, and the Middle East.The GCC ecosystem in India has achieved remarkable scale, with over 1,700 centres operational across the top seven cities at the close of 2024. These centres collectively represent a market value of approximately USD 52 billion and employ between 1.70-1.80 million professionals.

Top Army officer says India can strike all of Pak: They'll need deep hole to hide

The entire territory of Pakistan is within India's strike range, and if the Pakistani Army relocates its headquarters, it would need to find a very deep hole to hide, a top Indian Army officer underscored India's military prowess.

New Delhi. India possesses the military capability to strike targets across the entire depth of Pakistan, and if the Pakistan Army relocates its headquarters from Rawalpindi, it will need to find a very deep hole to hide, a top Indian Army officer asserted.

"The whole of Pakistan is within range," Lieutenant General Sumer Ivan D'Cunha, Director General of Army Air Defence, said in an interview with news agency ANI, as he highlighted the country's military capabilities.

"India has an adequate arsenal of weapons to take on Pakistan right across its depth. So, from its broadest to its narrowest, wherever it is, the whole of Pakistan is within range... The GHQ (General Headquarters) can move from Rawalpindi to KPK (Khyber Pakhtunkhwa) or wherever they want to move, but they're all within range," the Army officer said.In the recent military escalation between India and Pakistan, Indian forces targeted several Pakistani air bases, particularly along the border. However, the Defence Minister noted that the impact was felt deep into Rawalpindi, where the Pakistani Army's headquarters is located.The operation's success was attributed to the use of advanced indigenous technology, including long-range drones and precision-guided munitions.

D'Cunha added that Pakistan had launched nearly 800 to 1000 drones across the western border over four days, and all drones carrying weapons were successfully intercepted and destroyed through coordinated efforts by the Army, Navy, and Air Force.

One thing for sure is that all the Unmanned Combat Aerial Vehicles [UCAV] which carried a payload, although they intended to harm our civilian population and they were directed towards population centres, we ensured that they did not cause any damage, and I think the proof of the pudding is actually in what we actually saw, that there were no civilian casualties," the officer added.

India launched Operation Sindoor on May 7, targeting terror camps in Pakistan, two weeks after Pakistan-based terrorists killed 26 people in Jammu and Kashmir's Pahalgam. In retaliation, the Pakistan Army attacked Indian border cities using drones and cross-border firing.

India responded with precision strikes on multiple Pakistani military bases, compelling Islamabad to initiate ceasefire talks. Both countries reached an understanding to halt firing on May 10, and the ceasefire continues to hold.

3-year law practice mandatory to join judicial service: Supreme Court

New Delhi. The Supreme Court on Tuesday ruled that candidates must have a minimum of three years' experience as practising lawyers to be eligible for entry-level posts in the judicial service as Munsiff Magistrates. The top court reinstated the minimum practice requirement, which it had done away with in 2002.A bench of Chief Justice of India (CJI) BR Gavai and Justices AG Masih and K Vinod Chandran observed that allowing fresh law graduates to join the judicial service without any practical experience has "led to many issues".

"We hold that the three-year minimum practice requirement to appear for civil judges (junior division) exam is restored .... All State governments shall amend rules to ensure that for any candidate appearing for the civil judges (junior division) exam shall have a minimum practice of three years," the top court held.

The legal practice experience of a candidate shall be certified and endorsed by a lawyer having standing of 10 years at the Bar. Experience as a law clerk to judges shall also be counted in this regard and the judicial service entrants must undergo a year of training before presiding in a court, the court said.

"For the last 20 years, during which the recruitment of fresh law graduates have been appointed as judicial officers without a single day of practice at the bar has not been a successful experience. Such fresh law graduates have led to many problems," the top court added, explaining the rationale behind the judgment.

However, the bench clarified that the rule will apply only to future recruitments and will not affect ongoing recruitment processes.The requirement was initially in place in several states. However, in 2002, the Supreme Court removed the condition, allowing fresh law graduates to apply for Munsiff Magistrate posts. Subsequently, petitions were filed in the Supreme Court seeking the reinstatement of the rule that only practising lawyers should be eligible. Several High Courts also supported the move to reintroduce the minimum practice requirement.

COVID-19 under control in India, say authorities amid surge scare in Asia

New Delhi. Health authorities in India are keeping an eye on reports of a rise in Covid cases in Singapore and Hong Kong even as official sources on Monday asserted the current coronavirus situation in the country was under control.A review meeting of experts from the National Centre for Disease Control, Emergency Medical Relief division, Disaster Management Cell, Indian Council of Medical Research and Central government hospitals was held on Monday under the chairpersonship of the director general of health services."The meeting concluded that the current Covid-19 situation in India remains under control. As of May 19, 2025, the number of active COVID-19 cases in India stands at 257, a very low figure considering the country's large population.

"Almost all of these cases are mild, with no hospitalization required," an official source said.

The country has a robust system for surveillance of viral respiratory illnesses, including COVID-19, through the Integrated Disease Surveillance Programme (IDSP) and ICMR.

Hospitals have been asked to monitor influenza-like illnesses and severe acute respiratory infection cases.

The Union Health Ministry remains vigilant and proactive in monitoring the situation closely, ensuring that appropriate measures are in place to safeguard public health, the sources added.

Madhya Pradesh may cancel metro deal with Turkish firm over anti-India links

NEW DELHI. The Madhya Pradesh government may soon terminate its contract with Turkish company Asis Guard, which is currently involved in the digital systems of the Bhopal and Indore Metro projects. The move follows reports that drones manufactured by the company were allegedly used by Pakistan in anti-India operations, particularly during Operation Sindoor.The company is under scrutiny for its suspected indirect involvement in activities threatening India's sovereignty.

State minister Kailash Vijayvargiya confirmed that the matter was being taken seriously and an investigation has been ordered.

"Nation first. There is no place for anti-India mentality. For us, national duty is paramount. Any kind of sympathy or cooperation with anyone who stands against India's sovereignty cannot be tolerated," Vijayvargiya tweeted."Turkish company Asis Guard, which is engaged in manufacturing drones, has being accused that the drones manufactured by it were recently used in anti-India activities. The serious fact is that this same company Assis is currently contracted for the work of digital systems in Bhopal and Indore Metro projects," he added.The minister added that a detailed and impartial investigation was launched against the company and if any link to anti-national elements was found, the contract will be terminated.

CELEBI ROW

The development comes after India revoked the security clearance of Turkish-based firm Celebi Aviation in the interest of "national security" after Ankara sided with Pakistan and condemned India's strikes on the neighbouring country.Celebi, operating in the Indian aviation sector for over 15 years and employing over 10,000 people, offers its services at nine airports. The security clearance to the company, part of Turkey's Celebi, was given in November 2022.

In a statement issued earlier, Celebi Aviation India said it remains in full compliance with Indian aviation, national security, and tax regulations, and operates with complete transparency.

It rejected all allegations regarding the company's ownership and operations in India and reaffirmed its long-standing commitment to the country's aviation sector.

ISI-backed Khalistani module busted in Punjab, 6 Babbar Khalsa operatives caught

New Delhi. The Punjab Police has busted a Khalistani terror module allegedly backed by Pakistan's spy agency, the Inter-Services Intelligence (ISI), and operated by foreign handlers, arresting six operatives of the Babbar Khalsa International (BKI) outfit, the state police chief said on Tuesday.

"In a major breakthrough against Pakistan's ISI-backed terror networks, Batala Police busts a BKI terror module operated by foreign-based handlers Maninder Billa & Mannu Agwan on the directions of Harwinder Singh Rinda," a Pakistan-based Khalistani terrorist, the Director General of Punjab Police said.

The BKI operatives have been identified as Jatin Kumar, also known as Rohan; Barinder Singh, alias Sajan; Rahul Masih; Abraham, also known as Rohit; Sohit; and Sunil Kumar.

According to DGP Gaurav Yadav, "The module had attempted a grenade attack outside a liquor vend in Batala".The arrested accused were receiving direct instructions from Portugal-based Maninder Billa and BKI mastermind Mannu Agwan, who recently took over operational command following the arrest of wanted gangster Harpreet Singh, alias Happy Passia, in the US, police added.

Jatin Kumar was injured in exchange of fire while being taken for recovery. "He opened fire on police and sustained injuries in retaliatory action, and is admitted in Civil Hospital, Batala," the officer added.

The police also recovered a .30 bore pistol during the operation, and a case has been registered under various sections of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) and the Unlawful Activities (Prevention) Act (UAPA).

ED assistant director among four accused in Rs 2 crore bribery demand case

New Delhi. The Vigilance and Anti-Corruption Bureau (VACB) has registered a case against four people in connection with a Rs 2 crore bribery demand, with an Enforcement Directorate (ED) officer emerging as the prime accused.ED Assistant Director Shekhar Kumar has been named as the first accused in the case in the VACB report. Other accused in the case are Wilson Varghese from Ernakulam; Mukesh Kumar from Rajasthan, and Kochi-based chartered accountant Ranjith Warrier.

Taking a political take on the matter, the CPI(M) State Secretariat issued a statement criticising the central government, claiming that the Enforcement Directorate, which it alleged has been used by the BJP as a political weapon, is now itself at the center of a major corruption scandal.

The case pertains to a demand for a Rs 2 crore bribe allegedly made to a Kollam-based businessman, who was under ED scrutiny.In 2024, the ED had summoned the businessman for allegedly tampering with documents to misrepresent turnover and divert funds to foreign countries. After he appeared before the court, the ED asked him to submit older financial records or face legal proceedings.

Subsequently, Wilson Varghese approached the businessman, claiming to represent ED officials and relayed a demand of Rs 2 crore to halt the investigation. He assured the businessman he could facilitate a follow-up summons from the ED to prove his connections—an assurance that materialised in May 2025, when the businessman received another notice.

As part of the alleged arrangement, Wilson asked the businessman to deposit Rs 50 lakh into a private bank account in Mumbai in four installments. He also asked him to pay Rs 2 lakh in cash and another Rs 50,000 via a separate bank transfer.Suspicious of the ongoing demands, the businessman approached the VACB, which then set up a sting operation and Wilson was caught red-handed while receiving the money.

How Indian Army's 15 Corps executed Operation Sindoor with precision and surprise

NEW DELHI. In the first detailed briefing since the launch of Operation Sindoor, the Corps Commander of the Indian Army's 15 Corps, Lieutenant General Prashant Srivastava, revealed key operational details of the dramatic, high-impact retaliatory strike conducted across the Line of Control (LoC).Launched in response to unprovoked aggression and the continued support for terror infrastructure by the Pakistan Army, the operation marks a significant moment in India's cross-border military posture.

PLANNING PHASE

The planning for Operation Sindoor began immediately after the Pahalgam attack. Over 15 days, Indian forces conducted intensive reconnaissance, intelligence-gathering, and strategic planning.

This included strengthening defensive postures, identifying high-value enemy targets, and integrating next-generation weapon systems along with electronic warfare capabilities.A post-strike damage assessment (PSDA) mechanism was prepared in advance, supported by real-time surveillance ("eyes on target") to ensure precise outcomes. The strike was carefully synchronised to deliver a swift and overwhelming blow, with the first 25 minutes deemed critical.The offensive began between 01:05 am and 01:30 am on May 7, with simultaneous strikes launched across multiple enemy positions.

EXECUTION AND TACTICS

Surprise was the cornerstone of Operation Sindoor's success. Pakistani troops, according to intelligence reports, were caught completely off-guard. In many instances, they failed to comprehend the scale of the attack until substantial damage had already been done.

Indian artillery operated in tight coordination, delivering massive yet selective shelling aimed at terror infrastructure and Pakistani military positions that supported such networks.Lt Gen Srivastava emphasised that no women or children were targeted, reflecting the Indian Army's strict commitment to ethical conduct.

TARGET ZONES AND IMPACT

Key enemy locations—including those in the Muzaffarabad sector, as deep as 34 to 41 km inside Pakistani territory—were hit.

Golden Temple gave rare go-ahead to deploy guns to counter Pak drones: Officer

In an unprecedented move, the chief religious official of the Golden Temple permitted the Indian Army to deploy air defence systems within the shrine's premises to counter Pakistani drone and missile attacks amid India's Operation Sindoor.

New Delhi. The Head Granthi of the Golden Temple in Amritsar granted a rare permission for the deployment of air defence systems within the sacred premises to counter the missile and drone attacks from Pakistan, the Indian Army's Air Defence Chief has said.

Amritsar was targeted multiple times by Pakistani drones and projectiles in response to India's Operation Sindoor, which was launched as retaliation for the April 22 terrorist attacks in Pahalgam.

"It was very nice that the Head Granthi of the Golden Temple allowed us to deploy our guns. It is possibly for the first time in many years that they switched off the Golden Temple lights so that we could see the drone coming," Lieutenant General Sumer Ivan D'Cunha said in an interview with news agency ANI.The officer, Director General of Army Air Defence, further noted that the Golden Temple authorities "realised there was a potential threat once it was explained to them. They allowed us to deploy guns to secure and protect a national war monument of international repute, which is visited by hundreds of thousands of people every day. As a result, the guns were deployed, and the Golden Temple's lights were switched off."

Referring to an earlier statement by Major General Kartik C Seshadri, General Officer Commanding (GOC) of the 15th Infantry Division, who revealed that Army Air Defence gunners had successfully intercepted all drones and missiles aimed at the Golden Temple, D'Cunha added that the Indian Army had anticipated Pakistan might target religious sites near the border, given the absence of legitimate military targets.

"Fortunately, we visualised what they (Pakistan) were capable of doing. Realising that they would target it because they had no legitimate targets across the border.

They were more interested in creating confusion, chaos internally, and hence, we visualised that they would target our civil population and our religious places of worship," Lieutenant General D'Cunha said.

Major General Seshadri, who also detailed the Indian Army's operations at the Golden Temple, confirmed that all attacks on the Sikh shrine were successfully thwarted.

"The Pakistan Army has no legitimate targets to strike inside India, nor does it have the courage or capability to confront the Indian armed forces face to face. Hence, it uses terrorism as a state policy and resorts to launching unmanned aerial weapons from its own soil. They have even targeted religious places, particularly along the Indian border, a case in point being the Golden Temple in Amritsar, which witnessed a surge in drone and missile attacks that were bravely thwarted by our Army Air Defence gunners," the Major said.

NEWS BOX

Why China is rushing to complete Mohmand dam in Pakistan

world. China has announced plans to fast-track a "flagship" dam project in Pakistan to support its close ally, weeks after India suspended the 1960 Indus Waters Treaty (IWT) following the Pahalgam terror attack.

According to media reports, the state-owned China Energy Engineering Corporation has been working on the Mohmand Hydropower Project in Khyber Pakhtunkhwa, northwestern Pakistan, since 2019. The project officially began in September 2019 and was scheduled for completion next year.China's state broadcaster CCTV on Saturday reported that concrete filling had begun on the Mohmand Dam, marking a key milestone in its construction and accelerating progress on Pakistan's flagship hydropower project, according to the South China Morning Post.

The development comes just days before Deputy Prime Minister and Foreign Minister Ishaq Dar visit Beijing on Monday for discussions with China's top diplomat Wang Yi. China's move followed India's announcement to suspend the 1960 Indus Waters Treaty after the deadly terrorist attack on tourists at Pahalgam on April 22.The Mohmand dam in Khyber Pakhtunkhwa province is designed to serve as a multi-purpose facility for power generation, flood control, irrigation and water supply and is designed to generate an estimated 800MW of hydropower and supply 300 million gallons a day of drinking water to Peshawar, the capital and largest city of Khyber Pakhtunkhwa.

Spain orders Airbnb to remove 65,000 listings over housing violations

world. Spain has ordered Airbnb to take down over 65,000 holiday rental listings from its platform, citing violations of housing regulations. On Monday, the Consumer Rights Ministry stated that most of the flagged listings lack the mandatory license number, while others fail to clarify whether the property owner is an individual or a corporation.Consumer Rights Minister Pablo Bustinduy emphasised the need to restore control in the holiday rental sector, which he described as plagued by "illegality."He declared, "No more excuses. Enough with protecting those who make a business out of the right to housing in our country." Bustinduy confirmed that Madrid's high court has backed the ministry's move to remove around 5,800 of the listings immediately.

Airbnb has announced plans to implement the order but also intends to challenge it.As reported by Reuters, a company spokesperson criticized the ministry's actions, arguing that it lacks jurisdiction over short-term rentals and has failed to present sufficient evidence of non-compliance. The spokesperson also claimed that some of the listings in question are for non-touristic, seasonal use.

The Spanish government and regional and local authorities are increasing pressure on platforms like Airbnb and Booking.com as part of broader efforts to tackle the housing crisis.Locals across Spain blame the rise in short-term rentals for soaring rents and shrinking long-term housing availability.

Spain's housing issue has escalated since the collapse of a real estate bubble more than 15 years ago. Official figures show that as of November 2023, approximately 321,000 homes were registered as holiday rentals, a 15% increase since 2020. Authorities believe many more operate without licences.

Wider European Context

Spain is not alone in its response. Countries like Croatia and Italy have also introduced measures to control the growth of short-term holiday rentals.

Vivek Ramaswamy warns: Chinese students are 4 years ahead of US peers

world. Ohio GOP-endorsed gubernatorial candidate Vivek Ramaswamy, 39, is raising eyebrows and expectations with his declaration that American students are trailing their Chinese counterparts by an alarming margin."The average student in China is a full four years ahead of the average US student in academic performance," Ramaswamy said in a pointed message posted on X. "I refuse to stand by and watch as the CCP laughs at our gradual decay."

The biotech entrepreneur and former US presidential candidate, who was recently endorsed by Donald Trump and officially backed by the Ohio Republican Party, is positioning himself as a crusader for academic excellence.

"We'll lead Ohio to be the top state in the nation to put the focus of education where it belongs: excellence," Ramaswamy vowed, signaling a campaign platform that will prioritize rigorous academics and education reform.

Ramaswamy's comments come amid growing concern in conservative circles about the state of public education in the US. His comparison with China plays into broader geopolitical anxieties about American competitiveness in science, technology, and innovation.

Backed strongly by President Trump and his inner circle, Ramaswamy outmaneuvered more experienced Republican rivals, including Ohio Attorney General Dave Yost and Appalachian businesswoman Heather Hill.

Ramaswamy, a Cincinnati native and former co-chair of Trump's Department of Government Efficiency initiative, launched his campaign earlier this year and has since toured the state aggressively. Trump endorsed him on day one, calling him "Young, Strong, and Smart!"One of the world's wealthiest millennials, Ramaswamy made a fortune in biotech before turning his attention to politics. He rose to prominence on the right as a fierce critic of identity politics and programs that advance diversity, equity and inclusion.

What is Take It Down Act? New US law targets revenge porn, deepfakes

world. US President Donald Trump on Monday signed the Take It Down Act into law, a measure that imposes penalties for online sexual exploitation. First Lady Melania Trump, who played a key role in pushing the bill through Congress, also signed the document, though her signature was symbolic.When Melania hesitated, Trump encouraged her: "C'mon, sign it anyway. She deserves to sign it," he said. He then held up the signed law in the White House Rose Garden, showing both their names.

Calling the new law a "national victory," Melania said: "AI and social media are the digital candy for the next generation, sweet addictive and engineered to have an impact on the cognitive development of our children. But unlike sugar, these new technologies can be weaponized, shape beliefs and, sadly, affect emotions and even be deadly."

Trump said the proliferation of images made using AI means that "countless women have been harassed with deepfakes and other explicit images distributed against their will." He said what's happening is "just so horribly wrong.""Today, we're making it totally illegal," Trump said.The law makes it illegal to "knowingly publish" or threaten to publish intimate images without a person's consent, including AI-created "deepfakes." It also requires websites and social media platforms to remove such material within 48 hours of notice from a victim. Platforms must also delete duplicate content. While many states already ban the distribution of sexually explicit deepfakes or revenge porn, the Take It Down Act is a rare example of federal regulation targeting internet companies.

WHO SUPPORTS IT?

The Take It Down Act has received strong bipartisan support and was championed by Melania Trump, who lobbied on Capitol Hill in March, saying it was "heartbreaking" to see what teenagers, especially girls, go through after being victimized by such content.The act was inspired by Elliston Berry and her mother, who visited his office after Snapchat refused for nearly a year to remove an AI-generated "deepfake" of the then 14-year-old. Meta, which owns and operates Facebook and Instagram, supports the legislation.The Information Technology and Innovation Foundation, a tech industry-supported think tank, said in a statement following the bill's passage last month that it "is an important step forward that will help people pursue justice when they are victims of non-consensual intimate imagery, including deepfake images generated using AI."

WHAT ARE CENSORSHIP CONCERNS?

Free speech advocates and digital rights groups say the bill is too broad and could lead to the censorship of legitimate images including legal pornography and LGBTQ content, as well as government critics."While the bill is meant to address a serious problem, good intentions alone are not enough to make good policy," said the nonprofit Electronic Frontier Foundation, a digital rights advocacy group.

Trump demands investigation into Kamala Harris' celebrity endorsements

world. In a late-night post, President Donald Trump called for an official investigation into former Vice President Kamala Harris, alleging her campaign improperly paid celebrities for their endorsements. The Truth Social post, shared at 1:34 a.m. ET, accused Harris of using entertainment expenses to cover endorsement payments.Trump claimed Harris engaged in a "very expensive and desperate effort" to boost the appearance of public support. He named celebrities like Bruce Springsteen, Oprah Winfrey, Beyonc, and Bono, saying their involvement was part of a "CORRUPT & UNLAWFUL" strategy. "IT'S NOT LEGAL!" Trump wrote in all caps, further calling the entertainers "unpatriotic."

Trump claimed Harris engaged in a "very expensive and desperate effort" to boost the appearance of public support. He named celebrities like Bruce Springsteen, Oprah Winfrey, Beyonc, and Bono, saying their involvement was part of a "CORRUPT & UNLAWFUL" strategy. "IT'S NOT LEGAL!" Trump wrote in all caps, further calling the entertainers "unpatriotic."

Celebrity Support Sparks Controversy

According to Axios, Trump's remarks come after several high-profile entertainers, including Taylor Swift and Springsteen, strongly opposed him.During a recent concert, he labelled Trump "corrupt" and "treasonous." Trump has also faced criticism for attacking celebrities critical of him while receiving support from figures like Kid Rock.

Did Harris Pay for Endorsements?

Allegations that celebrities were paid to support Harris have circulated, though no evidence has confirmed this. Campaign finance records show Harris' campaign paid $1 million to Oprah Winfrey's production company, Harpo, for hosting a televised town hall. Similarly, Beyonc's company reportedly received $165,000 for production-related expenses.However, representatives for both Winfrey and Beyonc denied making any personal payments. Beyonc's mother, Tina Knowles clarified that her daughter "did not receive a penny" for participating in a campaign event in Texas.Adrienne Elrod, a senior adviser for Harris' campaign, addressed the controversy last year, affirming that no artist or performer was ever paid an endorsement fee. She explained that the campaign followed all regulations and only covered essential costs associated with events, such as production and logistics.Elrod stressed that all campaign activities adhered to federal finance laws: "There are laws that have to be followed, and we've complied fully.

UK, France, Canada threaten sanctions against Israel over Gaza offensive

world. The leaders of the United Kingdom, France, and Canada issued a joint statement on Monday condemning Israel's handling of the humanitarian situation in Gaza and warning of "further concrete actions," including targeted sanctions, if Israel does not halt its renewed military offensive and allow more humanitarian aid into the region.Calling Israel's limited resumption of aid deliveries "wholly inadequate," the leaders said the country's failure to provide for the civilian population "is unacceptable and risks breaching International Humanitarian Law." They urged Israel to work with the United Nations to restore consistent aid access in accordance with humanitarian principles.

The pressure comes after Israel's decision Sunday to allow a "basic amount of food" into Gaza for the first time in over two months. On Monday, five aid trucks entered the Strip, the first since March 1, when Israel blocked shipments in a bid to force Palestinian militant group Hamas to release dozens of hostages.

Israeli officials earlier argued that sufficient aid had entered during a temporary ceasefire and accused Hamas of diverting supplies. However, some Israeli military officials have recently warned that starvation is imminent in parts of Gaza.

How Netanyahu Reacted

In response to the joint criticism, Prime Minister Benjamin Netanyahu accused the Western governments of "offering a huge prize" to Hamas and said their statements risk encouraging further attacks on Israel.Meanwhile, the Israeli military has launched a new ground campaign in Gaza, dubbed "Gideon's Chariots." The operation, approved by Israel's Security Cabinet on May 5, aims to defeat Hamas, destroy infrastructure, and secure control over Gaza.

The military has indicated it plans to retain captured territory and relocate northern Gaza residents southward. The campaign follows heavy airstrikes and a humanitarian crisis that UN officials have described as catastrophic.

Hand over Hafiz Saeed, things will be over: Indian diplomat's message to Pak

world. India's Ambassador to Israel JP Singh has stressed that India's Operation Sindoor against Pakistan is "paused" and "not over". He urged Islamabad to hand over key terrorists Hafiz Saeed, Sajid Mir and Zakiur Rehman Lakhvi, similar to how the US extradited Tahawwur Hussain Rana, a key accused in the 26/11 Mumbai terror attacks.In an interview with Israeli TV channel i24 on Monday, Singh said the operation initially targeted terror infrastructure in Pakistan and was triggered by the Pahalgam terror attack on April 22.

"The terrorists killed people based on their religion. They asked people their religion before killing them and 26 innocent lives were lost", the Indian ambassador said."India's operation was against terror groups and their infrastructure, to which Pakistan responded by attacking Indian military installations," Singh said.

On being asked whether the ceasefire is holding, Singh confirmed it is, but reiterated that India has only paused Operation Sindoor."The fight against terrorism will continue. We have set a new normal and the new normal is that we will follow an offensive strategy. Wherever terrorists are, we have to kill those terrorists and we have to destroy their infrastructure. So it is still not over but as we speak the ceasefire is still intact," Singh asserted.

He described India's strike on Pakistan's Nur Khan base on May 10 as a "game changer" that caused panic in Islamabad. According to Singh, Pakistan's Director General of Military Operations (DGMO) contacted his Indian counterpart to seek a ceasefire after the strike.

Addressing Pakistan's claim that suspending the Indus Waters Treaty (IWT) is an "act of war," Singh countered that the treaty's guiding principles—goodwill and friendship—were never upheld by Pakistan.

"While we allowed water to flow, Pakistan allowed terror to flow into India," he said. "Our Prime Minister has made it clear—blood and water cannot flow together."Singh said public frustration in India over Pakistan's continued support for terrorism led to the treaty being put in abeyance.

Russia, Ukraine to immediately start ceasefire talks: Trump after call with Putin

US President Donald Trump said that Russia and Ukraine will immediately start talks on a ceasefire. He said that around 5,000 soldiers are killed every week in the Russia-Ukraine conflict.

world.US President Donald Trump spoke with Russian President Vladimir Putin on Monday for two hours and announced that Russia and Ukraine would begin immediate negotiations toward a ceasefire. However, the Kremlin said that any agreement would take time, and Trump signalled he was not prepared to join Europe in imposing new sanctions to pressure Moscow.Trump said he had a "little conversation with a nice gentleman named Vladimir Putin". He claimed that progress was being made, stating that around 5,000 young soldiers are being killed every week on average, possibly more, along with civilians in towns."We're trying to stop it. It's an absolute bloodbath," he said, adding that he had seen satellite images that were "so bad, so horrible".Trump added, "We're doing the best we can. This was not our war. This was not me. We're doing something from the last administration. How did they allow that to happen? It wouldn't have happened."On Truth Social he wrote, "Just completed my two-hour call with President Vladimir Putin of Russia. I believe it went very well. Russia and Ukraine will immediately start negotiations towards a ceasefire and, more importantly, an END to the War."Trump added that Russia was interested in engaging in large-scale trade with the United States once the ongoing "catastrophic bloodbath" comes to an end. He wrote there was a tremendous opportunity for Russia to generate significant jobs and wealth, calling the country's potential "unlimited". He added that Ukraine, too, could greatly benefit through trade during its reconstruction process.Writing further about the negotiations between Russia and Ukraine, Trump said he had conveyed this development to Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy, European Commission President Ursula von der Leyen, French President Emmanuel Macron, Italian Prime Minister Giorgia Meloni, German Chancellor Friedrich Merz, and Finnish President Alexander Stubb during a group call held right after his conversation with President Putin.

He also mentioned that the Vatican, represented by the Pope, had expressed strong interest in hosting the negotiations.

WHAT PUTIN SAID

After his conversation with Trump, Putin said that efforts to end the war were "generally on the right track" and added that Moscow was willing to work with Ukraine on a possible peace agreement."We have agreed with the President of the United States that Russia will propose and is ready to work with the Ukrainian side on a memorandum on a possible future peace accord," he told reporters near the Black Sea.

NEWS BOX

Rishabh Pant will be back: Mitchell Marsh backs LSG skipper for strong comeback

New Delhi. Mitchell Marsh backed Rishabh Pant to make a strong comeback and make a statement in Lucknow Super Giants' last two matches in the Indian Premier League (IPL) 2025. On Monday, May 19, LSG crashed out of the tournament after their six-wicket defeat to the Sunrisers Hyderabad at the Bharat Ratna Shri Atal Bihari Vajpayee Ekana Cricket Stadium in Lucknow.

Pant has been under pressure after becoming the most expensive player in IPL history when the Super Giants shelled out a whopping Rs 27 crore for the wicketkeeper-batter. In 12 matches, Pant scored 135 runs at an average of 12.27 at a strike-rate of 100 with a top score of 63.

"He'd be the first one to say that he hasn't had the season that he would have liked. But I know for myself personally that that's the way cricket goes sometimes and we know that he's a fantastic player, highly skilled and highly talented. So he will be back, hopefully, in the last two games," Marsh said in the post-match press conference.

After being asked to bat first, LSG scored 205 for the loss of seven wickets. Marsh and Markram laid the platform with knocks of 65 and 61 respectively. But the Sunrisers chased down the target with 10 balls to spare.

"They bowled very well to their plans throughout the middle order. And maybe we were probably 15 short on what was a really good wicket. And, you know, the margins are very small in this game. But as we know, you can have 180 or 280 on the board and you never really feel safe against the Sunrisers. So they're a dangerous side and they batted beautifully," Marsh added.

With wheels falling off, Delhi Capitals back in familiar IPL blackhole again

A 10-wicket loss to Gujarat Titans has pushed Delhi Capitals down to fifth place, outside the playoff spots, with 13 points from 12 matches. Delhi began the season strong but lost momentum midway due to poor tactics, underused players, and sloppy fielding. Now, they face a do-or-die battle to keep their playoff hopes alive.

New Delhi. When Delhi Capitals began their IPL 2025 campaign, it felt like they were scripting a season to remember — a narrative built on high hopes, bold performances, and the belief that this could finally be their year. The first four matches? Flawless. Unbeaten. Unbothered. They looked like a team in complete control of their destiny.

But the 10-wicket loss to Gujarat Titans at Kotla confirmed that DC's control has slowly slipped away. The tone has shifted. Momentum has disappeared. From title contenders, they've tumbled into a chaotic mid-table scramble, managing just two wins in their last six games — one of them via a Super Over.The early confidence has been replaced by a desperate search for answers. Now they have to win their two remaining league stage matches with healthy run rates and hope other results go their way to enter into the top four.

At the center of their familiar season collapse, lies a misfiring top order, muddled tactical decisions, and a baffling misuse of personnel.

THE FLYING START

Few teams hit the ground running like Delhi Capitals. Their opening fortnight was as close to perfect as it gets. Four wins in four games. Ashutosh Sharma delivering fireworks at the death. Mitchell Starc proving lethal at the back end of innings. Even though cracks in the batting were visible, the team kept finding ways to win.

Those wins weren't built on a solid strategy. They were thrilling, unpredictable, and mostly carried by individual brilliance. There was no tactical blueprint, but there was belief, and most importantly, points on the board. And for a while, that was enough.

TOP-ORDER TRIALS AND ERRORS

As the season progresses towards the business end, Delhi Capitals' top order has become their biggest liability. Across 10 games, they experimented with seven different opening combinations — the highest of any team this season. Their most productive pairing, Faf du Plessis and Jake Fraser-McGurk, averaged just 30.7 at a strike rate of 131.4 — numbers that simply don't cut it in a league increasingly defined by xplosive powerplay starts.

Abishek Porel sparked early promise but failed to build on it. His innings against GT, where he flickered briefly before a soft dismissal, summed up his campaign in miniature. Fraser-McGurk arrived with a reputation for aggressive batting but hasn't lived up to it. Faf du Plessis managed a composed fifty against KKR, but his recent returns — 2, 22, 29 and 5— suggest a batter out of sync with his timing.

Karun Nair struggled to make an impact worth remembering after the breakout 89-run knock against Mumbai Indians. The entire top order turned into a carousel of uncertainty — no stability, no momentum. There was no one to anchor the innings, no one to accelerate meaningfully. More often than not, it ended with a top-edge to point or a mistimed hoick to deep midwicket.

Retain fully fit players next time: Mohammad Kaif's scathing verdict on LSG

Former cricketer Mohammad Kaif has criticised LSG's team-building strategy, urging the franchise to prioritise fitness over star power after their IPL 2025 playoff exit. Injuries to key bowlers like Mayank Yadav and Mohsin Khan played a major role in the team's poor second-half

New Delhi. Former India cricketer Mohammad Kaif believes that Lucknow Super Giants should focus on investing in fit and consistently available players, rather than spending big money on stars with a history of injuries. LSG were knocked out of the Indian Premier League 2025 playoffs race after a six-wicket defeat against SunRisers Hyderabad.LSG's bowling unit failed to deliver on the day, unable to contain the likes of Abhishek Sharma and Heinrich Klaasen, as the visitors cruised to a record chase of 206 runs at the Ekana Stadium in Lucknow. After the match, LSG skipper Rishabh Pant blamed the team's unsettled bowling line-up for the defeat and admitted that the absence of their frontline bowlers proved costly this season.

Mohammad Kaif reacted to Pant's comments, suggesting that LSG should prioritise retaining players who are likely to stay fit through the season, rather than investing heavily in injury-prone names.

Ahead of the mega-auction in 2024, LSG had retained Nicholas Pooran (Rs 21 crore), Ravi Bishnoi (Rs 11 crore), Mayank Yadav (Rs 11 crore), Mohsin Khan (Rs 4 crore), and Ayush Badoni (Rs 4 crore).

However, both of their retained fast bowlers — Mayank and Mohsin — were ruled out for most of the season. While Mayank Yadav played just two matches in IPL 2025, he returned well below his best, bowling at reduced pace and averaging 50 across his appearances."I would rather pay money to retain players who can play the full season. LSG's entire bowling attack is injury-prone. I'm not saying injuries don't happen, but for players who are more susceptible to them — stop retaining them for big money. Instead, pick them up at the auction," Kaif said after the match.On Monday, May 19, LSG were officially eliminated from the playoffs race. It marked their fourth consecutive loss in what has turned out to be a disastrous second half of the season. With two matches left, Lucknow will now look to end their campaign on a positive note.

LSG's Nicholas Pooran fumes in dressing room after costly run-out vs SRH

New Delhi. Lucknow Super Giants star batter Nicholas Pooran was visibly furious after his run-out during LSG's must-win clash against Sunrisers Hyderabad at the Ekana Stadium. The incident occurred in the final over of LSG's innings and later sparked an outburst in the dressing room, capturing the frustration of a side on the verge of elimination.Batting first, LSG posted a strong total of 205 for 7, thanks to 65 from Mitchell Marsh and 61 by Aiden Markram. Pooran added a brisk 45 from 26 balls, but his dismissal in the final over proved a turning point in the innings. After slipping while attempting a second run earlier in the over, Pooran tried to sneak a bye on the next delivery but was run out by a direct hit from SRH keeper Ishan Kishan.

Pooran's reaction was immediate and emotional. Back in the dressing room, he was seen throwing his gloves in frustration after Abdul Samad, LSG's last hope, was dismissed on the penultimate ball. Cameras caught Pooran gesturing animatedly and venting his anger, with skipper Rishabh Pant seen observing the exchange.

Despite the competitive total, LSG had no answer to SRH's explosive chase. Abhishek Sharma smashed 59 off 20 balls, and Heinrich Klaasen added 47 in 28 as SRH cruised to a six-wicket win. The result knocked LSG out of playoff contention and left the squad grappling with yet another season of unfulfilled promise.

Pooran's outburst quickly went viral on social media, symbolising LSG's campaign — strong on paper but ultimately undone by key moments and lost opportunities.

UAE chase record 206 in Sharjah, beat Bangladesh for first time in T20I cricket

New Delhi. The UAE scripted one of the biggest wins in their T20 international journey, stunning Bangladesh in the second match of a three-match series in Sharjah on Monday, 19 May. The UAE chased down the highest target in their T20I history - 206 - to outclass Bangladesh and level the series at 1-1.Bangladesh had won all four of their meetings since 2016 and appeared poised to make it five from five after posting 205 in their full quota of 20 overs, following the home team's decision to bowl after winning the toss. However, UAE captain Muhammad Waseem flipped the script, smashing 82 off just 42 balls and inspiring a historic chase in a thrilling encounter that went down to the wire at the iconic Sharjah Cricket Stadium.

The UAE's chase of 206 was the highest ever by an associate nation against a full-member team in T20I history. It was also the UAE's first-ever successful chase of 200-plus in the shortest format of the game.

"I have no words. I am very happy we beat Bangladesh. Very happy with the performance. I was giving hope to everyone that we could chase this score because we know the conditions," said captain and Player of the Match Muhammad Waseem.

A COLLECTIVE EFFORT WITH THE BAT

Chasing 206, the UAE got off to a flying start, scoring 68 runs in six overs. Muhammad Waseem raced to 32 while his opening partner Muhammad Zohaib provided solid support, smashing 30 off 23 balls during the powerplay.Tanzim Hasan Sakib and Nahid Rana conceded 18 runs each in the last two overs of the powerplay.

Waseem and Zohaib continued their momentum even after the fielding restrictions were lifted, taking the team total to 107 for no loss at the halfway mark.However, the UAE then lost their set batters - Waseem for 82 and Zohaib for 38 - slipping to 148 for 3 in 15 overs.

There were no significant contributions following the opening stand, but cameos from Asif Khan (19 off 12) and Alishan Sharfu (13 off 9) helped inch the UAE closer to the target.Still, with 29 required off the last two overs, it appeared Bangladesh were firmly in control.

IPL 2025: LSG's Digvesh Rathi suspended after on-field spat with Abhishek Sharma

New Delhi. Lucknow Super Giants spinner Digvesh Rathi has been handed a one-match suspension and fined 50 percent of his match fee for breaching the IPL Code of Conduct during an on-field altercation with Sunrisers Hyderabad's Abhishek Sharma in their clash on May 19.Rathi's suspension means he will miss LSG's upcoming match against Gujarat Titans on May 22. This marks his third Code of Conduct violation in the ongoing IPL season, with the previous two also stemming from his infamous "notebook celebration" after taking wickets. While the earlier offences earned him three Demerit Points, the May 19 incident added two more, bringing his total to five.

The recent breach falls under Level 1 offence (Article 2.5) of the IPL's Code, which pertains to actions that provoke an aggressive reaction from a dismissed batter.

Meanwhile, Abhishek Sharma was also fined 25 percent of his match fee for retaliating during the heated exchange.

What happened during the incident?

The altercation took place in the eighth over of the match at the Ekana Stadium in Lucknow. Abhishek, who was on fire with a 59 off just 20 balls, tried to go big on the off-side but mistimed his shot and was caught by Shardul Thakur in the deep — ending a blazing 82-run partnership.Rathi, fired up after the breakthrough, broke into his notebook-style celebration and waved at Abhishek as he walked off. The gesture didn't go down well with the SRH opener, who turned back toward the bowler and exchanged words.

The on-field umpire intervened promptly to diffuse the situation, and play resumed shortly after a brief delay.

Later in the match, both players were seen shaking hands and chatting near the boundary rope, suggesting the matter had been resolved. BCCI vice-president Rajeev Shukla was also seen in the vicinity as the exchange wrapped up.Despite the flashpoint, SRH went on to comfortably chase down the 206-run target and get a six-wicket win to knock LSG out of the playoffs race.

MS Dhoni vs Vaibhav Suryavanshi: New Delhi set for IPL's oldest vs youngest

New Delhi. There's plenty to look forward to in the IPL 2025 match on Tuesday, 20 May, despite it being a dead rubber. Chennai Super Kings, who are languishing at the bottom of the points table, take on Rajasthan Royals in New Delhi in an inconsequential match as far as the play-off race is concerned. However, there are several intriguing subplots that are expected to produce a lively atmosphere at the Arun Jaitley Stadium.

As ever, it's all set for MS Dhoni mania in New Delhi. The 43-year-old CSK captain was initially not scheduled to play a game in the capital. However, following the resumption of the IPL after a week-long suspension, CSK's home fixture against Rajasthan was shifted to New Delhi when organisers decided to restrict the remaining league stage to just six cities. Thousands of fans are expected to throng the Arun Jaitley Stadium, hoping to catch a glimpse of Dhoni in what could potentially be one of his final appearances at the iconic venue.

And then there's perhaps the most exciting subplot. On Tuesday, IPL 2025's oldest player - Dhoni - will face off against the tournament's youngest-ever player, Vaibhav Suryavanshi. When CSK and RR met earlier in the season in Guwahati on 30 March, Vaibhav did not feature in the playing XI. However, he did make the most of the occasion by meeting Dhoni after the match.

Since making his debut midway through the season, Vaibhav has impressed with his remarkable ability to play fearless cricket. The 14-year-old has scored 195 runs, including a record-breaking century, in six matches at a staggering strike rate of 219.

Vaibhav will be eager to leave a lasting impression as he bats in front of one of his idols, Dhoni - aiming to sign off from the season on a high. Rajasthan, who have won only 3 matches from 13 matches, will be playing their final game of the season on Tuesday.

AAKASH CHOPRA RECALLS AGE BANTER WITH DAUGHTER

Former India opener Aakash Chopra, speaking about this compelling subplot, recalled a light-hearted moment with his 12-year-old daughter. The renowned broadcaster revealed a snippet of banter that unfolded when he tried to compare her journey with that of the young Rajasthan Royals star.

"That's a funny one. I told my daughter, 'Look at Vaibhav Suryavanshi. He is only 14, you are 12.' She said, 'Look at Dhoni, he is still playing, Dad.' I said, 'End of conversation,'" Chopra recounted with a laugh.

Fans are expected to turn up in large numbers, fuelled by ongoing speculation around Dhoni's future in the IPL. Before the suspension of the league, Dhoni addressed the retirement rumours, saying he would not rush into any decisions regarding his future.

Dhoni also downplayed the hype around sold-out stadiums across the country for CSK matches, joking that fans were showing up not knowing whether this would be his final season.However, both Aakash Chopra and former India fast bowler Varun Aaron expressed confidence that Dhoni would return in 2026.

"I mean, we've been talking about this for the last few seasons. I don't think this is going to be his last. He said he'll assess his body during the off-season and decide what to do," Aaron said.

This Is What Mouni Roy's 'Special Night At Cannes' Looked Like

Mouni Roy recently made heads turn with her stunning look at the ongoing 78th Cannes Film Festival. The diva lit up the red carpet with her glamorous appearance, as she celebrated the spirit of Indian cinema on the global stage. Sometime ago, the actress took to Instagram and shared a string of pictures of her second look at the prestigious event. She graced the iconic French Riviera in an exquisite Caroline Couture ensemble that radiated elegance and confidence.The Brahmastra actress' second look for Cannes 2025 was nothing short of sensational as she opted for a midnight black and blue off-shoulder gown with thigh-high slit. The key highlight of her overall look for the day was her diamond necklace from the prestigious brand, Chopard Jewellery.

Sharing the pictures, Mouni wrote in the caption, 'A special night in Cannes with @chopard @chopardbycaroline#carolinescouture x Glam by @diorbeauty."

In no time, the comment section was flooded with reactions from fans and admirers. An Instagram user commented, "What a beauty." Another one wrote, "Stunner as always." One of them shared, "Her growth feels soo personal."

Speaking about her second appearance at the prestigious festival, a source stated, "Mouni is very pleased to attend the 78th Cannes Film Festival, where she will be considered as one of the chosen Indian celebrities representing India and Indian cinema on the global stage. Mouni's presence will undoubtedly have an impact, given her achievements in both the film industry and as a fashion icon," reported DNA India.

On the work front, Mouni was recently seen in the horror action comedy, The Bhootnii, which was released on May 1. Helmed by Sidhant Sachdev, the film also featured Sanjay Dutt, Sunny Singh and Palak Tiwari in lead roles but failed to impress the audiences at the box office.

She will be next seen in the comedy-entertainer, Hai Jawani Toh Ishq Hona Hai, along with Varun Dhawan, Mrunal Thakur and Pooja Hegde. Directed by David Dhawan and produced by Ramesh Taurani, the film is expected to hit the big screens later this year. The actress recently wrapped up shooting for her part in the film.

Tiger Shroff Wears Sparkly Crop Top, Internet Says 'It's Shraddha Kapoor's Blouse'

The Zee Cine Awards 2025 turned Mumbai into a melting pot of glamour, glitz, and groove this past Saturday. With an illustrious line-up of Bollywood A-listers including Tamannaah Bhatia, Rashmika Mandanna, Kriti Sanon, Rasha Thadani, Jacqueline Fernandez, and Kartik Aaryan lighting up the red carpet, the night was nothing short of a cinematic spectacle. But it wasn't until Tiger Shroff took the stage that the evening's energy hit a fever pitch — thanks not only to his electric dance performance, but also to an outfit that had netizens buzzing for all the right (and hilarious) reasons.

Tiger, who is widely regarded as one of Bollywood's best dancers, delivered a power-packed act set to some of his biggest chartbusters. From backflips to moonwalks, his signature agility and grace had the audience roaring. However, this time, his dance moves weren't the only showstopper. It was his outfit — a metallic, midriff-revealing, corset-inspired crop top paired with leather pants — that truly stole the spotlight.

Described by social media users as "disco meets drama," the ensemble sparked a meme frenzy online. Within minutes of the performance airing, screenshots and reactions flooded platforms like Instagram, X (formerly Twitter), and Reddit. "Is he wearing Ananya's blouse?" asked one user cheekily. Another wrote, "Shraddha Kapoor called, she wants her tank top back." One fan hilariously quipped, "Blouse goals! If Tiger can rock this, so can I!"

Even fashion pages chimed in, debating whether the outfit was high-concept or high-camp. "It's giving mid-2000s Britney Spears meets Met Gala after-party," wrote one fashion blogger. Others defended Tiger's bold choice, applauding him for pushing boundaries in an industry where male stars often play it safe onstage. "It's refreshing to see someone like Tiger break the mold and take risks — sartorial or otherwise," a user commented.Adding to the drama was the fact that Tiger not only wore the polarizing outfit, but performed in it — executing complex flips, high jumps, and intricate footwork with not a single thread out of place. His confidence, charisma, and sheer stage presence made it clear that he wasn't just wearing a statement — he was the statement.

Suniel Shetty, Athiya Celebrate As KL Rahul Makes IPL History: 'Bat Of The Beast'

KL Rahul set the cricket field ablaze once again as he made IPL history with a sensational century—his fifth in the league. He was playing for Delhi Capitals against Gujarat Titans at the Arun Jaitley Stadium. With this ton, Rahul became the first player to score centuries for three different IPL teams, adding another feat to his already glittering record in T20 cricket.As congratulations poured in from fans and cricket lovers, two people who were especially proud of the achievement were Rahul's wife, Athiya Shetty, and father-in-law, actor Suniel Shetty. Suniel shared a striking photo of the cricketer on his Instagram Stories with the caption: "A storm in disguise."Athiya, meanwhile, kept things minimal yet heartfelt. She reposted Delhi Capitals' tribute post which hailed Rahul's performance with the words, "Fifth IPL hundred from the bat of the beast." Along with a red heart emoji, she added Imagine Dragons' "Believer" as the soundtrack to her Story.

Rahul's journey through IPL has seen him notch up two centuries each while playing for Punjab Kings and Lucknow Super Giants, and now one more for Delhi Capitals. Though he had earlier played for Royal Challengers Bengaluru and Sunrisers Hyderabad, he didn't hit three figures for those sides.

Away from the cricket pitch, Rahul and Athiya's love story began in 2019. The couple made their relationship public in 2021 and tied the knot in January 2023 in a cozy, private ceremony. Fast forward to March this year, they welcomed their baby girl, Evaarah. Announcing her arrival with a touching message, they wrote, "Our baby girl, our everything. Evaarah/ivaaraa ~ Gift of God."

Rahul Vaidya Refuses Rs 50 Lakh Offer To Perform In Turkey: 'No Fame Is Bigger Than...'

Rupali Ganguly recently hit the headlines after she publicly called for a boycott of Turkey, following the country's stance in favour of Pakistan after India's Operation Sindoor. Now, singer Rahul Vaidya has also joined the list of Indians who are boycotting Turkey. He shared that he recently turned down a lucrative offer of Rs 50 lakh to perform

at a wedding on July 5 in Antalya, Turkey. He said that his decision to decline the offer was driven purely by national interest, and that no fame or money is bigger than the interest of his country.

While speaking with Bombay Times, Rahul Vaidya said, "The offer was lucrative- they were paying me Rs 50 lakh. But I told them that no work, no money, and no fame is bigger than the interest of the country. They even offered me more, but I made it clear that it wasn't about the money. This issue is far more important than that. It's not about me as an individual; it's about the nation. And we have to stand by our nation." He further added that he has no desire to visit or work in a country that is 'an enemy' of his country, and does not respect it.

"Whatever I am today is because of my country and my fellow countrymen. Anyone who goes against the interests of my country and countrymen will not be entertained," he stated.

Rahul Vaidya said that anyone who is against India, is against him. "Indians spend so much money in Turkey and give them enormous business by hosting weddings there. We give them revenue worth crores and this is how they respond? How can we continue spending mone in a country that isn't even loyal to us?" he asked.

Meanwhile, a few days ago, Anupamaa actress Rupali Ganguly also made a strong appeal, and wrote on X (formerly Twitter), "Can we please cancel our bookings for Turkey. This is my request to all Indian Celebs/Influencers/Travellers. This is the least we can do as Indians. #BoycottTurkey."